राजस्थानी गौरव ग्रन्थमाला

संपादक

नरोत्तमदास स्वामी, अम अ

डा मनोहर शर्मा, अेम अे पी अच डी

डा लक्ष्मी कमळ, अम अे, पी-अच डी

राजस्थानी गौरव ग्रन्थमाला

राजस्थानी गौरव ग्रंथमाळा ५

राजस्थानी लोकगीत विहार

प्रथम भाग

मूळ संकलनकार
नरोत्तमदास स्वामी, अेम अे

परिवर्तित और परिवर्धित रूपांतर

संपादिका
डा लक्ष्मी कमळ, अेम अे, पी-अेच डी

श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा–३

मेहरा आफसेट प्रेस आगरा 1997 98 मूल्य रु 150 00

भूमिका

राजस्थान का लोकगीत-साहित्य बहुत समृद्ध है। राजस्थानी लोकगीतों के अनेक छोटे मोटे संग्रह समय-समय पर प्रकाशित हुए जिनमें श्री रामसिंह सूर्यकरण पारीक और नरोत्तमदास स्वामी द्वारा संकलित तथा संपादित राजस्थान के लोकगीत (दो भाग) सर्वश्रेष्ठ था। यह संग्रह अब अलभ्य हो चुका है।

गुरुवर श्री नरोत्तमदास स्वामी के निर्देशन में मैंने राजस्थानी लोकगीतों के प्रकाशन की वृहद योजना बनायी है। प्रस्तुत संकलन उसी योजना का एक अंग है।

यह संकलन बहुत पहले श्री स्वामीजी ने तय्यार किया था। उसी को अब मैंने यह परिवर्तित और परिवर्धित रूप दिया है। इसमें १११ गीत हैं जो विषयानुसार ११ शीर्षकों में विभक्त हैं। ये शीर्षक इस प्रकार है—

(१) देवी देवताओं के गीत (२) त्यौहारों के गीत (३) उत्सवों के गीत (४) परिवार के गीत (५) ग्रामजीवन के गीत (६) प्रेम के गीत (७) विनोद और व्यंग के गीत (८) देशप्रेम और वीरता के गीत (९) कथा गीत (१०) सिद्ध पुरुषों के गीत (११) प्रकीर्णक गीत।

गीतों का संकलन मैंने अनेक स्रोतों से किया है। सबसे अधिक लाभ मैंने श्री स्वामीजी के निजी संग्रह से उठाया है। उनका यह संग्रह विस्तृत ही नहीं किन्तु चुना हुआ भी है। उसमें स्वामीजी के अपने संगृहीत गीतों के अतिरिक्त सर्वश्री ठाकुर रामसिंह मुरलीधर व्यास सूर्यकरण पारीक गणपति स्वामी ब्रजमोहन जावळिया सत्यनारायण स्वामी श्रीमती पुष्पकंवर श्रीमती पार्वती देवी श्रीमती स्वर्णलता अग्रवाल आदि द्वारा संगृहीत कतिपय गीत भी है।

इस संग्रह के अतिरिक्त राजस्थानी राजस्थान भारती मरुभारती वरदा आदि शोधपत्रिकाओं से भी कई-एक गीत लिये गये हैं।

—लक्ष्मी कमळ

सूचनिका

पूर्वार्ध

१ हरजस और देई देवता रा गीत

२ तिवारा रा गीत (गवर तीज, होळी)

३ उत्सवा रा गीत (ब्याव पूतजम)

विरह रा गीत

७ बिनोद और ब्यग रा गीत

८ देश प्रम और वीरता रा गीत

६ कथा गीत

१० सिद्ध पुरसा रा गीत

११ परचूण गीत

विरह रा गीत

७ विनोद और व्यग रा गीत

८ देश प्रम और वीरता रा गीत

९ कथा गीत

१० सिद्ध पुरसां रा गीत

११ परचूण गीत

पूर्वार्ध

१

हरजस और देई-देवता-रा गीत



(१)

परभातो

उघडी पोळ, खुल्या दरवाजा
जाग रह्या हर मिंदर-मे
म्हानै रामजी मिल्या वनरावन मे
म्हानै किसनजी मिल्या वनरावन में

सोनै-की झारी लूगा-की दातण
दातण ल्यो जी हर ! मिंदर-में
म्हानै रामजी मिल्या वनरावन मे
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन मे

तातो-सो पाणी तेल - उवटणो
न्हाय रह्या जी हर मिंदर-मे
म्हानै रामजी मिरया वनरावन मे
म्हानै किसनजी मिल्या वनरावन में

पाट-पटवर, वसण-की धाती
वस्तर ल्या जी हर ! मिंदर-मे
म्हान रामजी मिरया वनरावन-म
म्हानै किसनजी मिल्या वनरावन मे

घस घस चदण भरी अे कचोळी
तिलक करा जी हर ! मिंदर में

म्हान रामजी मिल्या वनरावन म
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन में

दाळ-भात मेवा-का फलका
जीम रह्या जी हर मिंदर-म
म्हान रामजी मिल्या वनरावन में
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन मे

माड रजाई आर गीडवा
पौढ रह्या जी हर मिंदर मे
म्हान रामजी मिल्या वनरावन म
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन मे

राधा रुक्मण अर सतभामा
पगल्या चाप जी हर ! मिंदर में
म्हान रामजी मिल्या वनरावन मे
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन मे

काई ता दव रामजी ! साल दुसाला
मेरी सरधा अेत्र 'गोद्या-की
म्हान रामजी मिल्या वनरावन मे
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन में

कोई ता चढाव रामजी ! हाथी घुडला
मेरी सरधा अव वाछी-की
म्हान रामजी मिल्या वनरावन में
म्हान किसनजी मिल्या माधोवन मे
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन में

(२)

बालाजी

कूण चिणायो ओ बालाजी ! थारो देवरो जी ?
कूण दिरायी गज-नीम ?
बाबा बजरंगजी-को बंगलो हद बण्यो

राजाजी चिणायो म्हारो देवरो
सेवगा दिरायी गज-नीम
बाबा बजरंगजी का बंगलो हद बण्यो

जातण आवं थारै कुळ-बहू
गोद झडूला जी पूत
बाबा बजरंगजी-का बंगलो हद बण्यो

जाती तो आवै थारै दूर का
साबळिया मोट्यार
बाबा बजरंगजी का बंगलो हद बण्यो

चढ-चढाव थार चूरमो
चोटीवाळा नारेळ
बाबा बजरंगजी-को बंगलो हद बण्यो

लाल लगाटो तिलक सिंदूर को
बैठा बजरंग आसण ढाळ
बाबा बजरंगजी-को बंगलो हद बण्यो

बाग विधूस्या, लका दळमळी
सारया राजा रामचदर-का काज
बावा वजरगजी-को बगलो हद वण्या

धन माता अजनी-की कूख
उण जायो हणवत पूत
बावा वजरगजी-को बगलो हद वण्यो

(३)

माताजी

ऊंच तो परबत भवानी।
कोयल कुळकै अे माय।
कोयल कुळकै भवानी।
मेवडो-सो वरसै अे माय।
मेवडो-सो वरसै भवानी।
ताल छलीजै अे माय।

म्हारी माता-रै यो कुण हरखी
जात पधारै अे माय।
जसरथजी-रा रामचदर हरखी
जात पधार अे माय।

म्हारी माता नै मिठडा सा भोजन
कूण जिमावै अे माय।
जिमावै अे म्हारी वहू मानेतण
अमर चूड सुहाग अे माय।

म्हारी माता-नै ठडो-सो पाणी
कूण, ज प्यावै। अे माय।
प्यावै अे म्हारी वहू सोवनदे
अमर चूड सुहाग अे माय।

वाग विघूस्या, लका दळमळी
सारथा राजा रामचदर-वा का
वावा वजरगजी-वो वगलो हद

धन माता अजनी-की कूख
उण जायो हणवत पूत
वावा वजरगजी-को वगलो हद

(४)

जळ-देवता

हरिया वामा री छावडी रे
माय चंपली-रा फूल
कै तू बामण वाणियँ-री अ
कै विणजार-री धीय ?

ना हू बामण - वाणियँ-री अे
ना विणजार री धीय
हू ता सकळ जळ-देवता अे
पागळिया पग दय

पागळिया पग देय भवानी !
आद भवानी सकळ भवानी !
च्यारू कूट म च्यारू देस मे वखाणी
सिवरू जे आद भवानी !

हरिया वामा री छावडी रे
माय गुलाब - रो फूल
क तू बामण - वाणिय री अे
कै विणजारै-री धीय ?

ना हू बामण - वाणिय री अे
ना विणजार री धीय

म्हारी माता-न बौरग चूनड
कूण ओढाव अे माय।
ओढावै अे म्हारी वहू मानेतण
अमर चूडै सुहाग अे माय।

म्हारी माता र घी भर दिवलो
कूण सजोव अे माय।
सजोव अे म्हारी वहू सावनदे
अमर चूडै सुहाग अे माय।

म्हारी माता-र सोनै रा छत्तर
कूण चढाव अे माय।
चढाव अे जसरथजी-रा रामचदर हरखी
जात पधारै अे माय।

म्हारी माता र दूधा-री मसका
कूण ढोळाव अे माय।
ढोळाव अे जसरथजी-रा रामचदर हरखी
जात पधारै अे माय।

म्हारी माता रै कुण-कुण हरखी
जात पधार अे माय।
पधार जे नौ लख वाझडी
दस लाख वाळूडा री माय अे माय।

पूत ज देस्या वाझड्या
जन धन वाळूडा री माय अे माय।

(८)

जळ-देवता

हरिया वासा-री छावडी रे
माय चपली-रो फूल
क तू वामण-वाणियै-री अे
क विणजार - री धीय ?

ना हू वामण - वाणियै-री अे
ना विणजार - री धीय
हू ता सनळ जळ-देवता अे
पागळिया पग दय

पागळिया पग देय भवानी ।
आद भवानी सकळ भवानी ।
च्यारू कूट म च्यारू दम म वखाणी
मिवरू अे आद भवानी ।

हरिया वामा री छावडी रे
माय गुलाव रा फूत्र
कै तू वामण - वाणिय री जे
वै विणजार री धीय ?

ना हू वामण - वाणिय री ज
ना विणजार-री धीय

हू तो सकळ जळ देवता अ
वाझडिया पुत्र देय

वाझडिया पुत्र दय भवानी !
आद - भवानी सकळ भवानी !
च्यारू देस म च्यारू कूट में वखाणी
सिवरू अ आद - भवानी !

हरिया वासा री छावडी र
माय जूही रो फूल
क तू वामण - वाणिय - री अ
क विणजार - री धीय ?

ना हू वामण वाणिय री अ
ना हू विणजार री धीय
हू ता सकळ जळ-देवता अ
आधळिया आख देय

आधळिया आख देय भवानी !
आद भवानी सकळ भवानी !
च्यारू देस म च्यारू कूट में वखाणी
सिवरू अ आद - भवानी !

हरिया वासा - री छावडी र
माय कमळ - रा फूल
क तू वामण - वाणियै री
क विणजार - री धीय ?

ना हू वामण - वाणियै री अे
ना विणजारै - री धीय
हू तो सकळ जळ-देवता अे
निरधनिया धन देय

निरधनिया धन देय भवानी !
आद - भवानी सकळ भवानी !
च्यारू देस-में च्यारू खूट-में वखाणी
सिवरू जे आद भवानी ।

(५)

मावळी (मावडिया)

चावळा भरियो वाटको अ वहू ।
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज
म्हे धोक्ण - पूजण जाय विजासण
हरख हालरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ में विराज

रोळी भरियो चोपडो अे वहू ।
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज
म्ह धोक्ण पूजण जाय विजासण
हरख होलरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज

काजळ भरियो कूपला अे वहू ।
थे कित चाल्या जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ म विराज
म्ह धाक्ण पूजण जाय विजासण
हरख होलरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ में विराज

फूला भरियो छावडो अे वहू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ-मे विराजै
म्हे धोवण पूजण जाय विजासण
हरख हालरिया जी राज !
आज म्हारी मावळी मढ म विराजै

हाथ कसूमल चूनटी अे वहू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ-म विराज
म्हे धोवण पूजण जाय विजासण
हरख हालरिया जी राज !
आज म्हारी मावळी मढ-में विराज

साग लीना सायवो अे वहू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज
म्हे धोवण पूजण जाय विजासण
हरख होलरिया जी राज !
आज म्हारी मावळी मढ-म विराज

गोदी लीनो गीगलो अे वहू !
थ कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ-में विराजै
म्हे धोक दिरावण जाय विजासण
हरख होलरिया जी राज !
आज म्हारी मावळी मढ मे विराजै

(४)

मावळो (मावडिया)

चावळा भरिया वाटको अे वहू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ-में विराजै
म्हे धोकण - पूजण जाय विजासण
हरख होलरिया जी राज !
आज म्हारी मावळी मढ मे विराजै

राळी भरियो चापडा अे वहू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज
म्हे धोकण पूजण जाय विजासण
हरख होलरिया जी राज !
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज

काजळ भरिया कूपला अे वहू !
थे कित चाल्या जी राज !
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज
म्हे धोकण पूजण जाय विजासण
हरख होलरिया जो राज !
आज म्हारी मावळी मढ में विराज

फूला भरियो छावडो अे वहू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ-मे विराजै
म्हे धोवण-पूजण जाय विजासण
हरख होलरियो जी राज !
आज म्हारी मावळी मढ-मे विराजै

हाथ कसूमल चूनडी अे वहू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ-म विराजै
म्हे धोवण पूजण जाय विजासण
हरख होलरियो जी राज !
आज म्हारी मावळी मढ-में विराज

साग लीनो सायबो अे वहू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ मे विराजै
म्हे धावण पूजण जाय विजामण
हरख होलरियो जी राज !
आज म्हारी मावळी मढ में विराज

गोदी लीना गीगलो अे वहू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ-में विराजै
म्हे धोक दिरावण जाय विजासण
हरख होलरियो जी राज !
आज म्हारी मावळी मढ-मे विराजै

(६)

भरू जी

भैरूजी ! ऊच सैं धोर थारो दवरो
भरूजी ! धजा अे फरूक असमान
सेवगा की ओ वावा ! भली करो

भैरूजी ! चरच्या जी लाल सिंदूर-सू
भरूजी ! धूप रही गरणाय
सेवगा-की आ वावा ! भली करो

मान को छतर वावा ! छाविया
भैरूजी ! चादी का वण्या अे किवाड
मेवगा की ओ वावा ! भली करो

चढ-न चढावे थारे चूरमो
भरूजी ! चोटीवाळा नारेळ
सेवगा की ओ वावा ! भली करा

नार ज आव वावा ! जातणी
भरूजी ! सावळिया माटधार
सेवगा की ओ वावा ! भली करा

नारचा न तूठो वावा ! डावडा
अन धन सावळिया मोट्यार
सवगा की ओ वावा ! भली करो

(७)

रामदेवजी

राम सा ! ऊभी आ
पीराजी ! ऊभी आ राणीचैं दरबार
अेक करूँ ओ धणियाँ ! वीनती

अेक राम सा ! मागूं ओ
पीर-सा ! मागूं ओ माऊजी री पेट
भाई रे भतीजा जाझा झूलरा

दूजैं राम सा ! माँगूं आ
पीर-सा ! माँगूं ओ सासूजी-रो पेट
देराण्या जेठाण्या जाझा झूलरा

तीजैं क राम-सा ! मागूं ओ
पीर-सा ! मागूं ओ पूतड़ला री जोड
मवळक आवं कुळ वहवा

चौथैं राम-सा ! मागूं ओ
पीर-सा ! मागूं आ धीवडल्याँ-री जोड
सरस जँवाई सिगरथ पावणा

हमकै राम सा ! मागू आ
पीर सा ! मागू ओ गाया करा ठाठ
सोवन - थाभ विलोवणा

हमकै राम मा ! मागू आ
पीर मा ! मागू ओ सायवजी रो राज
अवछळ रायो चूडो चूनडी

२

तिवारा-रा गीत

हमक राम सा । मागू आ
पीर सा । माँगू ओ गाया करो ठाठ
सोवन - थाभ विलावणा

हमक राम-सा । माँगू ओ
पीर सा । माँगू ओ सायवजी रो राज
अवछळ राखो चूडो-चूनडी

२

तिंवारा-रा गीत

(८)

गवर

(आवो माता ! इण घर पावणा)

आवो माता ! इण घर पावणा
आवो माता गवरादे ! इण घर पावणा

ऊभा विरमाजी वीनवं
सावतदे चापै थारा पाव
आवो माता ! इण घर पावणा
आवो माता गवरादे ! इण घर पावणा

ऊभा सूरजजी वीनवं
रणादे चापै थारा पाव
आवो माता ! इण घर पावणा
आवो माता गवरादे ! इण घर पावणा

ऊभा चंदरमाजी वीनवं
रोहणदे चापै थारा पाव
आवो माता ! इण घर पावणा
आवो माता गवरादे ! इण घर पावणा

(६)

गवर

(गवर अ गणगार माता)

गवर अे गणगार माता ! खाल किंवाडी
बाहर उभी थारी पूजणवाळी

पूजा अे पूजारया बाया !
काई-काई मागा ?

अन मागा धन मागा
लाछ मागा लिछमी मागा
जळहरजामी बावल मागा
रातादई भायड
कान्ह वर-सा वीरो मागा गई सी भौजाई
रात चुडल बनड मागा सावळियो बनाई
ऊट चढयो फूफा मागा माडा पोवण भूवा
इतरा देह माता गौरज्या अ ! देयी सौ परवारा

(१०)

गवर

(गहरो जी फूल गुलाब रो)

गहरो जी फूल गुलाव रा

गहरो-गहरो गवरल वाई रो ढोलो
वालम रसिया
गहरो जी फूल गुलाव-रो

गहरो-गहरो विरमाजी-रो छावो
वालम रसिया
गहरो जी फूल गुलाव रो

गहरो गहरो नणदलवाई-रा वीरो
वालम रसिया
गहरो जी फूल गुलाव रो

आखडली फरुक, घर आवा
बालम रसिया
गहरो जी फूल गुलाव-रा

वाटडली वुहारा, घर आवो
वालम रसिया
गहरा जी फूल गुलाव-रा

कागलिया उडावा, घर आवो
बालम रसिया
गहरो जी फूल गुलाव रा

घणो ई कमायो, अव घर आवो
वालम रसिया
गहरो जी फूल गुलाव रा

दिल्ली - रै दरवाजै नौवत वाज
वालम रसिया
गहरा जी फूल गुलाव रो

वीकाण री धरती, धीमा चालो
वालम रसिया
गहरो जी फूल गुलाव रा

ज्या-ज्या चालो, ज्या ज्या धरती धूज
वालम रसिया
गहरा जी फूल गुलाव रा

(११)

सावण री तीज

(मारूडा ! गहरो गहरो बोल)

बिलोवणो करता माताजी ओ बोलिया
म्हारी माखण-री खवाड़ू कद आसी रे
मोरुडा ! गहरो गहरो बोल

भैंसिया दूवता काकोसा ओ बोलिया
म्हारी दूधा-री पियाकड कद आसी रे
मोरिया ! गहरो गहरो बोल

रसोवडो करता भाभीजी ओ बोलिया
म्हारी जीमण री जीमाकड कद आसी रे
मोरुडा ! गहरो-गहरो बोन

कोटडिया तो बैठा बावो सा ओ बोलिया
म्हारी ढूलिया री रमाकड कद आसी रे
मोरिया ! गहरो-गहरा बोल

दडिया रमता वीरो-सा ओ बोलिया
म्हारी गवाड रमवा कद आसी रे
मोरुडा ! गहरा-गहरो बोल

(१२)

सावण री तीज

(आयी आयी मा ! सावणिया री तीज)

आयी आयी मा ! सावणिया री तीज
माय सा ! पहलै न सावण मत राखे धिया-नै सासरै

बीजोडी बीजोडी अे मा ! झूलण-नै जाय
वाई-न दीना सासू घानड सोवणो
सोयो सोयो मा ! डाळ दा डाळ
अधमण साया वाजरो

बीजोडी बीजाडी अे मा ! मगरियैं जाय
वाई - न दीनो सासू पोवणा
पोयी - पोयी अे मा ! जेट दो जेट
पछला पोया वालूडा वाटियो

निमटघा निमटघा अे मा ! देवर-जेठ
निमटघा नणदा रा झूलरा
परस्या परस्या अे मा ! मोटाडा थाळ
परस्या नणदा - रा वाटवा

बीजोडा-न अे मा ! परम्या गवा रा राट
वाई न परस्यो वाजर वाटियो
बीजोडा - न अे मा ! धावा धोवा खांड
वाई - न दीनी सासू चिमठी लूण री

वीजोडा -नै अे मा ! चरी-चरी घीव
वाई - न दीना अे सासू डारो तेल-रा

ओरियै - आरियै देवर नै जेठ
पडवे पाढ्या नणदा-रा झूलरा
वरस - वरसै अ मा मोरी ! मह
भीजै भाया - री वनड अेकली

माज्या - माज्या अे मा ! मोटाडा थाळ
माज्या नणदा - रा वाटका
सोवतडी अे मा मागी ! गाजर - वाटियो
आण - नै मिनडी ले गयी
मरज्यो - मरज्या अे मिनडी ! थाराडा पूत
राता रही निरणी वीरा-गी बनडी !

(१३)

सावण री तीज

(हरिय हरियाळ डाळ)

हरिय हरियाळ डाळै काळी कोयल बोलै राज ।
बोलै बालाव सइया । साचा सबद सुणाव राज ।

उड रे म्हारा काळा कागा । जे म्हारो वीरा आव राज ।
आवगो आधीरात पहर क तडक तेजी घोड पलाण्या राज ।

तू क्या काहीराम । गया का नीदडली म सूतो राज ।
थारी ता जामण-जायी सासरिय - म झूर राज ।
झूरला, झूर मरना, काळा काग उडाव राज ।

आय जकाया वाई गवरा क चौबार राज ।

सूती छी नाल पिलग पर झाणा माळू आढया राज ।
उठ घी वीर मिलण-नै, टूटयो वाई रो हारा राज ।

हारो तो फेर पावास्या, वीर मू क्द मिलस्या राज ।
चुग देगी सान चिडकली पा दगो विणजारा राज ।

(१४)

होळी

(होळी मगाळ जी)

होळी - की झळ हेठ क
जीरो वायो जी

काहकवर - को परवार क
हाळी मगाळ जी

वाई ओ गवरा ! थारा वीर क
होळी मगाळं जी

पातळिया उमराव क
होळी मगाळ जी

लीली का असवार
होळी मगाळ जी

(१५)
होळी
(घूमर)

म्हारी घूमर छ नखराळी अे माय !
म्हारी घूमर छ छिनगाळी अ माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू
जे तो सात महल्या र झूमकै अ माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू
म्हारी रमक झमक पायल बाज अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू
मन रमती न लाडूदा दीजै अ माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू
म्हारी घूमर छ नखराळी अ माय
म्हारी घूमर छ छिनगाळी अे माय
घूमर रमवा म्हे जास्यू
मन राठोडा र भल दीज अे माय !
अ तो राठोडा री बोली प्यारी लाग जे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू
मनै सीसोदया र भल दीजै अे माय !
अ तो सीसोदया-री बोली हीरा तोली जे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू
मन झाला र भल दीज अ माय !
अ तो झाला तो चलता छोगा जे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

मनै हाडा-र मत दीजै अे माय !
अै तो हाडा तो मन-रा गाढा अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

म्हारी घूमर छै नखराळी अे माय !
म्हारी घूमर छै छिनगाळी अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

मनै देवड़ा रै मत दीज अे माय !
अै तो देवड़ा तो भीत रा लेवड़ा अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

मन डाड्या र मत दीज अे माय !
अै तो डोड्या ता पायगा रा रोड्या अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

मनै खीच्या-र मत दीजै अे माय !
अ तो खीची तो खीच कुटावै अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

मन भाट्या-र मत दीज अे माय !
अै तो भाटी तो भाटा ले उठ अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

म्हारी घूमर छ नखराळी अे माय !
म्हारी घूमर छ छिनगाळी अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

(१६)

होळी

(चग)

रगीलो चग वाजणू
म्हार वीरजी मढायो चग वाजणू
रगीलो चग वाजणू
म्हारो रेगर मढ कै लायो अे
रगीला चग वाजणू
म्हारा वीरोजी वजाव चग वाजणू
रगीलो चग वाजणू
वा रा सावीडा गाव धमाल अे
रगीलो चग वाजणू
वाजत वाजत वो गयो
काई, गयो गयो होळडी रै थान अ
रगीलो चग वाजणू
चग आगळिया वाज
चग मूदडिया वाज
चग पूचे-क वळ वाजे अे
रगीलो चग वाजणू
चग वीकाण वाज
चग जोधाण वाज
कोई, वाज वाजै चग अजमेर अे
रगीलो चग वाजणू

(१७)
विनायक

गढ ग्णतभवर-सू आवो विनायक !
करा नी नचोती विडदडी

विडद - विनायक दानू जी आया
आय ऊतरिया हरिय वाग - में
ढूढत - ढूढत नगरी जी ढूढी
कोई, घर तो वतावो लाडल रै वाप-रा
ऊची - मी मेडी लाल किंवाडी
केळ झवरक राजीदा - र वारणै

पहलो तो वासो सरवर वसिमो
सरवर भरियो ठडै नीर-सू
भरियो सरवर लेव रै हिलाळा
नीर भर पणिहारिया

दूजो ता वासो वाडया जी वसिया
वाडया तो छायी फळ फूला सू
फळ फूल वाडी सौ फळ फळिया
मूजा मरवा केवडा

अगणो ता वासो ग्वाट जी वसियो
ग्वाडा तो भरी घाळी धेना सू
गाय गवाड भसा जी वाड
सोवन थाभ विलोवणा

चौथो तो वासो माहेळ जी वसियो
माहेळ में भरिया बामण - बाणिया
पाचवो तो वासो तोरण वसियो
तोरण छायी रुडी चिडकली
अदन - वदन दाय चिडकुल बाल
ज्या विच बाल हरियो सूवटो
छटठो तो वासा माया जी वसियो
माया - मे बठा देई - देवता
देई - देवता - न नारेळ वधास्या
राय - वना परणावस्या
सतवो तो वासो चवरी जी वसियो
चवरया - में वठा लाडो - लाडली
वधज्ये अ लाडी वट - पीपळ ज्यू
फळज्ये नीव - अबीर ज्यू
लाडली - रो वीर वधज्यो
राईवर - रो वागो - मोळियो

अक काथळडी जस दइया विनायक !
लाडल - रै वाप - न
व ता खाय - खरच सौ धन विळस
जस रख परवार - मे
अक जीभडली जस देइया विनायक !
लाडल - री माय - न
वा तो मीठी - मी वाल निव कर चाल
जस रव परवार - में
अक वाहडली वळ देइया विनायक !
लाडलें - र वीर - न

अक भातडलै जस देइयो विनायक ।
लाडल - रै नाना - मामा न
अक आरतडै जस देइया विनायक ।
लाडलै री भूवा - भाण-न

अक गाजत घारत आवो विनायक ।
सावणिय - रै मेह ज्यू
अक भरघो अे भतूळो आवो विनायक ।
विणजारै-री वल ज्यू
अक माडयो-चूडयो आवो विनायक ।
सरव-सुहागण-र हाथ ज्यू
अक तीन वसत निवारिया विनायक ।
पवन पाणी वसन्तरा

तू तो अळी-आ गळी मत जाइयो विनायक ।
सीधो ही आइया साम्ही साळ में

अक आव गूगळ-री वास सुगधी
कूण सवागण गणपत पूजिया ?
गणपत पूजै लाडल - री माय सुवागण
ज्या घर विडध उतावळी

(१८)

बनड़ो

काची दाख हेठ वनडो पान चाव
फूल सूघ
करै अे वावैजी - सू वीनती

वाजाजी ! दस देता परदेस दीजो
म्हारी जोडी - रा वर हेरजो

काळो मत हेरा वावाजी !
कुळ - न लजावै
गारो मत हेरा वावाजी !
अग पसीज
लावा मत हेरो वावाजी !
सागर चूट
जाछा मत हेरा वावाजी !
वाव यू वताव
अमा वर हेरा कासी रो वासी
वाइ र मन भामी हमनी चढ आसी

हस-खेल जे वावजी री वनडी !
हेरचा जे फूल गुलाव रो

(१६)

माहेरो (भात)

उड वायसडा ! म्हारा पीवर जा
नूत पीवर-रा भातवी जे
भल नूती रे म्हारो जळहरजामी वाप
रातादेई म्हारी माय नै जे
भल नूती रे म्हारा कान्हकवर-सा वीर
सैणा भतीजा भावजा जे
भल नूती रे म्हारी जामण-जायी बन
सणा बनोई भाणजा जे
भल नूती रे म्हारी काका-वावा-री जोड
काकी-वडिया - रो जाझो झूलरो जे

ऊभी रे वीरा ! छाजड्यै री छाह
देवर मोसो बोलियो जे—
करती अे भावज ! वीरा रा गुमान
थारा वीर वतीसा भावज ले रह्या जे
मनडा-म वीरा ! आयगी छ रीस
ले घडलो सरवर गयी जे
सरवरिया-री वीरा ! ऊची-नीची रे पाळ
अेक चढू दूजी ऊतरू जे

झीणी-झीणी रे वीरा ! ऊड छ खेह
वादळ दीसै धूधळा ज
वळधा री रे वीरा ! वाजो छ टाल
गाड उरखता म्हे सुण्या जे

म्हार वीरजी-रा चमक्या छ सेल
भावजा रा चमक्या चूडला जे
म्हारी बैनडली-रा चमक्या छ चीर
भतीजा रा मोवन मोळिया जे

था कठै रे वीरा ! लायो छ वार ?
सगळा मू पैली था नै नूतिया जे
औरा-न वीरा ! बामण-नाई-री नूत
था-न नूतण तो हू गयी जे
औरा - नै वीरा ! चावळिया री नूत
था-नै नूत्या गुड भेलिया जे
कै थार रे वीरा ! जलमी छै धीव
क वड-गोतण भावज वरजिया जे

ना बाई ! म्हार जलमी छ धीव
ना वड गोतण भावज वरजिया जे
हम घर अे बाई ! जलम्यो छ पूत
रळी-अे वधावा हो रह्या जे
गया छा अे बाई ! भारतिय री हाट
था न भारत बाई ! मालवा जे

भारत रे वीरा ! भावज-न ओढाय
म्हानै घण मोला री चूनडी
सुसरजी नै वीरा ! विरमो ओढाय
सासूजो-न साडी सापड जे
म्हारै जेठा-न वीरा ! साल-दुसाल
देवरा न पचरग मोळिया ज
म्हारी नणद न दिखणी-रो चीर
देराण्या जेठाण्या-न पीळा पोमचा जे

(२०)

महदी

महदी टूक-टोडा सू मगाय
प्रेम रस महदी राचणी
महदी रतन - छाज फटकाय
प्रेम रस महदी राचणी
महदी सोवन सिलडी पिसाय
प्रेम रस महदी राचणी
महदी रतन - कटोरैं ओलाय
प्रेम रस महदी राचणी

महदी दीजैं वहू राणादे-रै हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
सूरजजी ओ ! निरख गोरी-रा हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
किण माडचा ओ मानेतण ! थारा हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
सोदरावाई माडचा म्हारा हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
थारा हाथ म्हारैं हिवडै ऊपर राख
प्रेम रस महदी राचणी
वाई सोदरा-नैं चूनडी ओढाय
प्रेम रस महदी राचणी

महदी दीज वहू रोहणदे रै हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
चदरमाजी ओ ! निरखै गोरी-रा हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
किण माडया अे भगेजण ! थारा हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
गवरावाई माड्या म्हारा हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
वाई गवरा - नैं चूडो पराय
प्रेम रस महदी राचणी
थारा हाथ म्हार हिवड ऊपर राख
प्रेम रस महदी राचणी

(२१)

बनड़ो

हा जी बना ! हमती थे भल रयाय
घुड़ला - रै घमकै आज्यो जी
हा हा जी ! करला-रै रळक आज्यो जी

हा जी बना ! अबर - का घाघरो सिमवाय
धरती - की लावण दया दयो जी
हा हा जी ! धरती की लावण दया दयो जी

हा जी बना ! तारा - की चुनडी रंगवाय
विजळी - की गोट करा दयो जी
हा हा जी ! विजळी की गोट करा दयो जी

(२२)

कामण

बनो बाग्ड जाय विराज्यो जी
गज कामणिया
म्हारा ग्वाळा वीद सरायो जी
गज कामणिया

बनो बागा आय विराज्यो जी
गज कामणिया
म्हारा माळचा वीद सरायो जी
गज कामणिया

बनो पणघट जाय विराज्या जी
गज कामणिया
पणिहारचा नीद मराया जी
गज कामणिया

बनो सहरा आय विराज्यो जी
गज कामणिया
म्हारा म्हाजन वीद सरायो जी
गज कामणिया

बना चौवट आय विराज्यो जी
गज कामणिया

हटवाडया वीद सरायो जी
गज कामणिया

वनो डेरा आय विराज्यो जी
गज कामणिया
साळा वीद सरायो जी
गज कामणिया

वनो तोरण आय विराज्यो जी
गज कामणिया
साळधा वीद सरायो जी
गज कामणिया

वनो माया आय विराज्यो जी
गज कामणिया
सासू वीद सरायो जी
गज कामणिया

वनो चवरया आय विराज्यो जी
गज कामणिया
जोसीजी वीद सरायो जी
गज कामणिया

वनो महला आय विराज्यो जी
गज कामणिया
वनडी - र दिन - मे भायो जी
गज कामणिया

(२४)

मत नवो

कोट नवँ परवत नव, और नव यन कोई
धाई - का दादोजी यू नवँ, घर पोती अे जायी
मत नवा दादाजी ! मत नवो, पोती स वँ घर जायी

कोट नवँ परवत नव, और नवँ यन कोई
बाई - का बावोजी यू नव घर बेटी अे जायी
मत नवो बाबाजी ! मत नवो, बेटी सँ वँ घर जायी

कोट नव परवत नव, आर नव यन कोई
वाई - का वीरो-सा यू नव, घर बनड अे जायी
मत नवा वीरो सा ! मत नवो, बँनड स-कँ घर जायी

कोट नव परवत नव और नव यन कोई
वाई - का नानोजी यू नव, घर दोयती अे जायी
मत नवो नानाजी ! मत नवो, दोयती स व घर जायी

कोट नव परवत नव, और नव यन कोई
वाई - का जीजोजी यू नव, घर साळी अे जायी
मत नवो जीजाजी ! मत नवा, साळी स क घर जायी

(२५)

जलो

जलाजी मारू !
म्हे तो थारा डेरा निरखण आयी हो
मिरगानणी - रा जलाल !
म्हे तो थारा डेरा निरखण आयी हो जलाल !

जलाजी मारू !
देखी थारै डेरा-री चतराई हो
म्हारी जोडी-रा जलाल !
देखी थारै डेरा - री चतराई हो जलाल !

जलाजी मारू !
राजा मायलो राज भलो जोधाणो हो
मिरगानणी-रा जलाल !
राजा मायलो राज भलो जोधाणो हो जलाल !

जलाजी मारू !
सहरा मायलो सहर भलो उदियाणो हो
म्हारी जोडी-रा जलाल !
सहरा मायलो सहर भलो उदियाणो हो जलाल !

जलाजी मारू !
पुरसा मायलो पुरस भलो राठाडो हो

(२६)

ओळू

म्हे थान पूछा म्हारी धीवडी !
म्ह थानै पूछा म्हारी बाळकी !
इतरो बाबोसा - रो हेत
छोड'र बाई ! सिध चाल्या ?

म्हे तो रमती बाबोसा री पोळ
म्हे ता रमती बाबोसा - री पोळ
आया सगैजी - रा सूवटो
लग्यो टोळी मा - सू टाळ
गायडमल ले चाल्या !

म्हे थान पूछा म्हारी बाळकी !
म्हे थान पूछा म्हारी धीवडी !
इतरो माऊसा रो लाड
छोड र बाई सिध चाल्या ?

हे आयो सगैजी रो सूवटा
हे आया बागा - रा सूवटो
लेग्यो टोळी मा - सू टाळ
फूटरमल ले चाल्यो !

म्हे थान पूछा म्हारी धीवडी
म्ह थानै पूछा म्हारी बाळकी

इतरा वीरोसा - रो हेत
छोड'र वाई ! सिध चाल्या ?

हे आयो परदेसी सूवटो
ई आयो वागा मायलो मूवटो
म्हे तो रमतो सहेल्या - री साथ
लेग्या टोळी मा - सू टाळ
जोडो - रा जालम ले चाल्यो !

(२७)

जोळू

थारै बावो सा बाग लगाया अे बनडी ।
थार विन कूण सीचैंगा ?
अे म्हार हरिय बन री कोयली ।

थार बागा म फुलडा फूरया अे बनडी ।
थार विन कूण नाटगो ?
अे म्हार हरिय बन री कोयली ।

थारै बागा म हीडा घाल्या अे बनडी ।
थार विन कूण हीडगा ?
अे म्हार हरिय बन - री कोयली ।

आगण माय थारी गेव भतीजा अे बनडी ।
थार विन कूण खिलावगा ?
अ म्हार हरिय बन री कायली ।

गुटिया धरी थारी आळ दिवाळ अ बनडी ।
देख'र जी उकळाव
अ म्हार हरिय बन - री कायली ।

सग - री सहेल्या घर नहि याव अे बनडी ।
देख दूरा - सें ही जाव
अे म्हार हरिय बन - री कायली ।

कोइयन अव म्हार आगण खेलै अे वनडी ।
आ सूनो - मा दरसाव
अे म्हारै हरियै वन - री कोयली ।

थारी माता - रो हिवडो उझळै अे वनडी ।
वा तो नैणा नीर ढळकाव
अे म्हार हरिय वन - री कोयली ।

(२८)

ओळू

मेरा पींडो रीता आ बावल !
कूण भरगो तेरी धीय विना ?
तेरी भाभ्या भरगी तेरो पींडो
लाडो बेटी ! जाय घरा

मेरो गोबर ग्वाड पसरयो ओ बावल !
कूण उठासी तेरी धीय विना ?
तेरी भाभ्या उठासी तेरा गोबर
लाडो बेटी ! जाय घरा

मेरा दही पडयो विना बिलोया
कूण बिलोवगो तेरी धीय विना ?
तेरी भाभ्या बिलोसी तेरो दही
लाडो बेटी ! जाय घरा

मेरी गाय बधी छ ठाण आ बावल !
कूण खालगो तेरी धीय विना ?
तेरी भाभी खालगी तेरी गाय
लाडो बेटी ! जाय घरा

मेरा वाछा रमे छ गो ठाण आ बावल !
कूण चुघासी तेरी धीय विना ?
थारी भाभ्या चुघासी थारा वाछडा
लाडो बेटी ! जाय घरा

मेरो कूण ल्यावैगो घास
ओ बावल ! तेरी धीय विना ?
तेरो भाई ल्यावैगो तेरो घास
लाडो बेटी ! जाय घरा

मेरी कूण करैगो रसोई
ओ बावल ! तेरी धीय विना ?
तेरी भाभी करैगी रसोई
लाडो बेटी ! जाय घरा

मेरो कूण खेलासी भतीज
ओ बावल ! तेरी धीय विना ?
तेरी भाभी खेलासी बाळकियो भतीज
लाडो बेटी ! जाय घरा

तनै बावल कूण कहैगो
ओ बावल ! तेरी धीय विना ?
आसू तो भर आया नणा - में
लाडो बेटी ! जाय घरा

(२६)

ओळू

अेक वर करला थारा मारूजी । पाछा जी मोड
राजीदा ढाला । ओळ घणी आव म्हार वाबोसा री
सुदर गोरी । आळू थारी परी रे निवार
चपकवरणी । वावोसा री भोळ सुसराजो भागसी

अेक वर करला थारा मारूजी । पाछा जी मोट
राजीदा ढोना । आळू घणी आवँ म्हारी माय री
सुदर गोरी । ओळू थारी परी रे निवार
मिरगानणी । माऊजी री भोळ सासूजी भागसी

अेक वर करला थारा मारूजी । पाछा जी मोड
राजीदा ढोला । आळू घणी आवँ म्हार वीर री
सुदर धण । तू आळ थारी परी रे निवार
चपकवरणी । वीरजी री आळ देवर भागसी

अेक वर करला थारा मारूजी । पाछा जी मोड
राजीदा ढाला । ओळू घणी आव म्हारी छोटी बन-री
सुदर धण । तू ओळ थारी परी र निवार
मिरगानणी । बैनडी - रा भोळ नणदल भागसी

(३०)

रातीजाग रो गीत

(झालर)

अंबर जाग्या दई-दवता
धरती जाग्या वासग नाग
झालर तो वाजी राजा राम की
मंडप मे काळी माता जाग्या
पुरी म जगनाथ वावा जाग्या
बगल-में हुडमान वावा जाग्या
परीडै - मे पितर देवता जाग्या
मिंदर - मे सती माता जाग्या
मठ - मे भैरू वावो जाग्या
पहाडा - म वदरीनाथ जाग्या
परबत - मे मालखेत जाग्या
ज्या - कै पीठ वसै सवराय
झालर तो वाजी राजा राम की
उठो म्हारा राजन ! दान दवो
थारे हुयी छ धरम-की रात
झालर तो वाजी राजा राम की
थारै वाहर गावं कापडी
थारै भीतर गावं गीत
झालर तो वाजी राजा राम की
कापडिया - न कापडा
गीतवाळ्या - नै चूनड आढाय
झालर तो वाजी राजा राम-की

(३१)

माता राणकदे

लीप्यो-तो चूप्या अे माता ! आगणो
पगल्या - रो पूरणवाळो नही
अ माता राणकदे !
म्हान माणस क्या - न सिरज्या ?

कोरा तो वळस्यो अे माता ! जळ-भरयो
पाणी - रो ढोळणवाळो नही
अ माता राणकदे !
म्हान माणस क्या न सिरज्या ?

छीका तो पडियो अे माता ! चूरमो
ठणक सिरावण मागणवाळो नही
अे माता राणकदे !
म्हान माणस क्या - न सिरज्या ?

पाटूलो ल नै कवर भणवा नी गयो
मेरचा में घूघरा नी वाज्या
अे माता राणकदे !
म्हान माणस क्या न सिरज्या ?

माथा जो वाध न पाळकड नी पाढचा
सासू मुवावड नही कोघी

अे माता राणक्दे !
म्हान माणम क्या - नै सिरज्या ?

पीळो तो ओढ सूरज नी पूज्यो
रातूला ओढ जळवा नी पूजो
अे माना राणक्दे !
म्हान माणम क्या - नै सिरज्या ?

सुसराजी - आगण तूर नी वाज्या
पीहर वधाई नो गयी
अे माता राणक्दे !
म्हान माणस क्या - नै सिरज्या ?

तूट्या राणक्दे पूत जो दीधा
अेक झाळया नै दूजो खोळया
अे माता राणक्दे !
म्हानै माणस भला ही सिरज्या !

(३२)

कूखडली

(१)

मा ! सहस - तळावा म गयी जे
मा ! रीता अे समद तळाव
हंसा बुगला उड रह्या जे

मा ! वाग - वगीचा मैं गयी जे
मा ! काचा अे दाडम - दाख
कोयल कागा उड रह्या जे

मा ! सहस - वजारा मैं गयी जे
मा ! हटवा म जट ली अे हाट
वाजीगर - का उठ रह्या जे

मा ! राय - रसाया म गयी जे
मा ! जीम अक देवर - जेठ
वाईजी रा वीरा उठ रह्या जे

मा ! रग - महल में म गयी जे
मा ! सूता अक वाइजी - रा वीर
मुख पर पल्लो रालियो जे

मा ! आयो अ आळ-जजाळ जे
मा ! आयो अे आळ जजाळ
कूखडली वैरण भयी जे

(२)

मा ! सहस - तळावा मैं गयी जे
मा ! भरिया हिलोळा खाय
हंसा - बुगला खेल रह्या जे

मा ! बाग बगीचा मैं गयी जे
मा ! पाक्या सै दाडम - दाख
कोयल - सुवटा खाय रह्या जे

मा ! सहर - बजारा मैं गयी जे
मा ! हटवा सैं खोली हाट
बाजीगर - का रस रह्या जे

मा ! राय रसोया म गयी जे
मा ! जीम अे देवर - जेट
बाह पकड भीतर लयी जे

मा ! रग - महल - म मैं गयी जे
मा ! सूत्या अक बाइजी रा बीर
सूत्या राजन जागिया जे

मा ! सूती छी सुख भर नीद जे
मा ! देग्यो गीगा महला माय
पालणिय - मे झूनता जे

मा ! आयो अे आळ - जजाळ जे
मा ! आयो अे आळ-जजाळ
नूखडली रतन हुयी जे

(३३)

जापो

ढोला ! म्हारी दाई - न वेग बुलावो
म्हार हालरिय - रो जलम करावो

ढोला ! नाई - को - न वेग बनावो
म्हार मेला चोमख दिवला जगावो

ढोला ! म्हारा सासजी - न वेग बुलावो
म्हार मला सोवन - थाळ वजावो

ढोला ! जोसीजी - न वेग बुलावो
म्हार हालरियें - री वेळा लिरावो

ढोला ! म्हारी देवर - जेठाणी बुलावो
म्हारे मला छठी जगवावो

ढोला ! वाईजी - न वग बलावो
म्हारी चतसाळा सथिया दिरावो

वाईजी - न अड - अड नेग चुकावो
ढाला ! दणी रीत वधावो

(३४)
पींपळी

अे म्हार उतर दिखण-री अे जच्चा ' पीपळी
अे म्हार पूरब नमी नमी टाळ रे
अे म्हान घणी अे सुहाव जच्चा पीपळी अे

अे थार गींगो जलम्यो आधीरात
अे थार गुड वच्यो परभात
अे म्हान घणी अे सुहाव जच्चा पीपळी अे

अे आर तो माय जच्चा राणी अे आवरो
अे जठै राता सा पलग बिछाया
अे म्हान घणी अे सुहाव जच्चा पीपळी अे

अे जठ न वहू सिणगारदे पोढिया
अे बा - री दासी ढाळ छ बाव
अे म्हान घणी अे सुहाव जच्चा पीपळी अे

अे खादै खिणै नै अे म्हारी जच्चा राणी आडा भर
अे जठ उघडी छ पूता - री खाण
अे म्हान घणी अे सुहाव जच्चा पीपळी अे

अे काजळ तो भरियो अे जच्चा राणी रै कूपलो
अे वहू सिणगारद नण सवार
अे म्हान घणी अे सुहाव जच्चा पीपळी अे

(३५)

लोरी

सोयी रे गीगा ! सोयो
तेरो मा करै रसोई

रसोई करता लागै वार
गीगो जीमै चावळ - दाळ

चावळिया - में काकरिया
गीगै - का मामा ठाकरिया

ठाकरिया ठकराई कर
घोडा चढ वडाई करै
गीगै - की सगाई करै

(३५)
लोरी

सोयी रे गीगा । सोयी
तेरी मा करै रसोई

रसोई करता लागै वार
गीगा जीमै चावळ - दाळ

चावळिया - मे काकरिया
गीगै - का मामा ठाकरिया

ठाकरिया ठकराई कर
घोडा चढ बडाई करै
गीगै - की सगाई कर

(३६)

लोरी

गीगा - नै खिलायी अे चिडक्ली ।
गीगा - न खिलायी अे ।

गीगा रोव च्याऊ म्याऊ
गीगा - नै हसायी अे चिडक्ली ।
गीगा - न खिलायी अे ।

पगा अक वाघू घूघरणा थार
गळ मातीडा रा हार अे चिडक्ली ।
गीगा न खिलायी अे ।

चाचटली थार हिंगळू ढोळू
पायडल्या रंग केसर अे चिडक्ली ।
गीगा - नै खिलायी अ ।

आगण छिरक्‍यू बाजरी अ
नित उठ चुगबा आय अ चिडक्ली ।
गीगा नै खिलायी अे ।

गीगा-न खिलायी अे चिडक्ली ।
गीगा न खिलायी अे ।

(३७)

यो वटेऊ ! कित जासी ?

यो वटेऊ कित जासी ?

गडमच - गडमच गाडी जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

धोळा बैल्या खीच्या जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

वुढलो बठ्यो हाक्या जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

बाळो बैठ्यो हसतो जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

यो वाळा - रै नानेर जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

नानेरा - सू के-के लाय ?
यो वटेऊ कित जासी ?

नानी - मामी लाड लडाय
झुगला - टोपी पहरासी

गडमच - गडमच गाडी जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

(३६)

लोरी

गीगा - नै खिलायी अे चिडकली !
गीगा नै खिलायी अे !

गीगो रोव च्याऊ-म्याऊ
गीगा - न हसायी अे चिडकली !
गीगा - न खिलायी अे !

पगा अक बाधू घूघरणा थार
गळ मातीडा रो हार अे चिडकली !
गीगा नै खिलायी अे !

चावडली थार हिंगळू ढोळू
पाखटल्या रग केसर अे चिडकली !
गीगा - नै खिलायी अे !

आगण छिडकू बाजरी अे
नित उठ चुगवा आय अ चिडकली !
गीगा नै खिलायी अे !

गीगा-न खिलायी अे चिडकली !
गीगा न खिलायी अे !

(३७)

यो वटेऊ ! कित जासी ?

यो वटेऊ कित जासी ?

गडमच - गडमच गाडी जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

धोळा बैल्या खीच्या जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

बुढलो बठयो हाक्या जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

बाळो बैठयो हसतो जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

यो वाळा - रै नानेरै जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

नानेरा - सू वे-के लाय ?
यो वटेऊ कित जासी ?

नानी - मामी लाड लडाय
झुगला - टोपी पहरासी

गडमच - गडमच गाडी जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

(३८)

डोडो ज्वार-रो

गणमण - गणमण गाडा जाय
डोडो ज्वार - रो
सोणू तीतर बोल्या जाय
डोडो ज्वार - रो

गवरा - बाई बैठ्या जाय
डोडो ज्वार - रो
कानू वीरो हाक्या जाय
डोडो ज्वार रो

चूदडी चमकाता जाय
डोडो ज्वार - रो
घाघरो घमकाता जाय
डोडो ज्वार - रो

चूडलो चिलकाता जाय
डोडो ज्वार - रो
हाथा महेंदी देता जाय
डोडो ज्वार - रो

चूरमिया गटकाता जाय
डोडो ज्वार - रो
ठंढा पाणी पीता जाय
डोडो ज्वार - रो

गणमण - गणमण गाडो जाय
डोडा ज्वार - रा
सोणू तीतर बोल्या जाय
डाडो ज्वार - रा

(३६)

चाद चढ्यो गिगनार

चाद चढ्या गिगनार
निरत्या ढळ रहिया जी ढळ रहिया

अब वाई ! घरा पधार
माऊजी मारेला जी मारेला

बावोजी देला गाळ
वटाडो वीरा वरजैला जी वरजला

मत दो म्हारी वाई नै गाळ
बाई म्हारी परदेसण जी परदेसण

बा आज उड परभात
तडक्ल उड जासी जी उड जासी

सावणियै रा दिनडा च्यार
जवाईडो ले जासी जी ले जासी

बा उडसी पार
मूवटिया ल जासी

(४०)

कूण नगर

कूण नगर सुसराळ मेरी माय !
कूण नगर मेरो पीवरियो ?
अजोध्याजी सुसराळ मेरी माय !
कुन्नणपुर मेरा पीवरिया

किसोयक सीली सास मेरी माय !
किसोयक गढपत मेरो सुसरो ?
कवसल्या - सी सास मेरी माय !
दसरथ - सो गढपत सुसरो

किसोयक समरथ स्याम मेरी माय !
किसोयक छोटो देवरिया ?
चँदरमा सो स्याम मेरी माय !
लिछमण - सो छोटो देवरियो

किसोयक जामी बाप मेरी माय !
किसोयक वालो वीरणियो ?
जनक सरीसो बाप मेरी माय !
किसन सरीसो वीरणियो
काहकँवर - सो वीरणियो

कूण नगर सुसराळ मेरी माय !
कूण नगर मेरा पीवरिया ?
अमर रहे सुसराळ मेरी माय !
अमर रहै मेरो पीवरियो

वाईजी - कै आया रे गाडूलो
कोई, म्हारै रणझुण वल रे नीमाळीडा

वाईजी - कै चूरै रे चूरमो
कोई, म्हारै गुदळी खीर रे नीमोळीडा

वाईजी - कै जीम देवरिया
कोई, म्हारै मा जायो वीर रे नीमोळीडा

वाईजी चाल्या रे सासर
कोई, म्हे चाल्या म्हार पीर रे नीमाळीडा

वाईजी - म चाल्या रे आसूडा
कोई, म्हार चाया दात रे नीमाळीडा

वाईजी वैठ्या रे गाडूल
कोई, म्हे म्हारी रणझुण वैल र नीमोळीडा

वाईजी - को आया सासरियो
कोई, म्हारा आया पीर रे नीमोळीडा

वाईजी उतरया रे सासरिय
कोई, म्हे उतरया म्हार पीर रे नीमोळीडा

वाईजी - कै आगै सासूडी
कोई, म्हार आग माय रे नीमाळीडा

वाईजी मारचो रे घ्घटियो
कोई, म्हे मारचो गुरमाट रे नीमोळीडा

वाईजी - नै ढाळया रे पोढला
कोई, म्हानै ढाळी खाट रे नीमोळीडा

(४६)

नीमोळीडा

(नणद भोजाई)

वाईजी - क वायो रे आमूलो
कोई, म्हार वायो नीम रे नीमोळीडा

वाईजी सीच रे आमूलो
कोई, म्हे सीचा म्हारो नीम रे नीमोळीडा

वाईजी - थँ ऊग्यो रे आमूलो
कोई म्हारँ ऊग्यो नीम रे नीमोळीडा

वाईजी - कँ लाग्या रे आमूला
कोई म्हार लाग्या गुटका रे नीमोळीडा

वाईजी चूस रे आमूला
कोई, म्हे चूसा म्हारा गुटका रे नीमाळीडा

वाईजी चढग्या र आमूलै
कोई म्हे चढग्या म्हार नीम रे नीमोळीडा

वाईजी - क दीग्या रे सासरिया
कोई, म्हारा दीग्या पीर रे नीमोळीडा

वाईजी - को आया रे देवरिया
कोई, म्हारा मा-जाया वीर रे नीमाळीडा

वाईजी - कै आयो रे गाडूलो
कोई, म्हार रणझुण वल रे नीमाळीडा

वाईजी - कै चूरै रे चूरमो
कोई, म्हार गुदळी खीर रे नीमोळीडा

वाईजी - क जीमै देवरियो
कोई, म्हारै मा जायो बीर रे नीमोळीडा

वाईजी चाल्या रे सासरै
काई, म्हे चाल्या म्हार पीर रे नीमोळीडा

वाईजी - क चाल्या रे आमूटा
काई, म्हारै चारया दात रे नीमोळीडा

वाईजी वैठया रे गाडूलै
कोई, म्हे म्हारी रणझुण वल रे नीमाळीडा

वाईजी - वो आयो सासरियो
कोई, म्हारो आयो पीर रे नीमोळीडा

वाईजी उतरया रे सासरिय
कोई, म्हे उतरया म्हारै पीर रे नीमोळीडा

वाईजी - कै आगै सासूडी
कोई, म्हारै आगै माय रे नीमोळीडा

वाईजी मारयो रे घ्घटियो
कोई, म्हे मारयो गुरमाट रे नीमोळीडा

वाईजी - न ढाळयो रे पीढलो
कोई, म्हान ढाळी खाट रे नीमोळीडा

वाईजी बठ्या रे पीढल
कोई म्हे बैठ्या म्हारी खाट रे नीमोळीडा

वाईजी न राध्या खीचडो
कोई, म्हानै जिनवा - का भात रे नीमोळीडा

वाईजी नै जीमाव रे सामूडी
कोई, म्हानै म्हारी माय रे नीमोळीडा

वाईजी जीम रे खीचडो
काड, म्हे जिनवा - का भात रे नीमोळीडा

(४७)

सासू सूघली लड

सासू सूघली लडै
फोग आलडो वळै

च्यार घडी-वै तडकै मैं उठी अे
पीस्यो घडी दोय चून
सासड आय विसराइया
वहुवड ! ओ काई पीस्यो चून
ऊट सवारी दळियो दळ
सासू सूघली लड
फोग आलडो वळै

आडा वार गवाडा वारया
वारया चानण -चौक
सासड आय विसराइयो
वहुवड ! ओ काई वारयो च
ठाणा - म गोवर सडै
सासू सूघली लड
फोग आलडो वळै

वाईजो वठ्या रे पीढल
काई, म्हे बैठ्या म्हारी खाट रे नीमोळीडा

वाईजी - न राध्यो खीचडो
कोई, म्हानै जिनवा - रा भात रे नीमोळीडा

वाईजी - न जीमावै रे सामूडी
काई, म्हानै म्हारी माय रे नीमोळीडा

वाईजी जीमै रे खीचडो
काई, म्हे जिनवा - रा भात रे नीमोळीडा

सुखी गहस्थी रा गीत

वधावो

म्हारै आंगण आम, पिछोकडै मरवो,
ओ घर सदा अे सुवावणो
तू तो चाल, लिछमी ! ज घर चाला
जै घर रळी अे वधावणा

जठै वडा - नै वडाई देसा
दूणा - सो मान सवासण्या
जटै कुळ वहूवा - न आदर देसी
सासू - नणद गुण मानसी

म्हारै गाय गवाडै, भैंसा वाडै
सोवन - थाम विलोवणो
विलोवणो म्हार गहर - घमक
आगण झमकै कुळ-वहू

ससार - को सुख आज देख्यो
म्हारो पूत परण घर आवियो
म्हारै पूत वारण वहू अे प्यारी
पूत कुळ - को दीवळा

म्हारी सास सपूती-सैं म्हे सरभर रहस्या
जीभ - न गुण आगला
म्हारी देराण्या-जेठाण्या वरोवर रहस्या
काम - मैं गुण आगला

ह्राय धोय कर करी रसोई
खूब करी चतराई
सासड आय विसराइयो
बहूवड ! आ काई करी रसोई
दाळ - मे हींग सडै
सासू सूधली लड
फोग आलडो वळै

ले दाघड पाणी न चाली
पूगी पणघट घाट
भर घडलो वेगी सी आयी
बठै अे लगायी अवार
सासू मेरी खडी जे लड
फोग आलडा वळ
सासू सूधली लड

सुखी गहस्थी रा गीत

वधावो

म्हारै आगण आम, पिछोकड मरवो,
ओ घर सदा अे सुवावणो
तू तो चाल, लिछमी ! जै घर चाला
जै घर रळी अे वधावणा

जठै वडा - न वडाई देसी
दूणा - सो मान सवासण्या
जटै कुळ-वहुवा - न आदर देसी
सासू - नणद गुण मानसी

म्हारै गाय गवाड, भसा वाटै
सोवन - थाभ विलोवणो
विलोवणो म्हारै गहर - घमक
आगण झमक कुळ-वहू

ससार - को सुख आज देख्यो
म्हारो पूत परण घर आवियो
म्हारै पूत कारण वहू अे प्यारी
पूत कुळ - को दीवळो

म्हारी सास सपूती स म्हे सरभर रहस्या
जीभ - कै गुण आगला
म्हारी देराण्या-जेठाण्या वरोवर रहस्या
काम - वै गुण आगला

म्हार सुगणै सायब सै म्हे मनचाया रहस्या
कूख - क गुण आगला
म्हारी सही जे सहेल्या - सै वरोबर रहस्या
रूप - क गण आगला

इसडो वधावो सायव ! जाण न देस्या
घणा अे दिना म आया पावणो
इसडो वधावा सहिया ! जाण न देस्या
महग - स मोल मोलायस्या

इसडो वधावो म्हार घूघट पर राखा
घूघट सुरगा चूनड नित नवो
इसडो वधावो म्हारी वहिया पर राखा
वहिया सुरगी चुडलो नित नवो

इसडो वधावो म्हारी सेजा म राखा
सेज सुरगी ढाल्यो नित नवो
इसडो वधावो म्हारी पेई में राखा
मैण-काजळ ज्य म्ह वरतस्या

इसडो वधावो म्हार पीहर भेजा
भाभी मेडतणी - र जाया गीगलो
चितरच - स आगण म्हारी नणदल ऊभी
दयो म्हारा वाईजी ! अमीसडी

थे तो फूलज्या रे फळज्यो आम-की डाळी ज्यू
वधज्यो माळी की दूव ज्यू
सात अे भाभी ! पूत जणज्या
अेक जणज्यो डीकरी

थारी धीहड - न परदेस दीज्यो
ज्यू चित आव म्डी नणदली

(८६)

वधावो (आवो मोरियो)

मधुवन रा आवा मोरियो
ओ तो पसरया जे मारी मारवाड
सहेल्या अे ! आवो मोरिया

वहू रिमझिम महला - सू ऊतरी
आ तो कर मोळा सिणगार
सहेल्या अे ! आवो मोरिया

सासूजी पूछयो अे वहू ! थारा
गहणो म्हानै पहर दिखाव
सहेल्या जे ! आवो मोरियो

सासू ! गहण - नै काई पूछो
गहणो ओ म्हारो सा परवार
सहेल्या जे ! आवा मोरियो

म्हारा सुसरोजी गढ - रा राजवी
सासूजी म्हारा रतन - भडार
सहेल्या जे ! आबा मोरियो

म्हारा जेठजी वाजूवद वाकडा
जेठाणी म्हारी वाजूब्द - री लूब
सहेल्या अे ! आवो मारियो

(५२)

हळ हाको महादेव !

हळ हाको महादेव !
हळ हाका ईसर !
दुनिया न धध लगाय दीजो जी
भाळोडा पारवती ! थे वोल नी जाणो
तो हळ कठा - सू मगावस्या जी
वागा - ग चनण कटावो महादेव !
जणी - रा हळ वणावस्या जी

हळ हाका महादव ! हळ हाको ईसर !
दुनिया - न धध लगाय दीजो जी
भोळोडा पारवती ! थे वोल नी जाणो
तो जूटा कठा - सू मगावस्या जी
वागा रा आवा - आवली कटावो महादेव
जणी - सू जूडा वणावस्या जी

हळ हावो महादव ! हळ हाको ईसर !
दुनिया - न धध लगाय दीजा जी
भाळोटा पारवती ! थे वोल नी जाणो
धन कठा - सू मगावस्या जी
सिवजी रा नादया मगावो भोळा महादेव !
जणी - रो वल वणावस्या जी

हळ हाका महादव ! हल ! हाका ईसर !
दुनिया - न धधै लगाय दीजा जी

भोळोडा पारवती ! थे वोल नी जाणो
राम कठा - स् मगावस्या जी
सापा - रा सीदरा मेलावो भोळा महादेव !
जणी - रा रास वणावस्या जी

हळ हाको महादेव ! हळ हाको ईसर !
दुनिया - नैं धध लगाय दीजो जी

भोळोडा पारवती ! थे वात नी जाणो
बीज कठा - स् मगावस्या जी
समदा रा माती मगावा भोळा महादेव !
जणी - रा बीज वणावस्या जी

हळ हाको महादेव ! हळ हाको ईसर !
दुनिया - नैं धधै लगाय दीजो जी

(५३)

मेहूडा वरसला उतावळा

चिणायलो वटेवडा, वणायला धाट
लोग-वाग देख छ मेहा री वाट
मेहूडा वरसला उतावळा

वरसैला मेहूडा लागला झडी
पसटा - का नाज विकला धडी
वरसला मेहूडा उतावळा

वाल पपइया नाच मोर
हरी हरी घास चरला ढार
मेहूडा आवला उतावळा

वरसला वदळी आळिया घोळ
टहरा - मे निपजैला वाजरा मोठ
वरसला मेहूडा उतावळा

आव आव मेहा री भाळ चली
भादूड - मे होवला सिटा फळी
मेहूडा वरसला उतावळा

चाला चाला खेता मे काटो फाग
महा रा लग रया गाढा जाग
महूडा आवला उतावळा

कै क काधै जेळ - गडासी,
कै - क खाध हळियो हाळ
डाग्या - की डार चलौ घेता म
सायव दैलो ‹ अवकै झाल
मेहूडा वरस्ला, ‹ उतावळा

(५३)
मेहूडा वरसला उतावळा

चिणायलो वटेवडा, वणायलो खाट
लोग-वाग देखै छै मेहा री वाट
मेहूडा वरसला उतावळा

वरसला मेहूडा लागला झडी
पैमटा की नाज विरला घडी
वरसला मेहूडा उतावळा

वाल पपइयो नाच मोर
हरी हरी - घास चरैला ढार
मेहूडा आवला उतावळा

वरसला वदळी आळिया खाळ
डहरा - में निपजला वाजरा मोठ
वरसला महूडा उतावळा

आव आव मेहा - री भाळ चली
भादूडै - म होवला सिटा फळी
मेहूडा वरसला उतावळा

चालो चाला खेता - म काटो फाग
मेहा रा लग रया गाढा जोग
मेहूडा आवला उतावळा

(५४)

आ वदळी कित जासी ?

आ वदळी कित जासी ?

कूण दिसा मू आयी काळी वदळी
कूण दिसा न जासी ?
आ वदळी कित जासी ?

पूरव दिसा मू आयी काळी वदळी
उतर दिसा न जासी
आ वदळी कित जासी ?

पूरव दिसा - सू क्यू उठ आयी
उतर दिसा क्यू जासी ?
आ वदळी कित जासी ?

पूरव दिसा सू पाणीडो भर लायी
उतर दिसा वरसासी
आ वदळी कित जासी ?

क - र देस - म जोहड भरसी
क रो आ डहर सिचासी ?
आ वदळी कित जासी ?

मुसराजी र देसा - में जोहड भरसी
मारुणी - रा डहर सिंचासी
आ वदळी कित जासी ?

(५५)
मारूजी रै खेता जावो वदळी !

मारूजी रै खेता जावो वदळी !

टीवा वरसो डैरा वरसो तो चितरग ताल छिलावो वदळी !
मारूजी रै खेता जावो वदळी !

जेठ उतरियो 'साढ उतरियो तो सावण उतरघो जाय वदळी !
मारूजी र खेता जावो वदळी !

सारै-सार दिन थारा सूण मनावे तो ऊभा जोव थारी वाट वदळी !
मारूजी र खेता जावो वदळी !

भागी-दोडी जावो भागी-दोडी आवो
तो समदा स् जळ भर लावो वदळी !
मारूजी रै खेता जावो वदळी !

वादळिया रा दळ सग ले ल्यो तो दाय गेडा कर जावो वदळी !
मारूजी रै खेता जावो वदळी !

(५६)

खेत सींचवा आवो वदळी

म्हारो खेत सींचवा आव वदळी ।

पोटा आयो खड्यो बाजरा
कोडगाळी अ जवार वदळी ।

माठा - मूगा फळी अे नीसरी
वगरा आयो गवार वदळी ।

मूळा - मूळा वेला पसरी
वला र निमरया चहार वदळी ।

वाला वाला वूटा घारया
चूळा छाडया नाळ वदळी ।

सौ - सौ आगळ विरखा वरसज्या
भर ज्या सरवर ताल वदळी ।

म्हारो खेत सींचवा आव वदळी ।

(५७)

आज म्हारी बदळी वरसगी

आज म्हारी बदळी वरसंगी

आयो आयो सावण - भादवो
कोई, काळी घटा घिर आय
आज म्हारी बदळी वरसंगी

म्हारा वीरोजी बीजै बाजरी
म्हारा भाभीजी काटै फोग
आज म्हारी बदळी वरसंगी

म्हारा बाबोजी चरावै टोडिया
म्हारा माऊजी नावै छकियार
आज म्हारी बदळी वरसंगी

म्हार बैता - न चारो मोठ - को
म्हारै हाळीडा - नैं गुदळी खीर
आज म्हारी बदळी वरसंगी

नित वरसो मेहा ! वागड मे

नित वरसो मेहा वागड - में

मोठ बाजरो वागड निपज
गेहू निपजै खादर - म
नित वरसो मेहा वागड में
नित वरसो मेहा वागड - मे

मूग र चवळा वागड निपजै
जवडा निपजै खादर - मे
नित वरसो मेहा ! वागड - मे
नित वरसो मेहा ! वागड में

टोड - टोडिया वागड निपजै
बल्या निपजै खादर - मे
नित वरसो मेहा वागड - में
नित वरसो मेहा वागड - मे

भेड - बाकरी वागड निपजै
भस्या निपजै खादर - में
नित वरसो मेहा वागड - में
नित वरसो मेहा वागड - में

(५६)

सुरगी रुत आयी म्हारै देस

सुरगी रुत आयी म्हारै देस
भलेरी रुत आयी म्हारै देस

माटी - मोटी छाटा ओसरया अे वदळी !
ओसरयो अे वदळी !
कोई, छाट घड कै मान, मेवा मिसरी
सुरगी रत आयी म्हारै देस
भलेरी रत आयी म्हार देस

डूगळियै का ढावा ढँसग्या अे वदळी !
ढँसग्या अे वदळी !
कोई, घोळपाळया ठेलमठेल, मेवा मिसरी
सुरगी रुत आयी म्हार देस
भलेरी रुत आयी म्हारै देस

ओ कुण वाव वाजरी अे वदळी !
वाजरो अे वदळो !
कोई, ओ कुण वाव मोठ, मेवा मिसरी
सुरगी रुत आयी म्हार देस
भलेरी रत आयी म्हारै देस

ईसर वाव वाजरो अे वदळी !
वाजरो अे वदळो !
कोई, कानू वावै मोठ, मेवा मिसरी
सुरगी रत आयी म्हार देस
भलेरी रत आयी म्हारै देस

(६०)

झिरमिर झिरमिर मेहूडो वरस

झिरमिर झिरमिर मेहूडो वरम
वादळिया घरराव अे

जठजी तो मरा बूजा बाट
परण्या हळियो वाव अे
झिरमिर झिरमिर मेहूडा वरम
वादळिया घरराव अे

देवर मरा कर अळसोटी
जेठाणी रोटी ल्याव अे
झिरमिर झिरमिर मेहूडो वरम
वादळिया घरराव अे

वाळदिया भतीजो मेरा रेवड चराव
नणदल गाया घर अे
झिरमिर झिरमिर मेहूडा वरम
वादळियो घरराव अे

ग्वाळा न म्हार गळछट चूरमो
हाळया - न खीर-लापसी अे
झिरमिर झिरमिर मेहूडा वरम
वादळियो घरराव अे

(६१)
टीडी ! उड ज्या अे, खेत परायो

टीडी ! उड ज्या अे, खेत परायो

जेठ - 'साढ म्हे वळघा तावड
पच - पच हळियो वायो
टीडी ! उडज्या अे खेत परायो

दोरै - को मिर करज कढायो
बीज उधारो आयो
टीडी ! उडज्या अे खेत परायो

नाज उग्यो जद डागर घेरघा
टीवा बैठ ग्वाळयो
टीडी ! उडज्या अे खेत परायो

सणिया काट भरूटा काटया
दोरो - दोरो खेत निनाण्यो
टीडी ! उडज्या अे खेत परायो

नगरी - को राजा हासल लेसी
कर गयो कूत सवाया
टीडी ! उडज्या अे खेत परायो

(६)

बारामासी

गाढ मरो। जिन्दा मार्गी
मार्गमिया गा मार
माउकें। मार भागा गार
मार र गाई । मार

गावन मरो। बावर मार्गी
मीमान्ना मै मार
मार्गमिया रा मनी दाढी
मार र गाई । मार

भादू माँगी भूगा हागा
मीमान्या रा मार
मार्गमिया मै गाढी मामां
मार र गाई । मार

आगाजा मे आसा मार्गी
हमाळो - मै हार
रात - माग गाढी रहमां
मार र मां । मार

बानी महीन बरग्न सिट्टा
भाय जिसा मार

काती महीनै सिट्टा कीना,
वाह रे साईं ! वाह

मिगसर महीनै मोका महता
लेखो लेसी साह
लेयर देयर दूरा होसा,
वाह रे साईं ! वाह

पोह महीनै पाळो पडसी,
खालडी - रो खोह
खालडी - रो खोह कीनो,
वाह रे साईं ! वाह

माह महीनै पाळो पडमी,
पाणी पथ्थर खाह
पाणी - रो तो पथ्थर कीना,
वाह रे साईं ! वाह

फागण महीन फाग खेल
गापिया - रो नाह
महूड - रो मद्द पीयो,
वाह रे साईं ! वाह

चैत महीनै चपा मोरी,
चचळ मोरचा साह
विन वूठा हरिया हूसी,
वाह रे साईं ! वाह

मैनाजी - म [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] - म [illegible] [illegible]
[illegible] र [illegible] । [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] र [illegible] । [illegible]

(६३)

मेरो देवरियो चराव साड

मेरो देवरियो चराव साड
करला गाजणा

टोडियो चराव, टोडती चराव
वो तो ल्यावै ल्याव घरा अे चराय
साडचा गरजणी

भैस्या चरावै वो तो भूरटी
वो तो ल्यावै ल्यावै घरा अे चराय
भैसा आरणा

धोळती चराव वो ता दूझणी
कोई, ल्यावै ल्याव घरा अे चराय
साड दड्कणा

मेरो जेठजी वाधै टोडिया
मेरा परण्या वाध उट
करला गाजणा

मेरा वडलो भतीजा वाधै भूरटी
मेरो छोटक्यो वाधै गाय
धोळया दूझणी

म्हारो भैंमो भस्या भाय
साड दड्कणा

मेरो परण्यो चुधाव टांडिया
मेरो जेठजी दूव भूरी झोट
साड्या गाजणो

मेरी नणदल पकड वाछडा
मेरा देवरियो दूव धोळी गाय
धाळचा दूझणी

(६४)

मारूणी घणा कमावणी

मारुजी म्हे था-सू चौगणा कमावा
पो कै तारै म उठी जो चाकी दयी चनाय
भर-भर छाबा पीसण लागी पीस्यो छै मण धान
मारुणी घणा कमावणी

मण भर तो म दही विलोयो मण भर दूयो दूध
घडला - घडना पीडा भरियो अेकलडी थारी नार
मारुणी घणा कमावणी

गाया री म्हे गोरधा बुहारी भैंस्या रा म्हे ठाण
खरळा खरळा गोवर गेरयो उपळा थोप्या सौ रे पचास
मारुणी घणा कमावणी

जद म रायरसोया आयी चौको दियो सजाय
मण-भर रा म माडा पोया धडी अेक राधी छै दाळ
मारुणी घणा कमावणी

आठ नल्या री लयी नीरणी आठ हाळया री छाक
सिर धर थारी चाली डैर म पूची पूची बूळी छाका जाय
मारुणी घणा कमावणी

हाळीडा न छाक जीमायो वैल्या न नीरचा फूस
जद मै बूजा काटण लागी काटया वीघा दाय र च्यार
मारुणी घणा कमावणी

साझ पग्नी दिन आथम्यो जद मण भर खोदया घाम
वाध भम्टो सिर पर धरियो साझ पड्या घर आय
मारूणी घणा कमावणी

लाय भराटा आगण पटक्यो दूखे म्हारो नाड
टाणा माय म्हारी भस्या रिडक गोरया में रम म्हारी गाय
मारूणी घणा कमावणी

गाय दूध जर भैंस्या न दूयी वकरया सौ रे पचास
भर-भर हाडा दूधडला रा हारा में दिया छ चढाय
मारूणी घणा कमावणी

लाय बळीतो नाज छरोडो केनडी दयी चढाय
मण भर रा म माडा पोया दूध छै म्हारा दानू हाथ
मारूणी घणा कमावणी

जद हाळीटा घर न आया दीना थाळ लगाय
मेग-सर दूधडला घाल्या दा दो गटचा माय
मारूणी घणा कमावणी

खाय राट जद टाम हायग्या दीना पलग न्ळाय
कुरड कुरड हुक्का टळाव गूदडा दिया पकटाय
मारूणी घणा कमावणी

खाय-पीय जद म ढब लाग्या दूधो दियो जमाय
वाहर जायर पळग्यो जडिया सा गयो खुरचण माटो खाय
मारूणी घणा कमावणी

(६५)

गोरबद

म्हारो गोरवद लवाळो
लूवाळो लड - झूवाळा
म्हारो गोरवद लूवाळो

जोधाणै - सू डोरा मगाया
खारा समद - सू कोडा
म्हारा गोरवद लूवाळो

मालाणी - र सिघूडै गारवद गूथ्यो
वीकाणै - रै राईवै पोयो
म्हारो गोरवद लूवाळो

आठ मास - सू टोरा सुळझाया
वारै महीना - सू पोया
म्हारो गोरवद लूवाळो

देवर - जेठाणी गोरवद गूथ्यो
म्हारी नणदलवाई पोयो
म्हारो गोरवद लूवाळो

गाया रे चरावती गोरवद गूथ्यो
भस्या चरावती पोया
म्हारो गोरवद लूवाळो

आसे - पास म लाला जडायी
विच में रेसम - रा फूदा
म्हारो गोरबद लूवाळो

भूरियो ऊट ककेड - सू बाध्यो
तलिया वलारता खाव
म्हारो गारबद लूवाळो

तेरा बीग्ये रो तेलियो जाखोडो
नव बीमी सजाई
म्हारा गारबद लूवाळो

गादी माड गगरखा माडया
दोय - दोय तगडा ताण्या
म्हारो गारबद लूवाळो

पूछ भूराळ - री मेळ जेवी
जाड तिरतो जाव
म्हारा गोरबद लूवाळो

जेसाणे - रो भाटी म्हारा गोरबद लेग्यो
खारो खावड पुगायो
म्हारो गोरबद लूवाळो

इलाळा विलाळा - री जान चढ
कुण - कुण जानी जासी
म्हारो गोरबद लूवाळा

ओमजी जासी, भामजी जासी
म्हारो विलाला नही जासी
म्हारा गोरबद लूवाळो

रात्यू ऊट - रै घाल्यो वेळचो
भूरियो ऊट अडोळो लागै रे
म्हारो गोरबद लूवाळो

इलाळा - विलाळा - री मौजा - रो
भाटी चोरचो म्हारा गोरबद
म्हारो गोरबद लूवाळो

इण गोरबदियै - रै कारणै
नव दिन विरणो ग्ही
म्हारो गोरबद लूवाळो

साथ - री सहेल्या - नै राम-राम दीजो
गाव - रै धणी - नै डोढो मुजरो
म्हारो गोरबद लूवाळो

डूगर चढ - नै गोरबद गायो
जोधाणा - री कचेडी साभळचो
म्हारो गोरबद लूवाळो

(६६)

मोठ-बाजरी बागड मेवा

मोठ - बाजरी बागड - मेवा
भल - भल दयो करतार !
थारा म्हे गुण गास्या

टीवा निपजावा मोठ - बाजरी
डहरया माय जवार
थारा म्हे गुण गास्या

म्हार खातर मोठ - बाजरी
गाया - बैल्या - न जवार
थारा म्हे गुण गास्या

मोती - वरणी बाजरी
घोडघाळी रे जवार
थारा म्हे गुण गास्या

बाजरिया - री रोटी पोवा
मोठा केरी दाळ
थारा म्हे गुण गास्या

दाळ 'र रोटी खावा बठयो
आगण सो परवार
थारा म्हे गुण गास्या

मिसरी लागै वाजरी
इमरत लागै दाळ
थारा म्हे गुण गास्या

मोठ - वाजरी वागड - मेवा
भल - भल दयो करतार !
थारा म्हे गुण गास्या

(६७)

रामूड़ो राजी अब होय गयो

रामूजी राजी अब होय गया
सीता रा मा[illegible] ध[illegible] - [illegible]
राम राजी अब होय गया

गढ़ा - में ऊभा हस्तिया चावरा
हरां - में पगल्या हरिया माड़
राम राजी अब होय गया

गाटा ना गाटा लिखो बारणी
मीठा ता मीठा लिख्या छ मनोर
रामूजी राजी अब होय गया

गारुड़ो - धरणी गुण अर टाकण्यां
कापरिया - री मादारू
राम राजी अब होय गया

जाता अ जाता जड़िया मूगण
सीया - सीया पाडधाळी जवार
रामूजी राजी अब होय गया

आमा तो सामा दाय टीबड़ा
खित - में कासरिया सान
राम राजी अब होय गया

ताल विचाळै क्ड खिणायी
भरी हबोळा खाय
रामूडो राजी अव हाय गयो

टीवा - र ऊपर टीवडी
ज पर टापी घाल
राम राजी अव हाय गयो

मनड - रा चाया अव हो गया
धण - ढोलो करै अे मलार
रामूडा राजी अव होय गयो

मौजा तो करला धण - स्याम
राम राजी अव होय गयो

(६८)

हो भगवान थारी माया

हो भगवान ! थारी माया !

जेक दिन छी म्हार टूटी टपरी
फटचा गुदडिया सारा
हो भगवान ! थारी माया !

चूला पाछ रीती हाडी
अन - रा जी पड रया सासा
हो भगवान ! थारी माया !

दूध दही तो घणा दुहेला,
छछिया - नै तरसाया
हो भगवान ! थारी माया !

ऊट - बल ता वटा दुहेला,
बकरचा - न तरसाया
हो भगवान ! थारी माया !

अव दीना म्हान मैल माळिया
सोड - पथरणा न्यारा
हो भगवान ! थारी माया !

दूध - दही म्हारै कूकर खावै
अन - धन भरया भखारा
हो भगवान ! थारी माया !

बीकाणै - रा मदवा गाजै
बैल वण्या नागोरया
हो भगवान ! थारी माया !

(६९)

कोया थार सार !

वनवारो हो लाल !
कोया थार सार
गिरधारी हो लाल !
कोया थार सार

अै महल - माळिया थार
अै महल - माळिया थारै
थारी बरोबरी म्हे करा, स कोई,
टूटी टपरी म्हार
वनवारी हो लाल !
कोया थारै सारै
गिरधारी हो लाल !
कोया थार सार

अै काम - धेनवा थार
अै काम - धेनवा थार
थारी बरोबरी म्हे करा, स कोई,
भस - पाडडो म्हार
वनवारी हो लाल !
कोया थारै सार
गिरधारी हो लाल !
कोया थारै सार

अँ हाथी - घोटा थार
अँ हाथी - घोडा थारै
थारी वरोवरी म्हे करा, स कांई,
ऊट - साडणी म्हारै
वनवारी हो लाल !
कोया थारै सारै
गिरधारी हो लाल !
कोया थारै सारै

अँ भाला - वरछी थार
अ भाला - वरछी थारै
थारी वरोवरी म्हे करा, स कांई,
जेळी - गडासो म्हारै
वनवारी हो लाल !
कोया थारै सारै
गिरधारी हो लाल !
कोया थार सारै

रतनागर सागर थारै
रतनागर सागर थारै
थारी वरोवरी म्हे करा, स कोइ,
ढाव भरया है म्हार
वनवारी हो लाल,
कोया थारै सार
गिरधारी हो लाल !
कोन्या थारै सारै

(७१)

मूमल

काळी र काळी काजळियै गे रखडी
हा जी र काळाटी काठल - म चमक बीजळी
म्हाजी बरसाळ री मूमल ! हाल नी अे आलीजै - र देस

हायो मूमन माथड़यो रे मट - सू
हा जी रे कडिया ता राळया मूमल केसडा
म्हाजी जुग - मीठी मूमल ! हालै नी अे रासील - र देम

नीसडला मूमल - रा सम्प नारेळ ज्य
हा जी रे केसडला माटेची - रा वासग नाग ज्यू
म्हाजी जुग वाल्ही मूमल ! हाल नी अे अमराण-र देस

नानडला मूमल - रा खाडड्य - री धार ज्यू
हाजी र आखड्या रग - भीनी री रतनाळिया
म्हाजी अमरत - भरी मूमल ! हाल नी अे आलीज र देम

होठडला मूमल - रा रेसमिय - र तार ज्यू
हा जी र दातडला उजलदनी रा दाडम-बीज ज्यू
म्हाजी हरियाळी मूमन ! हाल नी अे रासोल - रै देस

पटडलो मूमल - रा पीपळिय - र पान ज्यू
हा जी रे हीवडला हतियारी - रा मच ढाळिया
म्हाजी नाजुकडी मूमल ! हाल नी अे आलीज रै देम

जाघडली मूमल - री देवळियै - रै थाम ज्यू
ह्य जी रे सायडली सपीठो, पोडी पातळी
म्हाजी माडेची मूमल । हालै नी अे रासील-रै देस

जायी रे मूमल इयै लोद्रवाणै - रै देस-मे
ह्य जी रे माणो रे मूमल - नै राणै महदरै
म्हाजी जैमाणै-री मूमल । हालै नी अे अमराणै-रै देस

(७२)

गाढो पेमलडो

गाढो पेमलडो गोरी-रै नणा चुय - चुय जाय
चुय - चुय जायं वाल्हो चुय - चुय जाय
गाढो पेमलडा गोरी रै नणा चुय चुय जाय

ओ कुण धण रा हिवडा - रो जिवडो
ओ कुण मनडा - र माय ?
गाढो पेमलडा गोरी - रै नणा चुय-चुय जाय

सासूजी-रो जायो म्हारो हिवडा रो जिवडो
गणदलवाई रो वीरा म्हार मनडा-र माय
गाढो पेमलडा गोरी र नैणा चुय - चुय जाय

ओ कुण धण - रै रखडी - रा मोती
ओ कुण बिंदली माथा माय
गाढो पेमलडो गोरी र नणा चुय - चुय जाय

सुसरजी - रो माती म्हार रखडी रो मोती
बाबोसा रा फून जवाइ बिंदली माथा माय
गाढो पेमलडो गोरी - र नैणा चुय - चुय जाय

आ घुण घण-र नथ-रा मोती
ओ घुण रे बाजूडा-री लूम
गाढो पेमलडो गोरी-रे नैणा चुय-चुय जाय

नौरंगी रो फूल झणेई म्हारी नथली-रो मोनी
बाजूडा-री लूम म्हारो गुगरथ म्याम
गाढो पेमलडो गोरी-र नैणा चुय-चुय जाय

(७३)

मरवण

थारी ढोला ! मरवण के लागी ?
कै लागी जी ढोला ! के लागी ?
थारी ढोला ! मरवण के लागी ?

म्हारा सुसराजी - री धना
म्हारा सासूजी - री बायलडी
म्हारा साळा - री बैनड लागी
थारी ढोला ! मरवण के लागी ?

म्हारा बाबासा - री ववडिया
म्हारी माऊसा - री ववडिया
म्हारा बनट भाया री भावजडी लागी
थारी ढोला ! मरवण के लागी ?

म्हारा घर-केरी लोय म्हारा आगणिया री सोभा
म्हारी चदा - वदन धण लागी
थारी ढोला ! मरवण के लागी ?

(७४)

विराट भावना

सुक्कर - वा तारो रे ईसर ! ऊगी रह्यो
तैं - की मख टीकी घडाव

ध्रुव - की वादळ रे ईसर ! तुली रही
तैं - को मख तहवाळ रंगाव

सरग - की विजळी रे ईसर ! चटकी रही
तैं - की मख मगजी लगाव

नव लख तारा रे ईसर ! चमकी रह्या
त - की मख अगिया सिमाव

चाद - सूरज रे ईसर ! ऊगी रह्या
तैं - की मख टीकी लगाव

वासुकी नाग रे ईसर ! देखी रह्यो
तैं - की मख वेणी गुथाव

वडी हठ - वाळी रे गवरल गोरडी

(८२)

पणिहारी

काळी अ कळायण ऊमटी अ पणिहारी अे लो
मोटोडी छाटा रो वरस मेह वाल्हा जो

भर नाडा भर नाडिया अे पणिहारी अे लो
भरियो भरिया समद-तळाव वाल्हा जो
किण जी खुणाया नाडा नाडिया अ पणिहारी अे लो
किण जी खुणाया तळाव वाल्हा जो
सुसरजी खुणाया नाडा नाडिया अे पणिहारी अे लो
पिवजी खुणायो तळाव वाल्हा जो
किण सू वधावो नाडा नाडिया अे पणिहारी अे लो
किण - सू वधावो तळाव वाल्हा जो
नारेळा वधावा नाडा नाडिया अ पणिहारी अे लो
मोतीडा वधावा तळाव वाल्हा जो

मात सहेल्या - र झूनर अ पणिहारी अे लो
पाणीड - न चाली रे तळाव वाल्हा जो
घडोय न डूब ताल - म अे पणिहारी अे लो
ईंढोणी तिर तिर जाय वाल्हा जो
सातू रे सहेल्या पाणी भर चली अे पणिहारी अ लो
पणिहारी रही र तळाव वाल्हा जो

ववतै ओठी नै हेलो मारियो ओ लजा ओठीटा अे लो
घडियो उखणावता जाय वाल्हा जो

औरा - र वाजळ - टीकिया अे पणिहारी अे लो
थारोडा है फीका नैण वाल्हा जो

औरा - रै आढण चूनडी अे पणिहारी अे लो
थारोडो मैलो-मो वेस वाल्हा जो

औरा - रा पिवजी घर वसै ओ लजा ओठीडा अे लो
म्हारोडा वस परदेस वाल्हा जो

कै है रे सासू थारै सावकी अे पणिहारी अे लो
कै थारो पीवरियो परदेस वाल्हा जो

नही रे सासू म्हारै सावकी आ लजा ओठीडा अे लो
नही म्हारो पीवरियो परदेस वाल्हा जो

घडो तो पटक दै नी ताल में अे पणिहारी अे लो
चालै नी ओठीडै - री लार वाल्हा जो

वाळू तो जाळ् थारी जीभडी ओ लजा ओठीडा अे लो
डस तनै काळा नाग वाल्हा जो

चालै तो घडा दू तन वाडलो अे पणिहारी अे लो
चालै तो नवसर हार वाल्हा जो

अहडा तो वाडलिया म्हार घर घणा रे लजा ओठीडा अे लो
खूटचा टग्या नवसर हार

हालै तो चिरा दू थार चूडलो अे पणिहारी अे लो
हालै तो दिखणी - गे चीर वाल्हा जो

चूडलो चिरासे धण-रो सायबो रे लजा ओठीडा अे लो
ओढणियो ओढासे मा जायो वीर वाल्हा जो

घडो तो भर - न पाछी वळी अे पणिहारी अे ला
आयी आयी पळमैं - र वार वाल्हा जो
घडो ता पटक द् ऊभी ताल - में अे पणिहारी अे ला
वेगो रे घडिया उतराव वाल्हा जा
किण थानैं मामो माग्यो अे म्हारा वहूजी अे ला
किण थान दीवो छै गाळ वाल्हा जो
अेक ओटी मन इमो मिरयो अे म्हारा सासजी अे लो
पूछी म्हार मनडै - री वात वाल्हा जा
देवरजी सरीमो डोघो पातळो अे म्हारा सासूजी अ लो
नणदल - वाईसा - रै उणियार वाल्हा जा
थे तो वहू ! भाळा घणा आ म्हारा वहूजी अ ला
ओ ता थारा - ही भरतार वाल्हा जा

(७६)

हरियाळो

गोरी म्हारी अे !
हरियाळो व्ठीजै क्यू ?
यू म्हारा सायव ! यू जी यू

गोरी म्हारी अे !
हरियाळो वायीजै क्यू ?
यू म्हारा मायव ! य जी यू

गोरी म्हारी अे !
हरियाळो निनाणीज क्यू ?
यू म्हारा सायव ! यू जी यू

गोरी म्हारी अे !
हरियाळो रखाळीजै क्यू ?
यू म्हारा सायव ! य् जी यू

गोरी म्हारी अे !
हरियाळो चूटीज क्यू ?
यू म्हारा सायव ! यू जी यू

गोरी म्हारी अे !
हरियाळा गाहीज क्यू ?
यू म्हारा सायव ! यू जी यू

घडा ता भर - न पाछी वळी अ पणिहारी अ ला
आयी आयी पळमें - र बार वाल्हा जो
घडो ता पटक दू ऊभी ताल म अे पणिहारी अे ला
वेगा रे घडिया उतराव वाल्हा जा
विण थान मोमा माग्यो अे म्हारा वहूजी अ लो
विण थान भेवो छ गाळ वाल्हा जा
अेक आटी मन इमा मिल्या अ म्हारा सामजी अे लो
पूछो म्हारे मनड - री बात वाल्हा जा
देवरजो सरीसा डीघा पातळा अ म्हारा सामूजी अ लो
नणदल - वार्‍मा - रै उणियार वाल्हा जो
घे ता वहू ! भोळा घणा आ म्हारा वहूजी अ ला
आ ता थारा - ही भरतार वाल्हा जा

(७६)

हरियाळो

गोरी म्हारी अे !
हरियाळो व्ठीजै क्यू ?
यू म्हारा सायव ! यू जी यू

गोरी म्हारी अे !
हरियाळो वायीजै क्यू ?
यू म्हारा सायव ! य जी यू

गोरी म्हारी अे !
हरियाळो निनाणीजै क्यू ?
यू म्हारा सायव ! यू जी यू

गोरी म्हारी अे !
हरियाळो रखाळीज क्यू ?
यू म्हारा सायव ! यू जी य

गोरी म्हारी अे !
हरियाळो चूटीज क्यू ?
यू म्हारा सायव ! यू जी यू

गोरी म्हारी अे !
हरियाळो गाहीजै क्यू ?
यू म्हारा सायव ! यू जी यू

उठो वाई सा ! डागळिय चढ जाय
कुण जी रे सिधाया, कुण जी र घर वस म्हारा राज !
चढिया भावज ! म्हाराडा वड वीर
थान तो सुगणी रा सायबो जी म्हारा राज !

झेली झेली सुदर गारी घोड - री लगाम
आसू तो रळकाया कायर मोर ज्यू जी म्हारा राज !
लीनी लीनी हजा मारु हिवडै लगाय
आसूडा ता पूछ्या हरिय रुमाल सू जी म्हारा राज !
देवा नी सुदर गारी ! हस हस सीख
साईना सिधाया छेनी मे म्हे पडया जी म्हारी नार !
सीखडली हजा-मारु ! दीवीय न जाय
छाती ता भरीज हिवडो उझळ जी म्हारा राज !

(७८)

नीमडली

चाल्या पना-मारू दीवाण - र दस हजारी ढोला ।
दीवाण री गळिया ओ नीमडली झुक रही जी म्हारा राज ।
लाया पना-मारू तुरर जी टाग हजारी ढोला ।
लाय उगायी ओ चानग चौक म जी म्हारा राज ।

क्या रे बधावा नीमडली - री पाळ हजारी ढोला ।
क्या रे सिंचावा अे हरिय रुख नै जी म्हारा राज ।
गुड - घी बधावा नीमडली - री पाळ हजारी ढाना ।
दूधा सिंचावा जी हरिय रुख न जी म्हारा राज ।

ऊगी नीमडली पान-दुपान हजारी ढोला ।
ऊगनडी जुग मोहया जी गोरी - रा सायवा जी म्हारा राज ।
मत कोई तोडो नीमडली - रा पान हजारी ढाला ।
मत ना सतावा जी हरिय रुख न जी म्हारा राज ।

नणदलवाई तोड नीमडली - रा पान हजारी ढाला ।
देवरिया नगराळा जी तोड साटकी जी म्हारा राज ।
नणदलवाई - न सासरिय खिनाय हजारी ढाना ।
देवर-न खिना दया जी राजाजी री नाकरी जी म्हारा राज ।

नणदलवाई सासरियै ना जाय हजारी ढाला ।
देवरियो नही जाव जी राजाजी री नौकरी जी म्हारा राज ।

नणदलबाई-न मातीडा रा हार हजारी ढोला ।
देवर - नै परणावा जी म्हा - सू छोटी बनडी जी म्हारा राज ।

बरया पना - मारू तखत बिछाय हजारी ढोला ।
कागद आया जी हाड राव रा जी म्हारा राज ।
कागद पना मारू । बाच सुणाय हजारी ढोला ।
काई र लिख्या जी तारा कागदा जी म्हारा राज ।

कागद मिरगानणी । वाच्या मन जाय हजारी ढोला ।
छाती रा फाट जी हिवडा उझळ जी म्हारा राज ।
अवड - छेवड सात मिलाम म्हारी मिरगानणी ।
बीच लिखी छ अ बारा बरसा री चाकरी जी म्हारा राज ।

ओळग थार बाबोजी न भज हजारी ढोला ।
अवक चौमास जी राजन घर बसा जी म्हारा राज ।
बाबजी - री घण अे जाव बलाय म्हारी मिरगानणी ।
म्हार सरीसा जे कवर घाम चढ जी म्हारा राज ।

ओळग थार वडाड वीरजी न भज हजारी ढोला ।
चतर चौमास आ राजन । घर वसो जी म्हारा राज ।
वडाट वीर घर सात बरस री धीय म्हारी मिरगानणी ।
वै न परणाया जो ओळग व चढै जी म्हारा राज ।

आळग थार विचल वीर जी न भज हजारा ढोला ।
अवक चौमास ओ राजन । घर बसा जी म्हारा राज ।
विचलै वीरै घर गोद झडूलो पत म्हारी मिरगानणी ।

ओळग थार ल्हाडिय वीरन भेज हजारी ढोला ।
चतर चौमास जो राजन । घर वसो जी म्हारा राज ।

ल्होडियै वीर घर नानकडी - सी नार म्हारी मिरगानणी ।
महल चढती अे मुदर । वा डरै जी म्हारा राज ।

ओळग थारै पाडोस्या नै भेज हजारी ढोला ।
अवकै चौमाम ओ राजन । घर वसो जी म्हारा राज ।
पाडोस्या-री धण । आम्ही-साम्ही पाळ म्हारी मिरगानैणी ।
ऊठ सवारी ओ देवै ओळभा जी म्हारा राज ।

ओळग थारै भायलडा - नै भेज हजारी ढोला ।
चतर चौमास ओ राजन । घर वसो जी म्हारा राज ।
भायलडा - री धण । ऊदाखाडी नार म्हारी मिरगानणी ।
उठ सवारी आ झगडो वा कर जी म्हारा राज ।

ओळग थारै हालीडा - नै भेज हजारी ढोला ।
अवकै चौमासै ओ राजन । घर वसो जी म्हारा राज ।

जे थे पना - मारू । ओळग जाय हजारी ढाला ।
वरज चढो ना जी वन - रा मोरिया जी म्हारा राज ।
वन रा मोरला वरज्या ना जाय म्हारी मिरगानैणी ।
इण रत बोल जी वन - रा मोरिया जी म्हारा राज ।

जे थे पना - मारू । ओळग जाय हजारी ढाला ।
वरज चढो ना जी आभा वीजळी जी म्हारा राज ।
वीजळडी धण । वरजी ना जाय म्हारी मिरगानणी ।
इण रत चमक जो आभा वीजळी जी म्हारा राज ।

जे थे पना - मारू । ओळग जाय हजारी ढाला ।
वरज चढो नी पाटोमण - रा दीवळो जी म्हारा राज ।

दीवलडो धण ! वरज्यो ना जाय म्हारी मिरगानणी !
वा - रा तो परण्या अे गोरी ! घर वसै जी म्हारा राज !

जे थे पना मारू ! ओळग जाय हजारी ढोला !
विस - रा पियालो जी धण - नै दे चढा जी म्हारा राज !
विस रा पियाला धण वरचा न पाय म्हारी मिरगानणी !
थान पियाला जी काच दूध रो जी म्हारा राज !

डवडव भर आया नैण हजारी ढोला !
आसू तो राळै जी हरिय मोर ज्यू जी म्हारा राज !
लीनी पना - मारू हिवडै लगाय हजारी ढोला !
आसू तो पूछ्या जी पेच सू जी म्हारा राज !

तू मत गोरी धण ! बेदिल होय म्हारी मिरगानणी !
अबकै सिधावा तो साग ले चला जी म्हारा राज !
झूठ पना - मारू ! झूठ न बोल हजारी ढोला !
सदाई सिधावा जी कद थन ले चला जी म्हारा राज !

(७९)

ओळू

ऊची ता खिवै ढाला । बीजळी
नीची तो खिव छै निवाण जी ढोला ।
ओ जी आ गोरी - रा लसकरिया ।
ओळडी लगायर कोठै चाल्या जी ढोला ।

किण थानै चाळा राज । चाळियाजी
किण थानै दीनी सुगणी सीख जी ढोला ।
माथीडा चाळा म्हान चाळिया जी
बीरजी दीनी म्हानै सीख अे गोरी ।
आ जी ओ गोरी- रा लसकरिया ।
ओळूडी लगायर कोठ चाल्या जी ढाला ।

चढो अे तो राधा ढोला । लापसी
रहो अे तो जिनवा - रा भात जी ढोला ।
जीम चढाला गारी । नापमी
जाय तो जीमाला जिनवा रा भात अे गोरी ।
ओजी ओ गोरी - रा लसकरिया ।
आळूडी लगायर कोठ चाल्या जी ढोला ।

चढो जे तो ढाळा ढोला । ढोलियो
रहो अे तो फुलडा - गे सेज जी ढोला ।

पौढ चढाला गारी । ढोलियो
आय तो पौढाला फुलडा - री सेज अे गोरी ।
ओ जी ओ गारी रा लसकरिया ।
ओळूडी लगायर कोठै चाल्या जी ढोला ।

चढो न चढावा ढोला । सिध करो
काहे तरसावो धण - रा जीव जी ढोला ।
जद पग मेल्यो ढोलै पागड
डवडव भरिया छ नैण जी ढोला ।
आसू ता पूछ ढोला पेच-सू
लीनी छ हिवड लगाय जी ढोला ।
ओ जी आ गोरी - रा लसकरिया ।
ओळूडी लगायर काठ चाल्या जी ढोला ।

थारी तो ओळू ढोला । म्हे करा
म्हारी तो करयन कोय जी ढाला ।
म्हारी तो ओळू गारी । थ करा
थारी तो करसी थारी माय अे गारी ।
ओ जी ओ गारी रा लसकरिया ।
ओळूडी लगायर काठ चाल्या जी ढाला ।

ओ जी ओ गारी रा लसकरिया ।
घडी दोय लसक्र थामो जी ढोला ।
म्हारा ता थाम्या नसक्र गारी । ना थम
म्हार वाबजी - रो थाम्यो थमसी अे गोरी ।
आ जी ओ गारी - रा ।
आळूडी लगायर [illegible] ढोला ।

(८०)

मिरगो छोड गयो

मिरग विना मिरगी अेकनडी
मिरगो छाड गया वन खड माय मिरगी न अकलडी

मिरग - न ढूढण मिरगी नीसरी
ढूढयो ढूढयो अे वन खड छाण
मिरगै विना मिरगी अेकनडी
मिरगा छोड गया वन खड माय मिरगी-न अकलडी

कटय न लाध्यो जुलमी मिरगला
ढूढया ढूढया अे राण खमाण
मिरग विना मिरगी अेकलडी
मिरगो छोड गयो वन खड माय मिरगी-न अकलडी

ढढत - ढूढत मिरगी थक गयी
बै-री आग्या - मे आस जाण
मिरग विना मिरगी अेकलडी
मिरगो छोड गया वन खड माय मिरगी-न अकलडी

खाय तिवाळो मिरगी ढह पडी
कार्ई ओ दुख सह्यो यन जाय
मिरगै विना मिरगी अेकलडी
मिरगो छोड गयो वन-खड माय मिरगी-न अकलडी

(८२)

ओळू

म्हारा राजीडा री छिन छिन ओळू आव
जद म जाऊ राय रसोया साजन-री सुध आव
कुण जीम मेरी राय रसोई कुण मेरो भाजन सरावै
म्हारा राजीडा री छिन छिन ओळू आव

लय दोघड जद पणघट जाऊ साजन-री सुध आव
कुण झेलै मेरो सावन वळमो कुण मोय माट उठावै
म्हारा राजीडा-री छिन-छिन ओळ् आवै

जद म जाऊ भूरी दुयवा साजन री सुध आव
कुण पकडै मेरो वाळो पाडो कुण मोय दूध दुवावै
म्हारा राजीडा री छिन छिन ओळू आव

जद मै जाऊ रग-री मडया साजन री सुध आवै
कुण बूझ सुख दुख-री वतिया कुण हस हस वतळावै
म्हारा राजीडा री छिन छिन ओळू आवै

टपटप टपक नण दीरघडा हिवडो भर भर आव
म्हारा राजीडा री पळ पळ ओळ् आवै
म्हारा राजीडा-री छिन छिन ओळू आव

(८३)

पींपळी

वाय चाल्या छा भवरजी पीपळी जी
हा जी ढोला । होय गयी घेर घुमेर
बसण री रुत चाल्या चाकरी जी
ओ जी म्हारी सास सपूती रा पूत ।
मत ना सिधावा पूरव री चाकरी जी ।

परण चाल्या छा भवरजी गोरडी जी
हा जी ढोला । होय गयी जाध-जवान
विलसण री रुत चाल्या चाकरी जी
ओ जी म्हारी लाल नणद रा ओ वीर ।
मत ना सिधावा पूरव री चाकरी जी ।

छाड चाल्या छा भवरजी वाछडी जी
हा जी ढोला । होय गयी सुरही गाय
दूध पीवण री रुत चाल्या चाकरी जी
ओ जी म्हारी सेजा रा सिणगार ।
मत ना सिधावो पूरव री चाकरी जी ।

कुण थारा घडला भवरजी । कस दिया जी
हा जी ढोला । कुण थान कस दिया जीण
कुणाजी र हुक्मा चाल्या चाकरी जी
ओ जी म्हार हिवड रा जिवडा ।
मत ना सिधावो पूरव री चाकरी जी

वडोडै वीरँजी घुडला गोरी । कस दिया जी
हा अे गारी । साथीडा क्स दिया जीण
वाबोसा-रैं हुक्मा चाल्या चाकरी जी
ओ जी थारी धण वरजैं उमराव ।
मत ना सिधावा पूरव-री चाकरी जी ।

चरखा तो ले ल्यू भवरजी । रागलो जी
हा जी ढोला । पीढो लाल गुलाल
तक्वा तो लेल्यू भवरजी । बीजळसार रो जी
आ जी म्हारा जोडी रा भरतार ।
पूणी मगा ल्यू जी क बीकानेर री जी

मोहर-मोहर री कानू भवरजी । कूकडी जी
हा जी ढोला । रोक रुपइय रो तार
हूँ कातू, थे बैठा विणज ला जी
आ जी मै ता अरज करू दिन-रात
मत ना सिधावो पूरव री चाकरी जी

गारी री कमाई खासी राडिया जी
हा अे गारी । कै गाधी क मणियार
म्हे छा बेटा साहूकार-रा जी
हा अे म्हारी घणी अे पियारी घर नार ।
गोरी री कमाई म् पूरा ना पड जी

रोक रुपइया भवरजी । म वणू जी
हा जी ढोला । वण ज्याऊ पीळी पीळी म्हार
भीड पड जद भवरजी । वरत ल्या जी
ओ जी म्हारी सास सपूती रा पूत ।
मत ना सिधावा पूरव-री चाकरी जी ।

(८६)

फागण फीको

फागण फीका अ सहल्या ! अब स्याम विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इसडो फीका लाग अे
साग फीका अेक लूण विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इसडा फीको लाग अे
भात फीको जाणू खाड विना
फागण फीका अ

स्याम विना फागण इसडो फीको लाग अ
नण फीका काजळ रेख विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इसडो फीका लाग अे
हाथ फीका जाण महदी विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इसडा फीका लाग अे
चुडना फीका जाण वगडी विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इमडा फीका लाग अे
सावण फीका हरियाळी विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इसडो फीको लाग अे
वन फीका ज्यू मार विना
फागण फीको अे

फागण फीका अ सहेल्या ! अेक स्याम विना
फागण फीका अे

(८७)

सपनो

सपनो तो आया मरव-मुलखणो जी म्हारा राज
गुठ्ठो तो मोटयो गोरी रै पाव रो जी

सपन में देख्या भवरजी न आवता जी
कोई माथै पचरग अे जी अे पाग
कांधै सवज अे जी अे रुमाल
हाथा-में सोसी प्यालो प्रेम रा जी

आगण मोचड्या भवरजी-री मचकी जी
कोई, थळी टमक्यो अे जी अे सेल
गोरी रै आगण खडका कुण कियो जी?

लीलडी वाधी भवरजी ठाण में जी
कोई, सेल धरयो धममाळ
आप पधारया माम्जी मल मे जी

टग टग मला भवरजी चढ गया जी
कोई, खोला धण मजड किंवाड़
सावळ घोनो बीजळसार री जी

हाथ पकड भवर वठी करी जो
काई बूझी म्हार मनड री वात
अखिया निमाणी पापण खुन गयी जो

सपना रे बैरी ! तन मार दू जी
कोई, थारी क्तल अे जी अे कराय
सूती तै ठग ली भवरजी-री गोरडी जी

क्यानै अे गोरी घण ! म्हानै मार दो जी
कोई, क्यू म्हारी क्तल अे जी अे कराय
म्हे छा सपना ढळती रैंण-रा जी

सपना रे बैरी ! तै असी करी जी
कोई, जसी करै ना अे जी अे कोय
धोखै स छळ ली भवरजी री गोरडी जी

म्हे छा सपना सरब सुलखणा जी
काई बिछड्या-नै देवा अे जी अे मिलाय
म्हे छा सपना ढळती रैंण-रा जी

मारो कागळिया र तीर

मारा अे रतनादे दासी ! कागलिया रै तीर

नित - नित आय करव म्हारी
नीमडली व बीच
मारो जे रतनादे दासी कागलिया- रै तीर

कदेय न आव सायवा मेरा
कदेय न आव वीर
मारा अे रतनादे दासी ! कागलिया रै तीर

क्यू उद्दवाव मनडो म्हारा
क्यू तरसाव जीव
मारा जे रतनादे दासी ! कागलिया र तीर

जलालो

सइया मोरी अे ।
आयोडा सुणीजै अे जलालो देस में
अन चमक्या अे चारे-ज देस
सइया मोरी अे ।

आयोड-रा लेसा अे जलाल रा वारणा
अन मोतीडा सू लेसा जे वधाय
सइया मोरी अे ।

आयोडो सुणीजै अे जलालो तालरै
अन झीणोडी अे ऊड गुलाल
सइया मोरी अे ।

आयोडो सुणीजै अे जलाला डूगर
अन बोल्या अे झीणा मोर
सइया मोरी अे ।

आयाडो सुणीजै अे जलालो वाग मे
अन पकिया अे दाडम दाख
सइया मोरी अे ।

आयोडो अे सुणीज जलालो वावड्या
अन निरख रही जे पणिहार
सइया मोरी अे ।

आयोडो अे सुणीज जलाला चौवटै
अन डूम करै सुभराज
सइया मोरी अे !

आयोडो अे सुणीजै जलालो प्रोळ-मे
अन प्रोळिया ! प्रोळ उघाड
सइया मोरी अे !

आयोडो अे सुणीज जलालो आगण
अन दूधे बूठा मेह
सइया मोरी अे !

वाकडली मूछा ग जलालो मन मेल द
अन हिवड सू लेवा लगाय
सइया मोरी अे !

पटिया पेचाळो जलालो मनै मेल द
अन नेवडा - सू लेवा समनाय
सइया मोरी अे !

जलालो

सइया मोरी अे !
आयोडो सुणीजै अे जलालो देस मे
अन चमक्या अे चारे ज देस
सइया मारी अे !

आयोड रा लेसा अे जलाल रा वारणा
अन मोतीडा सू लेसा अे वधाय
सइया मोरी अे !

आयोडो सुणीज अे जलाला तालर
अन झीणाडी अे ऊड गुलाल
सइया मोरी अे !

आयोडो सुणीजै अे जलालो डूगर
अन वोल्या अे झीणा मोर
सइया मारी अे !

आयोडो सुणीजै अे जलालो वाग म
अन पनिया अे दाडम दाख
सइया मोरी अे !

आयाडो अे सुणीज जलालो वावडया
अन निरख रही अे पणिहार
सइया मोरी अे !

आयोडा अे सुणीज जलालो चौवटै
अन डूम करै सुभराज
सइया मोरो अे ।

आयोडो अे सुणीजै जलाला प्रोळ-मे
अन प्रोळिया ! प्रोळ उघाड
सइया मोरी अे ।

आयोडो अे सुणीज जलालो आगण
अन दूधे वूठा मेह
सइया मोरी अे ।

वाकडली मूछा-गे जलाला मन मेल दै
अन हिवडै स् लेवा लगाय
सइया मोरी अे ।

पटिया पेचाळो जलालो मन मेल दै
अन नेवडा - सू लेवा समभाय
सइया मोरी अे ।

७

विनोद और व्यग-रा गीत

(६१)

वनो म्हारो असल गवार

वनो म्हारा असल गवार
वनी म्हारी चातर सा जी चातर सा ।

वना राय-रसोया जाय क
उकड़ू बैठा सा जी बैठा सा ।
वना म्हारो असल गवार
वनी म्हारी चातर सा जी चातर सा ।

जद म्हे थाळ लगाय
खीर अक पुरसी सा जी पुरसी सा ।
वनै लियो सबडको मार
राब आ मीठी सा जी मीठी सा ।
वनो म्हारो असल गवार
वनी म्हारी चातर सा जी चातर सा ।

जद म्हे थाळ लगाय
सीरो अक पुरस्यो सा जी पुरस्या सा ।
वन लिया गास दोय-च्यार
खीचड़ो चोखो सा जी चाखो सा ।
वनो म्हारो असल गवार
वनी म्हारी चातर सा जी चातर सा ।

(६३)

माणीगर-रो घाटी-मे

म्हारा महल डूगर रै ऊपर
माणीगर रो घाटी में
म्हारो महल पथर-सू चिणियो
माणीगर रो माटी में

म्हारा महल-री ऊची चोटी
चाटी पर आभा बठयो
ढाला-रै गढ-री नीची चोटी
चोटी पर वादर बठयो

म्हारा गढ-र बावन मोरी
मोरी - मोरी पर पहरा
मारूजी र गढ र वावन मोखा
मोखा मोखा घुडसाळा

समद बुरज पर मारूणी बठी
तातै पाणी पग धोवै
नीचै झुक क देखण लागी
मारूजी मडवा पोव

समद-बुरज पर मारूणी वठी
दूध पतासा पीव

नीचै घुप-यै देखण लागी
मारूजी रावड पीव

ऊची हो-वँ हेलो दीयो
अेकलडा पे धावो छो ?
म्हानै देख 'र लुपथा चाल्या
म बोली—किस जावो छा ?

म्हानै गडगड हासी आव
मारूजी पूपळ भरिया

(९५)

मागण हो सो माग

मागण का दिन आज बाई !
मागण हो सो माग जी
वीर - न मत कहियो बाई !
मरा दिल दरियाव जी

मागण को दिन आज बाइ !
मागण हाय सा माग ल्यो
गैणा मत ना मागा बाई !
डब्र का सिणगार जी
गणा मायलो काटा देस्या
मोती लेस्या काढ जी

मागण - का दिन आज बाई !
मागण हाय ना माग जी
रिपिया मत ना मागा बाइ !
थली - का सिणगार जी
रिपिया मायली टक्को देस्या
पीसा लस्या काढ जी

मागण का दिन आज बाई !
मागण होय सा माग ल्या

कपड़ा मत ना मागो बाई ।
बुगचै को सिणगार जी
कपड़ा मायली आगी देस्या
टुक्की लेस्या काढ जी

मागण - को दिन आज बाई ।
मागण होय सो माग जी
बरतण मत ना मागो बाई ।
चौकै - को सिणगार जी
बरतण मायली चमची देस्या
झावो लेस्या काढ जी ।

मागण - को दिन आज बाई !
मागण - होय सो माग ल्यो

८

देश-प्रेम और वीरता-रा गीत

(९६)

वाल्हो लागै छ म्हारो देसडो

वाल्हा लागै छै म्हारो देसडो अे लो
केम कर जाऊ परदेम वाल्हा जो

ऊचा-ऊचा राणैजी - रा गोखडा अे लो
नीचै म्हारै पीछोळ - री पाळ वाल्हा जा

वादळ छाया देस - मे अे ला
नदिया नीर हिलोहिळ रे वाल्हा जो

वादळ चमकै वीजळी अे लो
चमक-चमक झड लाय वाल्हा जो

सरवर पाणीडै न म गयी अे लो
भीजै म्हारै साळूड-री कोर वाल्हा जो

वाल्हो लागै छै म्हारो देसडो अे लो
केम-कर जाऊ परदेस वाल्हा जो

(६७)

सूरा ओ रण मे जूझिया

मूरा ओ रण में जूझिया

हृथाया बठा ओ दादाजी वरज रह्या
वेटा ! मती जावो रे राड
सूरा ओ रण में जूझिया

जाया ! ओछी ऊमर नाळी वैस में
मूरा ! क्यूंकर ढावोला तरवार ?
मूरा ओ रण में जूझिया

दादाजी ! पाछा फिरा ता म्हारो कुळ लाज
लाजै म्हारी माता बाई रो थान
सूरा ओ रण म जूझिया

सूरा भाला राळया जी वाळू रेत म
मूरा वरछया - री वाजी घमरोळ
मूरा ओ रण में जूझिया

मूरा गाडी वाळी जी झीणी रेत में
सूरा नम-नम वाही तरवार
मूरा ओ रण में जूझिया

सूरा झाडया-भाडया व्हैगी देवळया
सूरा मैला - मैला व्हैगी राट
मूरा आ रण-मे जूमिया

सूरा सीस पडया औ धड तडपिया
सूरा रगता-रा मान्या खोखाळ
सूरा ओ रण मे जूझिया

सती माता

कठा रा वाजा वाजिया
हरजी - सू हेत लग्या
कठा - रा घुरिया है निसाण
हरजी सू हेत लग्यो

केरपुरा - रा वाजा वाजिया
हरजी - सू हेत लग्यो
राणी मा सती रा घुरिया निसाण
हरजी - सू हेत लग्या

धाभाईजी - न वेग बुलाय
हरजी सू हेत लग्यो
म्हारा वनजी-नै सपाडा कराय
हरजी - सू हेत लग्यो

दरजी क-नै वग बुलाय
हरजी - सू हेत लग्यो
राणी मा सती रा पोसाक सीमाय
हरजी - सू हेत लग्यो

सोनीडा - नै वेग वुलाय
हरजी - सू हेत लग्यो

राणी मा सती-रै गणो पराय
हरजी - सू हेत लग्यो

क्यूकर छोडया मेडी-ओवरा
हरजी - सू हेत लग्यो
राणी ! क्यूकर छोडया रगमैं'ल
हरजी - सू हेत लग्यो

हस-हस छोडया मेडी-गाखडा
हरजी - सू हेत लग्यो
मुळक्त छोडया रगमैं'न
हरजी - सू हेत लग्या

दूध सीळावत दाझिया
हरजी - सू हेत लग्यो
वाया ! क्यूकर डोवोला आग
हरजी - सू हेत लग्यो

ज्यू जळ डायो माछळी
हरजी - सू हेत लग्यो
वाया ! ज्यू ई डोवूला आग
हरजी - सू हेत लग्यो

या गावा रै गोरवै
हरजी - सू हेत लग्या
लवी वधी खजूर
हरजी - सू हेत लग्या

जा चढ सती माता जोवियो
हरजी - सू हेत लग्यो
वाया ! सरग नेडा घर दूर
हरजी - सू हेत लग्यो

राजाअजीतसिंह जी राकुळ वहू
हरजी - सू हेत लग्यो
राजा भीमसिंहजी-रा धीय
हरजी - सू हेत लग्यो

तारघो तारघो पीवर सामरो
हरजी सू हेत लग्या
तारयो है माय मोसाळ
तारघा है माय मासाळ
हरजी - सू हेत लग्या

(६६)

गोरा ! हट जा

आछा गोरा ! हट जा
राज भरतपुर - को रे गोरा ! हट जा

भरतपुर गढ वाको
किला रे वाको रे गोरा ! हट जा

तू मत जाणे रे लडै रे बेटो जाट-को
ओ क्वर लड रे राजा जसरथ - को रे
गोरा ! हट जा

गढ रे ऊभा रे म्हारा वावन भैरू
कागरा ऊभी रे चोसठ जोगणिया रे
गोरा ! हट जा

चकर चलावला म्हारा वावन भैरू
खप्पर भरला म्हारी जोगणिया रे
गोरा ! हट जा
आछा गोरा ! हट जा
राज भरतपुर को रे गोरा ! हट जा

थान रग सौ कूप नरेस ।

कूपा राजा । कोटा-गढा रे किंवाड
ओ थानै रग सौ कूप नरेस ।

दिखणी आया सज दळा प्रथी भरावण पस
कूपा । ता विन कुण कर म्हारी मदत महेस ।
कूपा राजा । कोटा गढा रे किंवाड
ओ थान रग सौ कूप नरेस ।

सुख महला नह सोवणो, भार न झल्ल सेस
ता ऊभा दळपत-तणा । मुरधर जाय महेस ।
कूपा राजा कोटा-गढा रे किंवाड
ओ थान रग सौ कूपा नरेस ।

विदा हुवा व्रजपाळ सू, कीनी अरज महेस
जीव् जब लग जाणजो कदेयन भिळमी देस
कूपा राजा । कोटा गढा र किंवाड
ओ थान रग सौ कूप नरेस ।

जानीवामा मेडत भाओ दिखणी देस
दळ दिखणी रै उपग वणियो चीद महस
कूपा राजा । कोटा-गढा रे किंवाड
ओ थान रग सौ कूप नरेस ।

म्हेस कहै सुण मेडता, साची साख भरेस
कुण भिडसी, कुण भागसी, देखँ जिसी क्हेस
कूपा राजा ! कोटा-गढा रे किंवाड
ओ थानै रग सौ कूप नरेस !

कूपै वाही कोप कर तोपा में तरवार
डीवोई नै मारता गयी सतार वात
कूपा राजा ! कोटा-गढा रे किंवाड
ओ थान रग सौ कूप नरेस !

दूजा ज्यू भागो नही, दाग न लाग्यो देस
वागा - खागा वाकडो महि वाका माहेस
कूपा राजा ! कोटा गढा रे किंवाड
ओ थान रग सौ कूप नरेस !

पग जडिया पाताळिया, अडिया भुज अमरेस
तन झडिया तरवारिया मुडिया नही महेस
कूपा राजा ! कोटा-गढा रे किंवाड
ओ थान रग सौ कूप नरेस !

लूटो म्हागे लदो मनारा, लूटया नौ लख माल
म्हारी धरा म हिल्या डगजी, लूट लूट क खाय
अजक ता ज लूटी मतारा, जब लूटगो हेली
आसामी ठम पड्गी, हागी रुपिया की धेली
सेठा लिख परवाना भेज्या बडै सा'ब नै देणा
डूगसिंघ म्हारै लार पड्या पकड बंद कर लेणा

अगरेजा न ख्रबर पडी जद चढगी फौजा च्यार
रात रात की करी मजल ब पूची सीकर माय
सीकर-रा परतापसिंघ ! म्हान डूग हार पकडाय
म्हारा लाग भाई भतीजा, पकडाया ना जाय
झडवास म जठा डूगजी माल गोठ का खाय

सीकर हू व चाली फोजा, झडवास म जायी
जास पास खडया सिपाही घेरा दियो लगायी
झडवासै-का भर्मसिंघ ! तू झट दे बायर आव
क पकडा द डूग हार, नहि धरा कद व माय
गळो वधा मत करो, कोई, ना गळव का काम
जीजो लाग डूगजी म भ हाथा दू पकडाय

मोरझडी की दारू कढाव, आगण भटी तुडाव
दारू पाय र कर बावलो मेडी माय चढाव
च्यार फिरगी जोट बठया च्यार चढ गया मेडी
डूगसिंघ न मूता पकडया, पगा ठोक दी बेडी
हाथा घाली हथकडी रे ! गळ म ताख-जजीर
आख खुली जद डूग न्हार नो हुयो घणो दिलगीर
ग्रडवड चाब आगळी, वो कटकड चाबे जाड
नण जगै ज्यू दीवला, ज्या की सवा हाथ की नाड

जद यू बोल्या डूगसिंघ, थे सुण ल्यो फिरग्या ! बात
फिट फिट थारी जामणवाळी, फिटफिट थारो बाप

आठ गादडा मिल थ आया, करचो सिंघ-सू घात
सूत सिंघ-न धोखै पकड्यो फिट-फिट थारी जात
मेरी अकेली जान है, रे ! थारै पळटण साथ
अेकर ढीलो छोड द्यो, थानै फेर दिखाऊ हाथ
भरूसिंघ न भली विचारी, भलो निभाया मेळ
आछी करी जुवारी मेरी, भलो दियो नारेळ
दुनिया म त नाव क्ढायो, मूढो हुयग्यो काळो
भाण भनेई कै लागै, तू दगावाज को साळो

डूग हार-नै पकडकर वा पीजस दियो विठाय
आगरै कै लाल किलै-म दीनू छै पूचाय
कपनी - सा' निरखण-नै आयो, राघड वडो हुस्यार
भळ भळ ता मायो कर, नैणा जळै मुसाल
इसडो राघड अेक है, रे ! जे होव दो च्यार
मार-मार फिरग्या न कर दै कळकत्त-कै पार
दा वोतल दारू-की पीव, पका पेटिया च्यार
भन भल या जायो ठकराणी न्हारा हदा न्हार
लाल किलै क मायनै डूग हार रख लेणा
हुकम नहीं छ काळ पाणी, नजर-कद कर देणा

(४)

सीकर हूतो चढ्यो ज्वारसिंघ, गढ वठोठ-म आया
लोटचो जाट, करणियो मीणो दानू सागै नाया
स होळी-नै ढळी जाजमा, होय रही मतवाळ
वोतल ता जग जग कर, कोड, प्याला र र पुकार
'तू पी तू पी' हा रही, काइ कर घणी मनवार

राणी वायर नीसरी जद कान पडी भणकार
ऊभी मसलो मारियो, थारी दारू-में धिरकार
क्यान वाधो सीस पाघडी, क्यान वाधो मूत ?
सागो कावो पड्यो कैद-म, क्यो वाजो रजपूत ?

मत ना, अे राणी ! मसलो मारो, मत ना काढो सेल
जैपर मिली, जोधपर मिलगी, मिलगी वीकानेर
दोय पगा नै जागा कोनी भाई होग्या लर

हाथा का हथियार सूप दो, चूडी लाख-की पैरा
धोती-जाडा उरा सूप दो, पगा घाघरी पैरा
पडदै भीतर लुक-र बठो, नणा कजळो घाल
मेरै कथ-की बेडी काटू म तिरिया की जात

ताजण लाग्या ताजणा स मरदा क खटक्या वाल
रजपूता कै रग चढ्यो स व टुळक्या कायर लोग
पाच पान-को बीडा फेरयो ज्वारसिंघ सरदार
कया चढायो तजरा, कड्या रै चढगी ताप
सारा नटग्या भाई भतीजा, सब नटग्या उमराव
वावडतै वीड नै झेल्यो अेक लोटिय जाट

मकी सेर व गेरू गाळी, करियो भगवा भेस
कर मुजरो वा चल्यो आगर, राम राखसी टेक
आगरै नै चल्यो लोटियो, ज्यू लका हडमान
कै ल्यावलो खवर डूग-की, कै त्यागैलो प्राण

(५)

आगर-कै वघवा आगै धूणी घाली सात
जेवट छेवड वळ बळीता, वीच लोटिया जाट

मार पलाखी मीट लगावै, करै गजब-का फैल
लोग दिखाऊ अन-जळ ताग्यो, अेक भखै वस पून
आयै-गय सू मुख ना बोलै, अैसी धारी मून
छव महिना की लायी समाधी, खूब तप्यो दिन-रात
छठै महीने लागता अगरेजा बूझी बात

कुण देसा-सू आया, बाबाजी ! कुण देसा न जाव ?
पाच पचीस ये लेल्या, बाबा ! धूणी पर हटाव
हुक्म नही छ बड सा'ब का डवल कूच कर जाव

पाच पचीस वै लेसी, बच्चा ! ज्या-क है घर बार
साधू भूखा भाव का, म्हार ना माया सू काम
माग्या खाबा टूकडा म्हे रटा राम-को नाम
आबूजी-सू आया उतर म्हे गगा न्हावण जाबा
थारै किलै म "हार डूगजी, ब-रा दरसण पाबा

खाय कायरी पिरगी बोल्यो, सुणा, सतरया ! बात
अै मोडा तो कपटी कोनी, नाय कपट की घात
आ साधा-को जिवडो भटकै, मेळा दयो करवाय
डूगसिंघ कठीवध चलो, आ नै देवो दिखाय
च्यार सिपाही आग होवो, च्यार सिपाही लार
जोरी-जपती करै मोड तो धरो कद मैं माय

च्यार सिपाही आगै होग्या, च्यार सिपाही लार
लोटधो जाट, करणियो मीणो, करै किलै-की सैल
फिर घिर देखी चारदिवारी, नाय लगायी देर
फाटक मोरी निजरा काढया, लियो किलै-को भेद
जद बघवा-की गयो बुरज म, मन-में भयो खुस्याल
अेवड छेवड सित्तर बघवा, बीच डूग सिरदार
सुरत पिछाणी जाट-की जद नैणा खळक्यो नीर
छाती भरगे, हीवडो उझळयो, छूटयो डूग को धीर

रग रे थारी जात लाटिया ! भला जाटणी जायो !
आ मरवा की घडी वाजगी, भला भेख सू आयो
कवरा माथै हाथ फेरज्या, राणी-न हिवळास
माई-भतीजा-न मुजरा कहज्यो, माजी नै घणा सिलाम
जुवारसिंघ-नै यू समझायो, घर-की करै सभाळ
जीवागा तो फेर मिलागा, ना दरगा-कै माय
जुवारसिंघ-नै छानै-सी थे दीज्यो खवर सुणाय
सात दिना की वोली दीनी काळ पाणी ले जाय

कायर - छाती का डगजी ! तू कायरता मत लाव
सात दिना-क भीतर थानै घर ल ज्याऊ छुडाय
वध काटण को करघो लाटिय डूग न्हार-हू टीक
धींग धावना वधा डूग-नै ली आवण-की सीख

लाल निल हू नीसरता वा
लोटचो भाळै मोरचा काइ कण्या तक सपील
आधी रात पहर-को तडको जाग्या धूणी ठायो
भगवा ले जमना म फॅक्या, तुवा दिया तिरायी
जसी रिप्या में लियो टोडडा, हाल्या रातू रात
गढ बैठाठ-कै आया गारव ऊगतड परभात

(६)

लाटय ता मुजरा करया म वै करण्य राज-जुहार
साम उठकर मुजरो झेल्यो ज्वारसिंघ सिरदार
तू गयो लोटचा ! आगर स काइ कहो सहर - की वात
के कहू, म्हारा रावजी ! कोद म्हा-सू कह्या न जाय
डूग हार-नै देख'र आया लाल किल-क माय
इ जीणै-सू मरणो चाखो, बुरा कद को काम

हाथा म ता पडी हथकडी, बडी पावा माय
गळ मैं ताख-जजीर पडी हे, बद पीजर माय
सात दिना की बोली लिख दी, काळ पाणी ले ज्याय
मिलणा ह्‌व तो मिलो रावजी !, फेर मिलण-का नाय

इतणी बाता उडी कचेड्या, गयी रावळा माय
राणी रोवण लागी स वा रग महल क माय
कवर रावण लाग्या स व भगे कचडी माय
मत रोवा, मत रुदन करो, का॰, मत ना हुवो उदास

रात-रात परवाना भेज्या भाई भतीजा पास
सेखावत बीदावत चढिया, चढिया तवर पवार
अेडतिया मेडतिया चढिया, चढया नरूका साथ
च्यार ऊट गुसाया-का चढिया, दादूपथी साथ

झूठी मूठी जान वणा लो झूठा जान की बीन
चुग-चुग करला कूची माडो, चुग-चुग घुडला जीण
आपा तो जानेती वण ल्या, बीन वणै भापाळ
दोय जणा जागडिया वणक सिधू दयाँ अरसाळ
हाथा पगा-कै वाधा डोरडा, सिर साना-का माड
काना घाला मामा-मुरकी, गळ म घालो गाय
लाल चोभण मामा-मोचा, लाल कनारी जाडो
लाल पाघडी रातो वागो, गतै मह्यि चाडो

हाथा-का हथियार ले लिया, खावा को सामान
जान वणाय र चल्या आगर, हर राखलो मान
रात रात वै चलैं जनेती दिन ऊग्या ठम जाय
आगर-कैं तीन कोस पर डेरा दिया लगाय

रग रे थारी जात लाटिया ! भला जाटणी जायो !
आ मरवा की घडी वाजगी, भलो भेख सू आयो
क्वरा माथै हाथ फेरज्या, राणी-न हिंवळास
माई-भतीजा-नै मुजरा कहज्यो, माजी न घणा सिलाम
जुवारसिंघ-न यू समझाया, घर की करै सभाळ
जोवागा तो फेर मिलागा ना दरगा-कै माय
जुवारसिंघ-नै छानै-सी थे दीज्यो खबर सुणाय
सात दिना की बोली दीनी काळै पाणी लै जाय

कायर छाती-का डगजी ! तू कायरता मन लाव
मात दिना-क भीतर थान घर ले ज्याऊ छुडाय
बध काटण की करधो लोटिय डूग हार हू ठीक
धीर धावना बधा डूग न ली आवण-की सीख

लाल किल हू नीमरता बा
लोटधो भाळै मोरचा काइ करण्या तव सपील
आधी रात पहर को तड़को ओग्या धूणी 'ठायी
भगवा ले जमना म फक्या, तूवा दिया तिरायी
असी रिप्या में लिया टाडडो, हात्या रातू रात
गढ वठोठ-क आया गारव ऊगतड परभात

(६)

लाटधै ता मुजरा करया स वै करण्य राज जुहार
साम उठकर मुजरा झेल्यो ज्वारसिंघ सिरदार
तू गयो लोटया ! आगरै स कोइ, कहो सहर-की वात
वे कहू, म्हारा रावजी ! कोइ, म्हा-सू कहयो न जाय
डूग हार-न देख'र आया लाल किल-क माय
ईं जीण-स मरणो चोखो, बुरो कद को काम

हाथा म ता पडी ह्थक्डी, बडी पावा माय
गळ मै तोख-जजीर पडी है, वद पीजरै माय
सात दिना-की बाली लिख दी, काळ पाणी ले ज्याय
मिलणो ह्वै तो मिलो रावजी !, फेर मिलण-का नाय

इतणी वाता उडी कचेड्या, गयी रावळा माय
राणी रोवण लागी म वा रग महल क माय
कवर रावण लाग्या स व भरी कचेडी माय
मत रोवा मत रुदन करा कोइ मत ना ह्वो उदास

रात रात परवाना भेज्या भाई भतीजा पास
सेखावत बीदावत चढिया, चढिया तवर पवार
अेडतिया मेडतिया चढिया चढया नरूका साथ
च्यार ऊट गुसाया-का चढिया, दादूपथी साथ

झूठी मूठी जान वणा लो, झूठो जान को बीन
चुग चुग करला कूची माटा, चुग चुग घुडला जीण
आपा ता जानती वण ल्या, बीन वण भोपाळ
दोय जणा जागडिया वणकै सिंधू दनौं अरसाळ
हाथा पगा-क वाधो डाग्डा, सिर साना-का मोड
काना घालो मामा मुरकी, गळ म घाला गाय
लाल चोभण मामा मोचा, लाल कनारी जाडो
लाल पाघडी, रातो वागो, रातै महिय घोडो

हाथा का ह्थियार ले लिया, खावा को सामान
जान वणाय'र चल्या आगर, हर राखैलो मान
रात-रात व चलै जनेती, दिन ऊग्या ठम जाय
आगर-कै तीन कोस पर डेरा दिया लगाय

जमनाजी क वाव डावै रेवड चरतो जाय
निजर पडी करण्य मीण की, जद यू बोल्यो जाय
हुकम करो तो सिरदारा ! म मीडा ल्याऊ उठाय

हुकम चल छ अगरेजा को जोरी जपती नाय
यो अगरेजी राज हे स थे जा ल्यावोला 'ठाय
बध्या बध्या घोडा मर ज्यागा बध्या उध्या उमराव
गूजरकै नै राजी कर थे ल्यावा दोय र च्यार

म्योसिंघजी गूजर का बेटा ! कह मीड को माल
कितणा रिपिया दया मीड का, बेगो मुख-सू बाल
ष मीड का माजनो, स कोइ, कै मीड की जात ?
थे परदेसी पावणा, स कोइ, फिरो न दूजी वार
म्हारा माटो भाग छ स ये मीडो माग्यो आय
मीडा थे ले ज्यावो ठाकरा ! मिजमानी-क माय

थे छा गूजर पालती, रे ! म्हे वाजा उमराव
सतमेंत मे मीडो खाया लाज म्हारो नाव
गूजर माग्या पाच रिपऱ्या वी पकडाया सात
गूजरक न राजी करक मीडो लाया टाळ

दे झटका अर तोड खाजम मुडदो लिया वणाय
च्यार लाकडी ताडकै, स काइ, अरथी लयी वणाय
चाकर चरवादार न स कोइ, भद्दर दिया कराय
गाजा वाजा वद करया, कोइ, लियो सोग-का नाव
च्यार जणा क काध चढियो मीडासिंघ सिरदार
आग - जाग मुडदो चालै, लैरा जान - वरात
सव मू आग वाल्यो नाई वार घालतो जाय

कपनी - सा'-कै वाग में वा अरथी दयी उतार
अन्नण चन्नण चिता चिणायी, नारेळा में दाग
आरवार फिर जाट लोटिय लापो दियो लगाय
धूवै को जद डूड ऊपडचो, काप्यो कपनी साय
वाडै घोड चढक आयो, गुरजण कुत्ती लार
बुरी करी, रे जानैत्या ! थे मुडदो दियो जळाय
मुडदो-मुडदो मत करो स यो सगळा-का सिरदार
अबक मुडदो व दियो स तो वाजैगी तरवार
ऊचै कुळ-को राजवो, कोइ, वावन गढा-का राव
सागी वीन-को मामो मरग्यो मीडासिंघ सरदार
जोरजी वीदावत बोल्यो, हुयी और मू और
लाखा को पट्टायत मरग्यो, नही राम सू जोर
खाय कायरी फिरगी वोल्यो, नही मरन-की बूटी
तीन घडी-को तेयो कर दयो, बारा घडी-की वाटी
तेरा घडी को तेरो करकै मेलो घोडा काठी
तीन दिना-को करा तीसरो, बारा दिन-की वाटी
तेरा दिन को तेरो करकै मेला घोडा काठी
फिरगी ता पाछो फिरबो, स कोइ, करी न ज्यादा वात
नाय भरोसा, के करै, स कोइ, या राघड की जात

(८)

वाज्या ढोल, तासळा खुडक्या, पढ्यो ताजिया घाव
फिरगी चढग्यो ताजिया स मरदा-का लाग्या डाव
लोटय जाट करणियै मोण माताजी न ध्यायी
दोय घडी-कै मायनै वा नीसरणी रे लगायी
छटवा-छटवा कूद पडचा व लाल क्लि-कै माय
लरा लैरा वग करणियो, आगै लाटयो जाय
बोलै छ तो बोल डूगजी ! देवा बेडी काट

बायी बुरज म बोठ्या डूगजी जाण धड़क्यो हार
म्हारी बेडी काट्या, लोटिया ! था निसरैगो नाव
म्हारी बध-मे सित्तर बघवा बा-की पली काट
ब-की राव बैन भाणजी, कै की रोव माय
बध म बैठ्यो कहै डूगजी सुण रे लाटया जाट !
पैला तो बघवा-की काटी पाछ म्हारी काट
थै जाणैगा सित्तर बघवा, क जाणगा लाग
डूग हार यो यू भागा ज्यू नीवळ भागो चार
बुरज ताडकर बायर थाढा बधवा अेक साथ
दो दिन म मर ज्यावा लाटिया ! दुनी करगी बात

जे फिरगी नै मरा पड ज्या, पाछो बो फिर ज्याय
लोप मुहाणी म्हान चाढै, रता बद क माय

इतणी सुणकै डूगजी म बो बोल्या कडवा बैण
ई मूड को घणी लोटिया ! म्हान आयो लण ?
मरण-मू जे डरै, लाटिया ! तोपा-का भै खाय
लैगो तेरो करे म्यान-म पूठा घर-न जाय

इतणी बात सुणी जद लोटय तन मन लागी लाय
छिणी-हथाडा लेय लाटियो पड्यो कडकडी खाय
छिणिया सो रिणमिण चल सपक हथाडा साथ
अेक घडा म काढ्या लोटिय बधवा पूरा साठ
सित्तर बघवा काढिया जद गया डूग-वै पास
अब वे का छौ ? रावजी ! थारी पूरण होगी आस ?

लोटय ताड्यो पीजरो रे ! करण्य काटी बेडी
हाथ पकड बायर कर्यो, काइ बो बधवा को हेडी

घोडी म्हारी उरी सौंप दयो, खाडो दयो पकडाय
ढूढ-ढूढ मैं फिरगी मारु, लेवू वदळा काढ

वधव आगैं वधवो चाल्या सगळा साग ऊठ
चोड्स बधवा साथै उळटया, नीसरणी गयी टूट
नीसरणी तो दगो दियो, अव दरवाज-नै चालो
भली करी, रे वधवा ! थे तो काम कर दियो कालो
कोई लें लो छुरी-कटारी, कोई-वरछी भाला
अेक सागै पटो उळटवें, गवो खव-सू जोडो
रामा-दळ ज्यू लवा ताडो, य दरवाजो तोडा

दरवाजै-कै मूट आगै अडी खाट-सू खाट
दरवाजै-की मारी आगैं खूब चल तरवार
तरवारया-का उडैं टूकडा, लड लाटिया जाट
सेखावत वीदावत जूमैं लडैं नरूका साथ
अेडतिया मेडतिया झगड झगडै तवर-पवार
लड गुसाईं दादू पथी, भली चलाव वार
वाल्यो नाईं भाटा मारै चाकर चरवादार
भना मला-का टूक उडावै, लडैं डूगजी हार
लाटचो जाट करणियो मीणा वध-वध वाव तरवार
चोडस तो पूरविया काटया, मोळा चोकीदार
सित्तर तो कावलिया काटया, ठारा मुगल पठाण
ताड आगरो बायर निकस्या, बाल्या जै-जैकार
राम दवाई फिरो किल-म, रोकणिया काइ नाय

(६)

आगरैं-नैं पूठ देय वै चालया रातू रात
वधवा-का ता पाव सूजग्या, चालयो कोनी जाय

आगरै क   लाल किल म वात करी वा मोटी
असी कोस कै चढय डूगजी करी भुवाणै गोटी
फौजा तो वाटी करी स घोडा-नै दीनी दाळ
झाझा पडिया पातिया, सकोइ लम्या खुसी-का थाळ
लाटचो जाट करणियो मीणो वधवा-न समझाय
म्हारा फिरगो लारा करसी आप आप-नै जाय

सीकर मायकर नीसरचा वा मारी रामगढ फेट
च्यार ता चपरासी पकडचा सोळा पकडया सेठ
हाथ जाड सेठाण्या बोली राखा म्हा पर हत
थे छो वेटा उदमिघ-का, म्हे छा ज्या-का सठ
घोडा न तो घास घतावो, थान ब्रो - भात
गादी गिडवा दवा बमणा, घणी करा मनवार
सेठाण्या की अरज सुणी जद सीली पडगी रीस
सेठा न ता मकत कर दिया, गु हा करचा वगसीस
कई दिना-का निछडचा म्हे तो जावा वठोठ क माय
राणी ऊभी काग उडाव परजा जोव वाट

वठाठ पूच्या डूगजी बै दळ वाम्ळ ले साथ
राणी महला ऊतरी स वा भर मोत्या-का थाळ
आधा पधारो, सायवा ! थान मोत्या लव् वधाय
म्हान मता वधावो राणी ! वधावो लाटचा जाट
म्हे आप नहि आया, म्हान ल्यायो लोटिया जाट
डूग हार जाधाण वठो, ज्वारा   वीकानर
काक भतीजा मन में रगी लूटण की   अजमेर

९

कथा-गीत

जसमा ओडणी
ढोला-मरवण
सजना
वाछनो

(१०२)

जसमा ओडणी

ओडा-रो ऊचाळो आया
आयो आया महाराजा र देस म्हारा लाल !
हे जसमादे राणी ओडणी रे लाल !

ओड ता घुणै ओडण ऊखणै
खागी वाघै पाळ म्हारा लाल !
गैला रे आडा ! थे तो वाघ न जाणी
महाराजा बधाव पाळ म्हारा लाल !

हे जसमादे राणी ! महाराजा बुलाव
हे जसमादे राणी ओडणी !
म्हारा मोहल निरखण आय
मोहल महाराजा ! थारी राणिया न साव
म्हान म्हारी झूपडी-रो चाव, म्हारा लाल !

महाराजा बुलाव हे जसमादे राणी !
म्हारा कवर निरखण आय
कवर महाराजा ! थानै आप-नै सोव
म्हानै म्हारै ओडा रो चाव म्हारा लाल !

हे जसमादे राणी ! महाराजा बुलाव
म्हारा घुडला निरखण आय

(१०३)

ढोलो मरवण

कुरजा ! तू म्हारी वनडी अे !
साभळ म्हागे वात
ढाला तणा अे ओळभा
लिखू किण रैं हाथ ?
कुरजा ! धीमा चाला राज !

कुरजा वह — सुण सुदरी अे
साभळ म्हारी वात
ढाला तणा अे ओळभा मरवण !
लिख म्हारी टावी पाख
कुरजा ! धीमा चाला राज !

मरवण वैंठी महल मे रे
कुरजा पसारी पाख
ढोला तणा अे ओळभा मरवण
लिखिया डावी पाख
कुरजा ! धीमा चालो राज !

ढोलाजी वटा महल में रे
कुरजा पसारी पाख
मरवण तणा अे ओळभा, कोई
वाचिया डावी पाख
कुरजा ! धीमा चाला राज !

वाडो ता भरियो करहला र
जिण माय आछा सोय
साया तो मायला दस भला, कोई,
दसा मायलो अेक
करहला ! धीमा चालो राज !

ढोलाजी क्व — सुण करहला रे !
साभळ म्हारी वात
साझ पड दिन आयम, काई,
मरवण मेळ नी आज
करहला ! धीमा चालो राज !

ढोलाजी करहलो थामियो
जवयो रे तुड-र माय

पूगा छिन र माय
करहला ! धीमा चालो राज !

पाणी री पणिहारिया अे
सुणज्यो म्हारी वात
ढाला क्व — सुदरी ! म्हारी
मरवण मोय ओळखाय
करहला ! धीमा चालो राज !

हस हस क्व — सुदरी
गुण ढोलाजी ! वात
थारै कारण सुदरी कोई,
तज दीयो सिणगार
करहला ! धीमा चालो राज !

औरा - रै काजळ - टीकिया
मरवण रूखा नैण
मौरा र ओढण चूनडी, थारी
मरवण मलै देस
करहला! धीमा चालो राज!

सजना

(१)

बैंठ्या बाबोजी तखत बिछाय
कागदिया तो आया जी बाबाजी-रै हाडै राव रा
कागद बाबाजी ! म्हान बाच सुणाय
काई रे लिख्यो छै बाबाजी ! कोर कागदा ?
कागद बाईजी ! बाच्या अे ना जाय
छाती तो फाटै अे बाई सजना ! हिवडो उझल
अवड - छेवड लिखो छै सात सलाम
बीच मे तो लिखिया बाई सजना ! वेग पधारणा
थे म्हारा बाबाजी ! बेदिल मत होय
बारा ता बरसा लग करस्या चाकरी

धरियो सजना मरदानो भेस
करहा ललकारया अे बाई सजना ढळती रात रा

(२)

बूझ्या सजना गाया रा गवाळ
सीव बतावो रे भाईडा ! हाडराव री
या ही छै आठो ! राजाजी री सीव
तालर थाडा आ आठो ! सरवर माकळा

वूझ्यो सजना माळीडा-रो पूत
वाग वतावो रे माळी-का ! राजाजी-रो कूण-सो
यो ही छँ ओठीडा ! हाडँजी - रो वाग
आमू तो पावया ओ ओठी ! नीबू रस-भरया

सजना बूझी पाणी-री पणिहार
हौद वतावो अे पणिहारवा ! हाडँ राव रो
यो ही छँ ओठी ! समद-तळाव
डेरा तो ढाळया अे वाई सजना ममद-तळाव पँ

वूझयो सजना चेजारँ-रा पूत
महल वतावो रे भाईडा ! हाडँ राव-रो
यो ही छँ ओठी ! राजाजी रा महल
मेळ क्षवरख रे ओठी ! राजाजी-रँ वारणँ

(३)

भाभी ! म्हान अचरज होय
नैण नारी - रा अे बोली बोल मरद री
अेक वर देवर ! वागा ले चाल
वेरो तो पाडा ओ देवरिया ! नारी-मरद रो
नारी होय तो पड्या - रिड्या फल खाय
मरद हुवै तो तोड फूल गुलाव रो
राजा जैमल पड्या रिड्या फल खाय
गायडमल-री सजना आ तोडँ फूल गुलाव-रो

भाभी ! म्हार मन में आव रीस
नैंण नारी-रा अे बोली बोलँ मरद री
अेक वर देवर ! राय रमोया ले चाल
वेरो तो पाडा ओ देवरिया ! नारी-मरद-रो

नारी होय तो धीरैं-धीरै खाय
मरद मूछाळो तो झट-दे जीम चळू करैं
राजा जमल धीरैं - धीरैं खाय
गायडमल-री सजना ओ झट-दैं जीम चळू करैं

भाभी ! म्हान अचरज होय
नैण नारी - रा अे आ बोली बोलै मरद री
अेक वर देवर ! ले चालो समद-तळाव
वेरो तो पाडा ओ देवरिया ! नारी मरद-रो
नारी हाय तो ईरा-तीरा न्हाय
मरद *मूछाळा ओ न्हाव समद झकोळ-क*
राव जैमल ईरा-नीरा न्हाय
गायडमल री सजना न्हाव समद झकाळ कै

भाभी ! म्हारैं मन - म आवै रीस
नैण नारी - रा अे बाली बोल मरद-री
अेक वर देवर ! सेजा मे ले चाल
वेरो तो पाडा ओ देवरिया ! नारी-मरद रो
नारी होय तो फूल जाव मुरझाय
मरद मूछाळा री सेजा ओ देवरिया ! सळ ना पड

(४)

ओळगी सजना समद-तळाव
घुडलो दिखायो बाई सजना वाव हाथ रो
होगी सजना घुडल असवार
दिन ता उगायो अे वाई सजना वावाजी-र देस मे
उठो वावाजी ! ढकियो फळसो खोल
वारा वरसा-री ओ वाई सजना वर आयी चाकरी

(१०५)

काछबो राणो

(१)

चादा थारी निरमळ रात
नणद भोजाया पाणी माचरी जी म्हारा राज
चुकल्यो मेल्यो जळ जमना-र तीर
ईंढोणी मेली जी चपा-डाळ में जी म्हारा राज
फिर-फिर सुदर निरख्यो है वाग
दातण रे जी तोडयो काची केळ रो जी म्हारा राज
घस-घस धोया है पाव
रगड-रगड धोयी अेडिया जी म्हारा राज

देखो भावज ! किस्यो जिनावर जाय
जिण-रै मोरा पै मडिया माडणा जी म्हारा राज
ओ छै बाई-सा ! थारोडो भरतार
कादै-नै चीयणियो राणो काछवो
जवरो जिनावर राणो काछवो जी म्हारा राज
समदरा रा सूख्या नीर
काछवियो कूद कूव पडै जी म्हारा राज
काछवियै री जात कुजात
काछवियो जूवा ज्यू हुलरावै जी म्हारा राज
काछविय-रो मोटो पेट
माटी-नै भखै राणो काछबो जी म्हारा राज

परणीजो वाई सा ! म्हारो वड वीर
मौ सौ कोसा वहीज राव जी म्हारा राज
काछवियो नणद नवाई ! जळ रा जीव
ये वण जाज्यो जळ री माछळी जी म्हारा राज

(२)

बाबा म्हारा ! मोय परणावो नाय
परणीजू नहीं राणा काछवो जी म्हारा राज
आया विडला पाछा फेर माता म्हारी !
परत न परणू राणो काछवो जी म्हारा राज

कुण रे अे बेटा ! तनै दीनी सीख
कुण रे अे चुडलाळी मोसो बोलियो जी म्हारा राज
भावज म्हान दीवी छ सीख
उण म्हान चुडलाळी मोसो बोलियो जी म्हारा राज

(३)

अ तो घुरचा छ निसाण सइया म्हारी !
परण पधारचा रे राणो काछवो जी म्हारा राज
आयी आयी काछविय री जान
केसर नै कसतूरी री वाळद ऊलटी जी म्हारा राज
ऊंचो चढ न जोय दासी म्हारी !
कसर-कसतूरी रा ट[illegible]ा कुण खोलिया जी म्हारा राज
आयो हो वाईसा ! काछविय-री जान
केसर ता रळायी जाझी नीर म जी म्हारा राज
हालो री सइया ! जोवण जाय
अलवेला आयो गुणीजैं रे देस-में जी म्हारा राज

ढाढीडा ! तू छै धरम-रा वीर
मोही-नै ओळखाय झिनती जोड-गे जी म्हारा राज
वीजोडा घोड असवार
हसत्या-रै होदे राणो काछ्वो जी म्हारा राज
औरा - र मुरकी कान
ऊजळा तो मोती राणो काछवो जी म्हारा राज
औरा-रै वाधण पाघ
काछवियै रै वाको सेवगे जी म्हारा राज

(४)

मरजो अे भावज ! थारो वड वीर
जोडी-रो वर टाळयो गणो काछवो जी म्हारा राज
आघी ओ अे सइया ! म्हानै जावण दो
क्वारी किन्या काठा म्हे चढा जी म्हारा राज

काछविया रे ! तू पाछो घिर आव
थारै लारै क्वारी कि‍या काठ चढ जी म्हारा राज
सुदर ! म्हारो अे नाव हमीर
भूवाजी हुलरायो राणो काछवो जी म्हारा राज

(५)

सुण रे काछविया ! म्हारोडी वात
क्वारी किया काठा का चढै जी म्हारा राज
अगनी-नै मपाडो का करै जी म्हारा राज

बळ है तो बळण दो साथीडा म्हारा !
वळती-झळती-में पूळो झोक्सा जी म्हारा राज

साथीडा म्हारया लीलोडा नारेळ
काछवजी म्हाखी जो हाथ रो मूदडी जी म्हारा राज
साथीडा म्हाख्या हाथा रा रूमाल
काछवजी म्हाख्यो सिर-रो सेवरोजी म्हारा राज

(६)

काळो तो बेटा ! किस विध पडयो
लागो मा ! म्हान क्वारी किया रो सराप जी म्हारा राज

बन्नी लायो बेटा ! क्योनी ब्याय
अेक तो पुरख-रै दो-दा गोरडी जी म्हारा राज
आपा रै बेटा ! इसडी जो रीत
अेकै तो क्वरी बेटा दा परणै जी म्हारा राज

१०

सिद्ध पुरसा-रा गीत

जीण माता रो गीत
पाबूजी - रो पवाड़ो
तेजाजी - रो गीत

(१०६)

जीण माता

[जीण माता का मंदिर राजस्थान का सुप्रसिद्ध तीर्थ है। यह मंदिर शेखावाटी के पहाड़ों मे है। इससे कुछ दूर पर हरस का पहाड़ है जहां हरसनाथ भैरव का थान है। जीण का गीत राजस्थानी साहित्य की अेक अपूर्व निधि है। गीत बहुत बड़ा है। उसका केवल प्रारम्भिक अंश यहां दिया जाता है।]

(१)

हरसा वीर म्हारा रे दर ता घाघू-में रे जलम्या दो जणा
हरस बडा अर छाटी जीण
जामण-रा रे जाया अ गणी माता-कै रे जलम्या दो जणा
हरसा वीरा म्हारा रे मा बाबा खोस्या म्हारा गम
जामण-रा रे जाया जलमी-रो जायो रे भावज खोसियो
हरसा वीर म्हारा रे म्हारो कोई कुळ म साथी नाय
जामण रा रे जाया अबर ता पटवी रे धरती साभळी
हरसा भाई म्हारा रे जे म्हारी होती जुग म माय
जामण रा रे जाया अकन क्वारी नै नाय रे बिडारती
हरसा भाई म्हारा रे कुण पूछै नैणा हदो नीर
म्हारी मा-रा रे जाया कुण रे सिळावै जळतो हीवडो
हरसा भाई म्हारा रे कुण फेर सिर पर म्हारै हाथ
जामण रा रे जाया कुण बुचकार रे मीठा बोलडा
हरसा भाई म्हारा रे कुण बूझै मा बिन मन री बात
ओदर-रा रे साथी कुण रे सवारै विखरचा केसडा
हरसा वीर म्हारा रे ज दिन मरगी म्हारी माय
जामण-रा रे जाया सीर पीवर-रो वै दिन उठ गया
हरसा भाई म्हारा रे भर भर आव दोनू नण
म्हारी मा रा रे जाया छिन छिन आवै रे माय-रा भालणा

हरसा वीर म्हाग रे   मन रो वाध्योडो धीरज ना वध
उझळै छै समदरिय री पाळ
म्हारी मा-रा रे जाया   गैरी तो गरी रे झाळा उठ रही
हरसा वीर म्हारा रे   जे म्हारो जीतो हुतो वाप
जामण रा र जाया   अक्न-क्वारी नै कदेय न काढतो
हरसा वीर म्हारा रे   करतो बो अवडा सवडा लाड
जलमी-रा रे जाया   सार ज करतो छिन-छिन धीय-री
हरसा वीर म्हारा रे   राव गढा रै करतो व्याव
जामण रा रे जाया   दुलडी तो तिलडी देतो दातडी
हरसा वीर म्हारा रे   करला खचातो सौ'र पचास
म्हारी मा-रा रे जाया   हसती तो घुडला रे दतो घूमता
हरसा वीर म्हारा रे   मा वावल आवै म्हा न याद
जामण रा रे जाया   नैणा चौमासो झिरमिर लग रयो

हरसा भाई म्हारा रे   तै भल राख्यो म्हारा मान
जलमी-रा रे जाया   आछी ओढायी रे बौ-रग चूनडी
हरसा वीर म्हारा रे   रिपिया-सू लागै प्यारो व्याज
जामण रा रे जाया   वावल सू प्यारो लाग टीकरो
हरसा वीर म्हारा रे   मायड सू प्यारी लाग मास
जलमी रा रे जाया   भनड-सू आछी रे घर-री इसतरी
हरसा वीर म्हारा रे   मै धार पाती मागती
क लेती आधो राज वटाय
जामण रा रे जाया   किस विध विडारी रे छोटी भाण-न
हरसा वीर म्हारा रे   क तो मै लेती घरम री चनडी
क तो म लेती आगी रे वाय
जामण रा रे जाया   देतो तो लेती पगा री मोचडी
हरसा वीर म्हारा रे   भावजडी दूज्या रे कूळै नी सिवक्ली
म्हारी मा-रा रे जाया   *अकन-क्वारी न बोल्या रे बोलणा*

जीण म्हारी वाई अे	मुड मुड तू पाछी घर-न ट्टाल
जामण री अे जायी	ऊभो तो ह्रसो करै अे मनावणा
काकडियै ढळता ह्रसो	नावडयो आडै फिर दीनी अडवार
जामण-री अे जायी	ह्रारा तो वाढ ह्रसा वापडो
ह्रसा वीर म्हारा रे	म्हार लारघा तू मत ना आव म्हारै आग मत दे अडवार
म्हारी मा रा रे जाया	थारी मनायी जीवण ना मनै
ह्रसा वीर म्हारा रे	मनै मनासी रे वामण वाणिया और मनासी नाह्री जात
जामण-रा रे जाया	बेटो मनासी रे हाडै राव-री
ह्रसा वीर म्हारा रे	मन तो मनासी रे राजा मान
जामण-रा रे जाया	और मनासी दिली रो पातस्या
जीण म्हारी वाई अे	उजळा रधा दयू अे तनै चावळा ह्रिय मूगा - री अे वाई दाळ
जामण-री अे जायी	घिरत घला दयू भूरी झोट-रा
जीण म्हारी वाई अे	फलका पोवा दयू अे तनै मोवणा तीवण तळवा दयू तीस वतीस
जामण-री अे जायी	खीर रधा दयू अे गाढ दूध री
ह्रसा भाई म्हारा रे	भावज जीमली रे उजळा चावळ्या भावज जीमली थारी दाळ
म्हारी मा-रा रे जाया	घिरत घलायै भूरी झोट रो
ह्रसा वीर म्हारा रे	भावज जीमली फलका मोवणा तीवण जीमली तीस वतीस
म्हारी मा-रा रे जाया	खीर जीमैली वाखड दूध-री
जीण म्हारी वाई अे	चौकी ढळवा दयू अे रतन जडाव री ऊपर लगवा दयू सुवरण थाळ
म्हारी मा री अे जायी	झारी भरवा दयू अे पालर नीर-री

जीण म्हारी वाई अे	ऊचो सो घालू तनै बसणो
	बैनड - भाई जीमा साथ
म्हारी मा-री अे जायी	विच विच वदळा अे वाला गासिया
हरसा वीर म्हारा रे	जे ओजू जलमा अेक माय-रै
	जद रे जीमाला दानू साथ
म्हारी मा-ग रे जाया	जद रे वदळाला विच विच गासिया
जीण म्हारी वाई अे	असी अे कळया रो सिमादयू घाघरो
	और मगवा दयू दिखणी चीर
म्हारी मा री अे जायी	मात्या जडवा दयू थारी माचडी
जीण म्हारी वाई अे	रतना जडा दयू अ थारी राखडी
	हीरा जडा दयू थारो हार
म्हारी मा री अ जायी	विछिया घडा दयू अ बाई ! तन वाजणा
हरसा वीर म्हारा रे	भावज पहरैली थारा घाघरो
	भावज आढली दिखणी चीर
म्हारी मा रा रे जाया	भावज पहरली रे थाली माचडी
हरसा वीर म्हारा रे	भावज र सोव जडवा राखडी
	भावज र आप नौसर हार
म्हारा जामण जाया	भावज र राच रे विछिया वाजणा
जीण म्हारी वाई अे	इतणी करडाइ मत धार
जामण री अे जायी	मान कयोटा पाछी घर चल
हरसा भाई म्हारा रे	आका - रै लाग रै मतीर
जामण रा रे जाया	फोगा र लाग रे चाय काकडी
हरसा वीर म्हारा रे	खेजडिया र लाग चायै बार
जामण रा रे जाया	झाडया र लाग चाय रे सागरी
हरसा वीर म्हारा रे	पीपळ - रै लागै चायै आव
जामण रा रे जाया	आवा रै लागै चाय पीपळो

हरसा भाई म्हारा रे फिर ज्या कुदरत-रा साचल नम
म्हारी मा-रा रे जाया जीण आयोड़ी रे पाछी ना फिरै
हरसा भाई म्हारा रे सिखर आयाडा रे सूरज मुड चलै
सम वी गयाडा मुड आय
म्हारी मा-रा रे जाया जम पुर ग्योडा रे भवरा मुड चल
वादळ री रे बूना पाछी मुड चलै
हरसा वीर म्हारा रे समदर-सू नदिया पाछी आय
जामण-रा रे जाया जीण आयोडी रे पाछी ना मुड

जीण म्हारी वाई अे कद तन काढी भावज गाळ
म्हारी जामण जायी कद तन भावज दीना ओळमा

हरसा वीर म्हारा रे नित-री उठ काढ भावज गाळ
जामण रा रे जाया नित-री तो वाल रे अवडा बोलणा
हरसा वीर म्हारा रे नणद भोजाइ सरवर म्हे गयी
सात सहेली म्हार साथ
म्हारी मा-रा रे जाया सरवर पर बोल्या रे भावज बोलणा
हरसा वीर म्हारा रे अवडी तो सवडी रे दीनी गाळ
म्हारी मा-रा रे जाया अक्न-क्वारी न दीना रे बोलणा
हरसा वीर म्हारा रे तन मन मे लागी रे म्हार लाय
जामण-रा रे जाया मणा मे हिवड-री नदिया नीसरी
हरसा वीर म्हारा रे मरू अे तो लाग कुळ रै दाग
जामण-रा रे जाया जीवू तो जाळै रे भावज जीवती
हरसा वीर म्हारा रे सोगन म खायी रे सरवर पाळ प
आटा तो लीना रे सूरज-देव
जामण रा रे जाया भावज-रो चाढ्यो रे कळक उतारस्यू
हरसा वीर म्हारा रे जाय तो वसू म परवत-डूगरा
हर-मू लगास्यू रे वीरा [1] लाय
जामण रा रे जाया जीता-जी रस्यू जग मे ऊजळी

जीण म्हारी वाई अे नाव चिणा दयू अे थारा ओवरा
नाव खिणा दयू अे सरवर ताल
म्हारी जामण जायी कहै तो खिणा दय अे मावन वावडी
हरसा भाई म्हारा र क्या न खिणा दै मरवर-ताल
जामण रा र जाया धायी हू थारी रे मावन वावडी
हरसा वीर म्हारा रे अेक ओदर म रे दोनू लोटिया
अकै मायड रा चूष्यो दूध
म्हारा जामण जाया अेक पालणियै रे दोन झूलिया
हरसा वीर म्हारा रे अक आगण में रान रे खेलिया
अेक वाटकिय पियो र दूध
म्हारी मा-रा रे जाया अेक थाळकिय रे सागै जीमिया
हरसा भाई म्हारा रे वनट - भाई - रा गाढो नेह
जामण रा रे जाया पर घर-री जायी र ताडिया

(३)

जीण म्हारी वाई अ इतणी निसामी अे बैनड ! मत हुव
हरसा तो चाल था - रै माय
जामण री अे जायी चाल वसला अे वाई ! डूगरा
हरसा वीर म्हारा रे कुण तो करलो थारा राज
जामण रा रे जाया कुण तो रुखाळ परजा वापडी
जीण म्हारी वाई अे राम तो भराम म्हारा राज
जामण री अे जायी राम तो रखाळ अे परजा वापडी
हरसा वीर म्हारा रे मुड मुड तू पाछो घर न जाय
जामण रा र जाया भावज तो विनख र कुळ मे अेकली
जीण म्हारी वाई अे भावज थारी जासी अ अपण वाप-कै
वा रसी भावजड्या - र माय
म्हारी जामण-जायी माया रै महार अे उमर काढसो

हरसा वीर म्हारा रे किस विध चालै रे कुळ-रो नाव
जामण रा रे जाया वम वध ना रे अपणै बाप रो

जीण म्हारी बाई अे अमर हुवैला थो कुळ-रो नाव
जामण-री अे जायी कीरत तो वधली अे माय' र बाप-री

हरसा वीर म्हारा रे दुनिया काढैली मनै गाळ
जामण-रा र जाया जुग में बाजूली रे कुळ-विणासणी

जीण म्हारी बाई अे कुटम-कबीलो देलो धोक
जामण री अे जायी दुनिया तो आसी अे थारै जातरी
जीण म्हारी बाई अे जुग - में बाजाला अे साचा देव
म्हारी मा री अे जायी सीस झुकाव अे राजा-पातस्या

हरसा वीर म्हारा रे भोत दुहेलो रे घर रो छाडिबो
घणृ रे दुहेलो तजिबा मोह
म्हारी मा रा रे जाया सावज उडीक पाछो त फिरै
जीण म्हारी बाई अे भात सुहेलो अे घर-रो छाडिवो
घणू अे सुहेलो तजिबो मोह
म्हारी मा-री अे जायी हरसै रा वायक ना फिरै
जीण म्हारी बाई अे चालूलो थार खोजा र लार
जामण री अे जायी धणो तो तापू अे वन खड डूगरा

हरसा वीर म्हारा रे भोत दुहेलो रे जुग में जाग
जामण रा रे जाया वैनड रे वचना रे पाछो तू फिर

जीण म्हारी बाई अे पला तू मेल पाछो पाव
जामण री अे जायी पछ तो हरसो अे भरसी पावडा

हरसा वीर म्हारा रे सेला-रा भर ज्याय गरा घाव
जामण-रा रे जाया बाली-रो घाव ज जुग मे ना भर
हरसा वीर म्हारा रे फाटा दूधा-र रे जावण ना लगै

फाट्योडा मन मिलवा रा नाय
जामण-रा रे जाया उझळयोडा समदर रे वीरा ! ना डट

(४)

जीण म्हारी बाई जे मरती तो घिरती जामण यू कह्यो—
अटक्यो छ गाडर माही जीव
ओदर-रा रे लोटचा जीवण री रे चित्या कुण कर ?
हरसा म्हारा वाला रे कुण तो गूथला वाई-रे सीस ?
ओदर-रा रे लोटचा कुण तो माडलो हाथा राचणी ?
हरसा बेटा म्हारा रे किण नै कहैली वाई माय ?
ओदर-रा रे लाटचा किण सू रूसैली रे जीवण रूसणा ?
हरसा वाला म्हारा रे कुण तो करैला बाई-रो लाड ?
ओदर-रा रे लोटचा कुण तो करैला रे जीण-रा मनावणा ?
हरसा लाल म्हारा रे आवला वार - त्यौहार
ओदर-रा रे लोटचा खणा में बड बड रे रोव जीवणी
हरसा वाला म्हारा रे आवली सावणिया-री तीज
ओदर-रा रे जाया जुग में सिनारा रे वाई-रा कुण कर ?

मत ना मेरी माता अे मतना कर जीवण मेरा साच
म्हारी रातादेई कुळ म वाई-री अे चित्या हू करू
मतना म्हारी माता अे मतना कर जीवण वाई रा साच
म्हारी रातादेई म्मी वाई रा करू अे मनावणा
मतना म्हारी माता अे मतना कर वाई मेरा सोच
म्हारी रातादेई तीज सिनारा अे वाई-रा हू करू

हरसा समरथ मोभी रे वाई-री सभळावण दीनी सूप
म्हारा समरथ माभी वाई-र सिर पर छाया रे राखिया
हरसा म्हारा मोभी र जे तू राखला पट पाप
ओदर रा रे लाटचा दरगा-में दावणगिरिया हू बणू

जीण म्हारी बाई अे   हिवडै मड रया माय-रा कौल
जामण री अे जायी   सपनै नहि भूलू जे वा सभळावणी

जीण म्हारी बाई अे   मरता तो घिरता वावल यूं क ह्यो–
अेक घणेरो रे मन-मे मोच

म्हारा मोभी रे बेटा   लारा ता छाजी रे भाळी चिटकली
हरमा मोभी म्हारा र   हेलो ह देय जिमावतो माय
म्हारा समरथ बेटा   माय सवारी र लेता वारणा
हरमा मोभी म्हारा रे   ह्ववली साथ मवरो रे रोज
म्हारा समरथ जाया   भाजन-री रे विरिया ऊभी रोवसी
हरसा म्हारा वाला रे   आवली पर घर केरी ढीय
म्हारा समरथ बेटा   भाळी-ढाळी-नै रे फाटा घालसी

मतना म्हारा वावन ओ   मतना कर बाई हदो मोच
म्हारा जळवळजामी   हाथा हथेल्या म रे राखू चिडकली
मतना म्हारा वावळ ओ   मतना कर जीवण केरा मोच
म्हारा जळवळजामी   खावो अर खेलो बाईजी आगणै
मतना म्हारा वावल ओ   मतना कर जीवण वाइ रो मोच
म्हारा जळवळजामी   परघर-री आयी न हू राखू पीर-मे

(४)

जीण म्हारी बाई अे   मरत वावल मू करिया कौल
जामण-री अे जायी   किस विध वावल ग अे वाचा वीसरू ?
जीण म्हारी बाई जे   जाऊलो अेक दिन दरगा माय
म्हारी मा री अे जायी   मा वावल वूझै अे थारी बारता
जीण म्हारी बाई अे   मुखडा दिखाऊ क्यूकर जाय ?
जामण-री अे जायी   काय् वताऊ अे माय 'र वाप न ?

जीण म्हारी बाई अे   पाथर ज्यू छोडू म्हारो राज
जामण री जे जायी   भावज थारी छोडू अे पीवर झूरती

जीण म्हारी वाई अे	जीवतडो विघड् तै सू नाय
जामण-री अे जायी	मौत विछोवा अे तै सू घालमी
हरसा वीर म्हारा रे	हर री ओ कळा-सू उतऱ्या दो जणा
	अेक ज हरसा वीजी जीण
म्हारी मा-रा रे जाया	हर री कळा मे रे पाछा जाय मिलै
हरसनाथ भैरू रे	चाल वसाला रे वन-खड डूगरा
	अेवड तो छेवड धूणी घाल
म्हारी मा रा रे जाया	लोय लो मिळावा हर री लोय मे
हरसा वीर म्हारा रे	दरगा-म माड्या रे वे माता थाक
जामण-रा रे जाया	जाग लिय्याडा रे भल भल साभळ

(६)

जीण जुग वाली अे	आगै ता आग भवानी जाय
जुग तारण माता	लारा तो हरमा उतावळा
जीण जुग माना अे	छिन में तो पूची जे सीकर-र गोरव
	धरती ता लीनी रे पाछी खीच
कळ-जुग री भवानी	दोय तो पगा अे पूगी वन खडा
जीण जुग माता अे	टग टग प्हाडा भवानी चढ गयी
	वठी हे चोटी ऊपर जाय
कळ-जुग री अ दवी	थरहरता थर्हर डूगर कापिया
जीण जुग वाली अे	ढाई ता जटर भरू-न यू कह्या
	साम ता वठ्या लाग पाप
जामण रा रे जाया	छेवड देय वठा रे फेग पीठडो

(१०७)

पाबूजी रा पवाडा

(गाया रा पवाडा)

[पाबूजी राजस्थान के अेक बहुत प्रसिद्ध वीर हुअे हैं। वे मारवाड के राव सीहोजी राठौड के पौत्र धाधलजी के छोटे पुत्र थे। देवल चारणी का गायों को आततायियों से छुडाने में उनके प्राण गये। अपने दिये हुअे वचन का पालन करने के लिअे वे विवाह की वेदिका से ठीक विवाह के बीच उठकर चल दिये थे। वे राजस्थान में आज देवता की भांति पूजे जाते हैं। अनेक गांवों में उनके देहरे पाये जाते हैं, जिनमें उनकी घोडे पर चढी हुई मूर्ति पूजी जाती है। उनके पुजारी प्राय हरिजन हुआ करते हैं।

पाबूजी के अनेक पराक्रम प्रसिद्ध हैं जो गीत बद्ध हो चुके हैं। उनके पुजारी अैसे गीतों को गाकर सुनाया करते हैं। इनको पवाडा कहते हैं। इनकी संख्या बावन कही जाती है।

कथा का सारांश—देवल चारणी के पास केसर नाम की अेक अति उत्कृष्ट जाति की घोडी थी। जायल के खीची शासक जिन्दराव ने उसे मांगी पर देवल ने नहीं दी। इस पर जिन्दराव उससे बैर रखने लगा। कुछ समय पश्चात देवल ने वह घोडी पाबूजी को दे दी पर इस शर्त पर कि यदि जिन्दराव उसकी गायों का हरण करे तो पाबूजी, चाहे जिस स्थान में और चाहे जिस स्थिति में हों तुरन्त जिन्दराव का पीछा करेंगे, और गायों को वापस ला देंगे। पाबूजी ने यह शर्त मान ली।

अेक बार जब पाबूजी विवाह करने के लिअे ऊमरकोट गये हुअे थे जिंदराव ने आकर देवल की गायों को घेर लिया। गायों के चरानेवाले ग्वाला न और देवल के पति ने उसे रोका पर वह नहीं माना। उनने करणी माता की आन दिरायी, जिस पर जिन्दराव ने कहा कि चारणी भिखारी घराने की लडकी थी और भिखारियों की आन नहीं मानी जाती। इस पर देवल का पति और उसके

दोनों ग्वाले लड़ने को तयार हो गये। हथियारों के अभाव में उनने अपनी लाठियों से ही काम लिया। अन्त में तीनों मारे गये।

कुछ दूर पर अब लंगड़ा ग्वाला अपनी गायें चरा रहा था। उसने जाकर देवल से सब हाल कहा। देवल तुरंत खुले केशों के साथ उड़कर ऊमरकोट पहुंची। बाहर केसर घोड़ी को बंधी देखा। उसने कहा—जिन गायों का मीठा दूध तुझे बुढ़िया भर भरकर पिलाती थी उनको तो खीची घेर ले गया, केसर ने अपने कठोर बंधन तोड़ डाले और दाढ़ों को चबाने लगी। उसने कहा—मत डरो खींची अपने घर पहुंचेगा तब तक मैं भी उसका पीछा करती हुई पहुंच जाऊंगी।

देवल भीतर गयी। पाबूजी वधू के साथ विवाह वेदी पर थे। चार फेरा में से दो वे ले चुके थे, दो लेने बाकी थे। देवल सामने जाकर पुकार उठी। बोली—भगवान ने तुम्हें जोड़ी बखशी पर मेरी जोड़ी तो खंडित हो गयी। सब हाल सुनकर पाबूजी ने कहा—मैंने दो फेरे ले लिये हैं, दो बाकी रह गये हैं उनको भी लेलू और चलता हूं। देवल बोली—पाबू! तू भूल रहा है तू ने तो कहा था कि नाम से सुनते ही उठकर चल दूंगा, फेरे भी लेता होऊंगा तो बीच में छोड़ दूंगा।

यह सुनते ही पाबूजी गठबंधन छुड़ाकर विवाह वेदी से उठ खड़े हुए और साथियों को लेकर केसर पर चढ़कर देवल की गायें छुड़ाने चल दिये। वधू न विवाहित ही हुई और न क्वारी ही रही।]

(१)

इन हूं चढ़यो छ पाबू मोढा-केर काट
कोई ऊनै हूं चढ़यो छ वा खीची जायल जीदरो
अमगण पूगी छै वा पाल भवर की जान
कोइ जायल-की फौजा ता पूगी कोलम-गढ-क कांकड़ा
कांकड़ में चर छी वै देवळ-केरी गाय
कोई चरती ता गाया न जायर खीची घेरी धान्निया
आडा तो फिरया छा उदो-दूदा दोन् ग्वाळ
कोई बीच में पड़यो छा वा देवळ चारण का सायरा
खीची नै कढायो छै वा करणी-मा-की आण
कोई, दुहाइ ता दीनी छ वा पाबूजी राठोड़-की

करणी तो कहीज रे ग्वाळा ! मगण्यारा की धीय
कोई, पारू तो कहीजै रे खारी खावड-को गादड़ा
कोनी तो मानीजै जुग में मगण्यारा की आण
कोई दुहाई तो ना मान सिंघ गादडिया की भोम पर

इतणो तो गरबीलो खीची ! कूडो मत-ना बोल
काई, छोट तो मुखडा-ह थे मोटी वाता मत करो
कोनी ता आव रे खीची ! थानै भूंडी लाज
काई, सूनी तो खावड-में रे थे गाया खेदण आविया

जे खीची ! आयी छै था-रै मुखडा ऊपर मूछ
कोई, पावू-कै आया पाछै भल भल गाया खेदज्यो
तीन दिना-की कर दे रे जायल खीची-का ! टाळ
कोई, चौथै दिन खावड-को राजा धणी म्हारो पूगसी

तीन दिना-की टाळ करै व जुग-मे कायर लोग
कोई, सूरा तो म्हारा-का रे ब वार करचोडा ना फिर
कह दीज्यो रेगाया-रा ग्वाळचा ! थारै सिंघ नै जाय
कोई, गाय तो लावगो पूठी खीच्या-की खिचनाळ स
हिम्मत हो तो आवैगो बो चढ-कै म्हारै लार
काई, नाही ता मू पर परलो ले-कै वठयो रगो कोट मे

इतणी क क दीनो घुडलो गाया लार लगाय
कोई, चरती तो गाया-क रे वो मारण लाग्या कारडा
ऊदै-दूदै ग्वाळा-कै वा उपडी तन में रीस
कोई आग-पलीता लाग्या छै देवळ चारण कै सायबै
ऊदै-दूदै लीना आप-का गेडिया सभाय
कोई रण-सेलो उठायो रे देवळ चारण क सायबै
आमा-सामा विच वाजण लाग्या छै वास
कोई गाया-कै खुरा म रे वै खोपरिया कट-कट पड

डट डट कै लड छै र ब उदा-दूदा ग्वाळ
काइ वध-वध-क लड छै रे देवळ वारठ-को वालमो
कठ तो क्हीजै रे खीची-की सगळी फाज
कोई कठ तो क्हीजै र निहत्था तीन गवाळिया
लम्ता लडता होगी छ वा पूरी सवा पा'र
कोई जायल खीची जीत्या रे व हारया राय गवाळिया
उदो-दूदा पटिया छ गाया करी लार
काई, गाया क मूढागै पडिया दवळ केरा सायनो
कही छै जायन न मरन घिरतै ग्वाळा वात
काई, बुरी ता करी रे जायल ! मून घर न लूटिया
मत-ना तू हाजे रे जायल ! मन में घणा खुस्याल
काई, म्हार ता मारचै-को वदळा धणी हमारा काढसी
ज कोई रे वन को ग्वाळयो सुणता घिरना हाय
काई, खवर ता कर दीजो रे देवळ चारण-की पाळ मे

(२)

वच्यो ता खुच्या रे अक ग्वाडियो गवाल
काई जाय ता कूक्या छ र देवळ चारण की पाळ म

सूती छ अे चारण वीरा ! सुखडा की नीद
काई थारी ता गाया मे चारण ! खीची घाडा फरिया
झूठो छ र ग्वाळा वीरा ! झूटो मती वाल
काई, काई ता खीची रो मूढा म्हारो खेद वाळदा
काई रे ता ग्वाळा वीरा ! पीघी भूडी भाग
काई, काई ता वाल छ रे तू दूध दह्या की छाव म
कानी बालू अे चारण राणी ! थारै जाग झूठ
काइ, सारो तो वाळदा पूग्यो खीची-की खिचनाळ म

कोनी पीधी अे चारण राणी । धोरा री भूंडी भाग
काई, कोनी तो बोलू देवळ । दूध दह्या की छाक-में
जिण तो गाया-कै अे देवळ । खेती गूगळ धूप
काई वा तो गाया-कै अे खीची मारै कस कस कोरडा

लीनो क्यूनी रे ग्वाळा वीरा । करणी-माता-का नाव
काई, दुहाई तो दीनो क्यू-नी रे पाबूजी राठोड-की

कोनी मायो अे जायल चारण । करणीजी की आण
कोई दुहाई ना मायो अे बो पाबूजी राठोड-की
मारया-मारया जे उारठ । थारा ऊदा-दूदो ग्वाळ
काई गाया-न मूढा अे थारै मारया सगरथ स्याम न

धीरो र रे ग्वाळा वीरा । चनेयक धीरज राख
काई, सूरज री साखा म जाय पुकारू [illegible] री कोटडी
कइ ता रजपूताण्या । करवा दू म राड
काई, लावी ता वावा-की रे परा दू काळी कांचळी
मूघा ता विकवा दू राव कामणिया मजीठ
कोइ, मघा ता निकवा दू रे म चुडला हस्ती-दंत रा

(२)

रूप ता विकराळ देवळ लीनो छ बणाय
कोई, सिर-रा तो खोल्या छै दबल भवानी काळा कमडा
उटी छ वा देवळ भवानी नाय लगायी वार
काई, जाय तो पूगी छ खिण मे मोटा र गट-कोट मे

जद तो पूगी छ चारण सोढा-केरी पाळ
कोई, आग ता वधी छ रे वा घोडी कमर काकवो
दरया छै वो केसर घोडी भवानी-केरा रूप
कोई ऊभी तो हरणायो रे वा केसर घोडी ठाण-में

ज्या गाया-की केसर था-न पाती कूडा भर भर न्ध
कोई, वा तो गाया-कै अे खीची मार कम न्स कोरडा
किण रो पीवोगी अे केसर ! वालो मीठो दूध
कोई, मुरद्दलता जा पूगी जे व खीच्या री खिचनाळ म

इतणी मुणता लागी छ केसर-कै तन मन आग
काई, दावणा दुवागा रे वै ताडचा वीजळसार रा
कडक्ड ता चावी छै र व केसर घोडी जाट
काई दोलडिय दाता-म् रे व केसर घोडी ला दळगा
धीरो रै अे वारठ भवानी ! मन में धीरज धार
काई पूगणकानी दूम खीची नखीच्या री खिचनाळ मे

(४)

आयी छ वा देवळ भवानी रग आगण-क माय
कोई ऊभी हो किल्ळायो छै वा कायर जगाळी मोर ज्यू

थे तो आय विराज्या आ पाबू ! साढा री धोळी थाट
काई काळमगढ-न लूटी जो लरा मूती जीवर
थानै तो जोग्ने वगस्यो छै पाबू ? सिरी भगवान
कोई म्हारो जाड्यो आ पाबू ! जुग म खिडत हा गयो
जे ता मैं वसती ओ पाबू ! खीची जीन क वाम
काई थया नै तो होती आ पाबू ! साच कुळ म राडडी
जे दिन म् वसी आ पाबू ! थारी भोम म वास
कोई दाय घडी भी उण दिन-सू म पाणी सुख-को ना पियो
मारचा मारचा आ पाबू ! म्हारा उदा दूदो ग्वाळ
काई गाया-कै मूढाग खीची मारचा म्हार स्याम न
थे तो रीसचा ओ पाबू ! रग हथलेवो जाट
काई, जायन ता रीझयो ओ पाबू ! देवळ-बेर वाळद

थारै तो माढ ओ पावू ! वरस रग-गुलाल
कोई, म्हारै तो आगण-में ओ पावू ! पड रया छ वै रोजणा

दोय तो फेरा दवळ ! लीना छ म्हे लेय
कोई, दोय तो फेरा थे चारण ! लेय'र म्हे केसर चढा
भूल्यो रे भुरजाळा पावू ! म्हारा कौल-करार
कोई, दूध तो लजाया रे थारी कवळादे माय-को
कान सुणता वार चढण-का करिया कौल-करार
कोई, फेरा तो करया छा रे भुरजाळा ! अध विच छोडणा

इतणी तो सुणी छै रे बोली वण पावू कान
काई, तीजोडै फेरै-मे रे भुरजालो अध विच उठ चल्या
माडा रे चादा वाघेला ! घुडला पर पिलाण
काई, आपा ता चालागा रे वेगा गारै गूजव
चढ तो घुडला पर वै होग्या छ असवार
काई, चढतोडा मारी छ घुडला र कस-कस कामठी
पडी छ वा पावूजी-कै इकडकिय पर चाट
काई, घुडला-कै पौडा का रे व हडवगाटा उठ रया
चढगी छै पाल भवर-की सागै सगळी जान
काई, अेक तो डाम-न छाडयो बैठयो अमला री झारु मे

(१०८)

तेजाजी

[तेजाजी राजस्थान के बहुत प्रसिद्ध लोक देवता हैं। ये जाति के जाट थे और नागोर परगने के खरनाळ नामक स्थान के निवासी थे। उनका विवाह किशनगढ़ के पास पनेर गाव मे हुआ था। ससुराल मे मीणों द्वारा अपहृत लाछा गूजरी की गायों को छुडाने के प्रयत्न मे वे गभीर रूप से घायल हुए और स्वर्गवासी हुए। यह घटना भादवा सुदि १० को घटित हुई। तभी से वे देवता के रूप मे पूजे जाने लगे। अनेक स्थानों पर उनकी देवलिया पायी जाती हैं। उनका सबध नागों से भी है। साप के काटे हुए को तेजाजी की ताती बाधते हैं जिससे विष नहीं चढता।

तेजाजी का गीत, जिसे बोलचाल मे 'तेजो' कहा जाता है बहुत प्रसिद्ध और कृषक जनता मे बहुत लोकप्रिय है। लोकप्रिय होने से उसके अनेक रूपातर बन गये हैं। तेजाजी का गीत लोक-गाथाओं के रूप मे भी मिलता है।

प्रस्तुत रूपान्तर का अतिम भाग अपूर्ण सा जान पडता है।]

तेजो

(१)

गाज्यो गाज्यो जेठ-असाढ कवर तजाजी !
लगता - ई वूठो सावण भादवो
धरती - रो माटण मेह कवर तेजाजी !
आभै - री माटण चमक बीजळी
सूतो सुख भर नींद कवर तेजाजी !
थारा साथीडा बीज वाकड वाजरो
कुण भातो लाय अे जरणी माता !
कुण लाव वळदा री नीरणी
थारी भावज भाता लाव कवर तेजाजी !
बनड लाव वळदा री नीरणी

जूड जी जूड जोत सवारया क्वर तजाजी
कोई, वळदा - रा मवाग्या नाथ-मिरावटा
वरस्या वरस्यो दूधा वरणा मेह क्वर तेजाजी
आडा तो नाडा तेजा कें ग्वेता-वा स भग्या
खोल्या ग्वोरया वळद नागोरी क्वर तजाजी
सूरज की साखा म या पूच्या उगणी टर मे
नीचा नीचा वाया चतरग ताल क्वर तजाजी
ऊचा तो उचा वाया टीवा टीवणी
ताला ताला वीजी छ जवार क्वर तजाजी
टीवा तो टीवडिया वीजी छँ वाजरी
मूळा मूळा वाया छ मतीर क्वर तैंजाजी
काकड ता कांकड वायी छँ काकडी

(?)

वावत वावत होगी कग्टी छाक क्वर तजाजी
आम तो पासँ-का रे छाडया छै हळिया चालता
आम तो पास का जीम बठया छाक क्वर तेजाजी
वल तो चर छ वा का दाणो नीरणी
ढळगी ढळगी खेजटल्या - री छाह क्वर तेजाजी
क्वर तो तेज-का रे वो चाल हळियो अेकलो
खुलिया खुलिया पाछा जुडग्या वल क्वर तजाजी
ढळत पीय-का रे हाळीडा हळिया जातिया
जुडत पीय 'गायी भावज छाक क्वर तेजाजी
वळदा री तो लायी रे नखराळी भावज नीरणी

तणी मोडी कीकर आयी भावज नखराळी जे।
भूखा ता मरग्या अे भावज ' म्हारा वाळव वाछडा

धडिया पीस्यो धडिया पायो मोती देवरिया रे !
सार तो घर-को रे पाणीडा ढोया अेकली
मण भर दूहया मण भर विलोयो मोती देवरिया रे !
याकरा तपाया रे देवर अलूणे घीव का
वारचा वारचा सारा आड - गवाड मोती देवरिया रे !
गोबर तो थाप्यो रे डागर सौ'र पचास को
भागी दौडी लायी थारी छास मोती देवरिया रे !
वाळकियो भतीजो रे छोड्यो बिन चूची राबतो

ह्राखो ह्राखो कागलिया-नै छाक भावज म्हारी अे !
वाळकिया भतीजो खावो नानी राड न

इतणा करडा क्या पर बोल मोती देवरिया रे !
थारी आ गुमराई रे मोती ! भावज ना सहू
म ता नार छू बिराणी मोती देवरिया रे !
थारी ता ब्याही र वा गाजर गरै बाप र
इसडो कद को भूखायो मोती देवरिया रे !
थारोडी ता परणी रे वा भातो ढाव बाप कै

नीच नीच भभक बाळू रेत क्वर तेजाजी
मिर पर ता तेज क रे किलकी को बरस तावडा
लग री लग री भीतरल हू दाह क्वर तजाजी
भूख ता तिमिय को रे टूट हो निरणू काळजो
लाग्या लाग्या भावजडी रा तीर क्वर तेजाजी
वाह्र-की ता भीतर की रे वा गरमी सागै उफटी
उपडी उपडी नाभ कवळ हू रीस क्वर तेजाजी
चलताट हळियै - न र चट-दे तेज थाभिया

आ ला आ ला रास - पराणी भावज नखराळी अे !
तजो ता जावना अे भावजडी ! सुरग सामर

दम्या देख्या घिडळमिडळ थारे भावज नग्रराळी अे
भावज नग्रराळी - रा थ खेलणिया-सा धायग्या

इतणा जी इतणो दारो मत माना माती देवरिया रे !
ऊभी तो भावजडी रे देवर रा वर मनावणा
वठा-वठा खेजडली-री छाह कवर तेजाजी !
मुखडा तो धावा रे देवरिया ! ठडे नीर-सू
नीरू नीरू थारा बैल नागोरी कवर तेजाजी !
थे भी तो जीमो जी भाता भावज बैं हाथ का

थे जामा थारे प्यारा नै जिमावो भावज नग्रराळी ज !
तैजो तो जीमला अ चावळ सामू कै हाथ का

सूपो सूपो माता-नै रास-पराणी माती देवरिया रे !
पल तो बोला-नै रे म झीरू देवर ! झीखणा

खोल्या छोरया हळ-सू बल नागोरी कवर तेजाजी
हळियो तो पटक्यो है बो फोगलिया क मूळ मे

(३)

भूखा तो तिसियो आयो माता-रै पास कवर तेजाजी
रास तो पराणी रे माता - क आगै हाथ दी

आ ल्यो आ ल्यो थारी रास पराणी जरणी माता अे !
थारै तो बचा - न अे माता ! पूरा म्है करग्या
कुण तो कुण तो करियो म्हारो व्याव जरणी माता अे !
कुण तो करी छी अे सगाई पीळा पालडा

वावैजी वावजी करियो थारो व्याव क्वर तेजाजी !
मामै ता करी छी रे सगाई पीळा पोतडा
की कै की क करियो म्हारो व्याव जरणी माता अे !
कुण सी तो नगरी मे अे जामण ! म्हारो सासरो
परण्यो परण्यो महतैजी की पोळ क्वर तेजाजी !
सहृग ता पनेरा रे नाडेसर ! थारो सासरो

माडो माडो धाडलिय पिलाण चिमना चाक्र का !
तेजो चढैगो रे उमाहयो सुरग सासर

थारा लीलडो थेलै ना पिलाण क्वर तजाजी !
माडण की पुळ घड्या वो जागा-सू सिरक्यिो
पूगो पूगो लीलड - क पास क्वर तेजाजी
थापी तो मारी छ तज घुडल की पीठ पर
झेला झेला सोनळियो पिलाण म्हारा तेजीडा रे !
थन म ले चालू रे तजीडा ! सुरग सामर
साळी तनै नीर घास कूडी का म्हारा तेजीटा रे !
साळा तो देसी र दाणा तन हाथ सू

वाध्या वाध्या पाचू हथियार क्वर तेजाजी
भाला तो लीना छै तेज वीजळसार का
दीनो दीनो पागडियै म पाव क्वर तेजाजी
रिमझिम करतो निक्स्यो रे तेजीडो हासता
पोळी कढता मिल्यो सुनार क्वर तेजाजी
ग्वाड - में तो जाता रे मिली छै विधवा बामणी
अगणै सूण मिली पणिहार रीती वावडती रे
वाडा - में मिल्यो छै रे गाडो सूक काठ-का
अगणै सूण रोया सामा स्याळ क्वर तेजाजी
वाडड - में रोयी छ वा काळ मूढै-री फोकरी

कोया कोया माया खोटा सूण ववर तेजाजी
बोला - को दाझ्योडो वो तेजो वगै उतावळो

(४)

ठुरमर-ठुरमर लीलो भाज्यो जाय ववर तेजाजी
मुरता तो लागी छँ दोना-की सहर पनेर-मे
होग्यो होग्यो वेग वो हवा - कै लीलो तेजीडा रे
वावडती तो गाया-कँ बो पूग्यो सहर पनेर-मे

थाम्यो थाम्यो लीलडो घाट कुवँ-कँ ववर तेजाजी
घुटलो तो रोक्यो छँ तेज वड - री छाय मे
थोडो पाणीडो-सो पावो गोरियल पणिहारचा जे !
तिसिया तो आया छा म्हे पथी चाल्या दूर-का

कुण-सँ कुण-सँ देसा-हू थे आया लीलै घोडैआळा रे !
कुण-सँ तो देमा-न जी पातळिया पथी ! जा रिया ?
आया आया खरनाळा-नू चाल गोरल पणिहारचा अे !
अठै तो म्हे जास्या अे महतैजी-घर पावणा
काई काई म्होजे थारी जात लीलै घोडैआळा रे !
नाव तो वतावो रे पथी थारो पातळा !

धोळा धोळा वाजा छा म्हे जाट गोरल पणिहारचा अे !
नाव तो कढायो अे ओ धर-का म्हारा तेजियो

थै तो पीवो थारै लीलडा-नै पावो ववर, तेजाजी !
पाणीडो तो पावा जी म्हे थानै ग्मम टाग-का

आप पीया लील तेजी-न पाया ववर तेजाजी
मारगिया ता वूझया जी महताजी - री पाळ-को

वावजी वावजी करियो थारा व्याव क्वर तेजाजी ।
माम ता करी छी रे सगाई पीळा पातडा
की क की क करियो म्हारो व्याव जरणी माता अे ।
कुण-सी तो नगरी म अे जामण । म्हारो सासरो
परण्यो परण्यो महतेजी की पोळ क्वर तेजाजी ।
सहर तो पनेरा रे लाडेसर । थारो सासरो

माडो माडो घाडलियै पिलाण चिमना चाकर का ।
तेजा चढगो रे उमाह्या सुरग सासरे

थारो लीलडो घेल ना पिलाण क्वर तजाजी ।
माडण री पुळ घड्या वो जागा सू सिरकिया
पूगो पूगा लीलड-क पास क्वर तेजाजी
थापी ता मारी छ तज घुडल की पीठ पर
झेला झेलो सोनळियो पिलाण म्हारा तेजीडा रे ।
थनै म ले चालू रे तेजीडा । सुरग सासर
साळी तन नीर घाम कूडी का म्हारा तजीडा रे ।
साळा तो देसी रे दाणो तन हाथ सू

बाध्या बाध्या पाच हथियार क्वर तेजाजी
भालो तो लीनो छ तेज बीजळमार-को
दीनो दीनो पागडियै-म पाव क्वर तेजाजी
रिमझिम करतो निकस्यो रे तेजीडो हासता
पाळी कढता मिल्यो सुनार क्वर तेजाजी
ग्वाड-में तो जाता रे मिली छ विधवा बामणी
अगण सूण मिली पणिहार रीती वावडती रे
वाडा-में मिल्यो छ रे गाडो सूक काठ रा
अगण सूण रोया मामा म्याळ क्वर तेजाजी
वाकड-में रोयी छै वा काळै मूढ री फाकरी

कोया कोया माया खोटा सूण क्वर तेजाजी
वोला - वो दाझ्योडो वो तेजो वगै उतावळो

(४)

ठुरमर-ठुरमर लीलो भाज्यो जाय क्वर तेजाजी
सुरता तो लागी छै दोना की सहर पनेर मे
होग्यो होग्यो वेग वो हवा - कै लीला तेजीडो रे
वावडती तो गाया-कै वो पूग्यो सहर पनेर-में

थाम्यो थाम्यो लीलडो घाट कुवं वै क्वर तेजाजी
घुडलो तो रोक्यो छै तज वड - री छाय मे
थोडो पाणीडो सो पावो गोरियल पणिहारया अ !
तिसिया तो आया छा म्हे पथी चाल्या दूर का

कुण-सै कुण-सै देसा-हू थे आया लील घोडैआळा रे !
कुण स तो देसा नै जी पातळिया पथी ! जा रिया ?
आया आया खरनाळा-सू चाल गोरल पणिहारया अे !
अठै तो म्हे जास्या अे महतैजी घर पावणा
काई काई कहीजै थारी जात लील घाडआळा रे !
नाव तो वतावो रे पथी थारो पातळा !

धोळा धोळा वाजा छा म्हे जाट गोरल पणिहारया अे !
नाव तो कढायो अे ओ घर-का म्हारो तेजियो

थे तो पीवो थारै लीलडा-न पावो क्वर, तेजाजी !
पाणीडो तो पावा जी म्हे थानै रेसम डोर-को

आप पीयो लीलै तेजी-न पाया क्वर तेजाजी
मारगियो तो बूझ्यो जी महतजी - की पोळ-को

टमकै-टमकै पाव धरो नी म्हारा तेजीडा रे।
सासरिय-को लोग रे वो थानै म्हानै निरखसी
निरख निरख महर को लोग क्वर तेजाजी
भरय ता वजारा म उगता सा सूरज नीसरयो

पूग्यो पूग्यो सुसरजी-की पाळ कवर तेजाजी
आस ता विलूब्या रे पूग्यो मुरग सासर

लग रया लग रया चाव घणरा कवर तेजाजी
मन-मे ता थम री है वा सासरिय की चीतणी
सुसरे जी बूझैला म्हान वात म्हार देसा री रे
घर-का ता बूझला व म्हारा कुसळ सदेसडा
साळाहेळी करसी हस हस वात कवर तेजाजी।
साळा तो देसी रे म्हान ऊचा बैसणा
साळी करसी म्हारा कोड सुरग सासरिय रे
सासूजी तो लेसी रे म्हारै सिर रा वारणा
गोरी करसी मनडा की बात म्हासू सुख दुख की र
नण तो भर-भर क वा देसी म्हान ओळभा
मन में चीत घो विचार क्वर तेजाजी
चित पर तो छायी छी रे सासरियै-री भाळना

(५)

खाला खोला पोळी-का किंवाड क्वर तेजाजी रे
वाहर ता ऊभो छै रे वटाऊ था-क पावणो

खोल्या खोल्या पोळीड किंवाड क्वर तेजाजी रे
हूणहूण ता व रतोंडै तेजीम भीतर पग धरचा
मासू काढण वठी दध खोरी घडिया की रे
दुहती गा ता चमक्या रे साग गाय 'र वाछडा

आयी - आयी सासूडी - नै रीस क्वर तेजाजी रे
खाटी तो वाणी रे सासू - कै मुख - सू नीसरी
करडा करडा दीना छै ज्वाव सासू झूझळ-में रे
बोला - का ता काढया छै तेज-कै तोखा तीरिया

खायो खायो चिड़िया म्हारा खेत लील घोडैआळा रे !
घर म्हारो खायो छै नित वळ बटाऊ पावणा
कोई दिनग कोई साझ लील घोडैआळा रे !
दिन - मे ता आव छ रे बटाऊ नौ वर पावणा

खटक्या खटक्या सासू केरा बोल क्वर तेजाजी रे
छाटा तो लाग्या छ रे तन मन मे तात तेल का
ओटा ओटा पाव ता धरो नी म्हारा तेजीडा रे !
आग पाव धर ता रे दुहाई राजा राम-की

झटक झटक लीना घुडलो मोड क्वर तेजाजी रे
मनडै-की चीत्योडी रे अधूरी मन मे रह गयी
दीनी दीनी सासरियै-न पूठ क्वर तेजाजी रे
आयो ज्याही खाजा रे तेजी नै पूठो घालिया

(६)

लैरा लरा आयी साळाहेली क्वर तेजाजी रे
घडिया तो छाड्यायी रे अधभरिया पणघट घाट पर
दीनी दीनी सग्स बधाई छाटी नणदल नै रे

न्हावा तो धोवो जी बाईजी ! उवटण थे करो
थार थार बरम्या दूधा मेह सुगणा बाईजी ओ !
घी-का ता चमैगा जी बाईजी ! थारै दीवला

इतणी इतणी रूड मता थे बोलो म्हारी भावजडी अे।
थारा तो नणदोई जे बैठ्या छे गढ घरनाळ में

झूठी झूठी कान मुण्योडी हाय भोळा वाईजी ओ।
आग्या तो देग्याटी जी या जग म चूटी ना हुव
ऊग्या ऊग्यो भन भल सूग्ज भाण सुगणा वाईजी ओ।
म्हारा ता नणदाई जी आयो है समरथ पावणो
हाथा हाथा पाया ठह्रो नीर म्हारी नणदली अे।
मारगियो वताया जो म्हे सुमग्जी री पाळ-रो

आया आया नीलडा-रा असवार म्हारी भावजडी अे।
पोळी मे वड्त नै अे भावजडी। मायड कान्यि

करिया करिया गजब अयाव वरण मासूडी रे
आस्या ता जवाई र निराम्या पापण काढिया
जावा जावा ये लीलडा री लार म्हारा वाईजी जो।
आटीलो नणदाई जी थार विन पाछा ना मुड

चाली चाली लीलडा-री लार वा बेटी महत-री रे।
बेठ्या ता पडग्या ह रे पावडा सौ 'र पचास रा
भाग्या भाग्या जाव वानी हाथ म्हार तेजीडा रे
हेला ता मारनी रे पीवर म लाजा हू मरू
पाछो पाछा मुड - र देख नाय लील घाडआळा रे
नीतर ता गव हू झालो द ओट चीर र
तू छै तू छ भाण धरम-री अे लाछा गजर री अे।
रूस्याड जीज न जे तू लायी फेर मनाय क

(७)

चनतै-चलन तेजीड-नै थाम लील घोडआळा जी।
हेलो तो मार - र रे लाछा तेज - न थाभिया

पकड़ी पकड़ी लीलडा-री लगाम बेटी गूजर-री रे
वावँ तो पग-को रे पकड्यो छै लाछा पागडो

चाल्या चाल्या थे वित सूई साझ म्हारा जीजाजी ओ !
रात तो मूहाळी ओ जीजाजी ! सारी थे लिवी
छिपग्यो छिपग्यो राजा सूरज भाण म्हारा जीजाजी ओ !
विरछा-रा परोरू वो चुग चुग वासँ वावड्या
पडियो पडियो काई ताव धरा-नँ म्हारा जीजाजी ओ !
काई तो हडै छो ओ जीजाजी ! धरम थारो वादस्या ?

नाही ना ी पडियो ताव धरा नँ वटी गूजर-की अे !
धरम तो हड छो अे ना लाछा ! म्हारा वादस्या
सासू सासू बोल्या अवडा बोल वेटी गूजर की अे !
अेडी - का लाग्योडा अे वै चोटी लाछा ! नीसरचा

मतना मतना जावा सासू - की पोळ जीजा म्हारा ओ !
आज - को वासो तो वसता जावो म्हारी झूपडी

छोडो घोडा लीलडा-री लगाम वेटी गूजर की अे !
अब - का चढयोडा अे म्हे उतरा कोस पचास पर

रूस्यो रूस्या जा-रा जुग म राम कवर तेजाजी रे !
वा - रा ता मनाया आ माणस ना मन
किम विध रूस्यो थारो राम वेटी गूजर की अे !
म्हान तो वतावा अे थार दुखडा री वारता

मारया मारया म्हारा आळ-गवाळ कवर तेजाजी रे !
धाडी म्हारी लेग्या जो धाळी खेद क

पैला ता पला लावा धोळी मोड वेटी गूजर की अे !
आय र तो वसागा अे वासो थारी झूपडी

चाल्यो चाल्यो गाया-की बो लार कवर तेजाजी
कस-क तो मार्‍यो है लीलै तेजी-कै ताजणो
लागी लागी नही दम देर कवर तेजाजी
काक्ड हू ढळता रे धाड्या-नै छिन-में नावड्यो

माडो माडो नेक धरण पर पाव कुवधी पापीडा रे।
चढ-क तो आग्यो है रे तेजो गाया-रो वारवी
करिया थे करिया गजब अयाव दुसटी पापीडा रे।
भूखा तो मरता-डीडावै वाळक वाछडा
मारु मारु जीवजिया री मौत दुसटी पापीडा रे।
किस विध तो मारया रे अणगु है आळ गवाळिया ?

मुड क मुड-कै पाछो घर न जाय लील घोडैआळा रे।
थारी तो सूरत पर रे आव म्हान तरसडी
रोसी रासी थारी अलम री माय लील घोडआळा रे।
ऊभी तो क्रिरळासी रे आगण मे थारी असतरी

थे तो थे ता डराया आळ गवाळ दुसटी पापीडा रे।
धकै तो चढग्या हा रे अवकाले वन क हार कै

घलग्या घलग्या पाळा वन में दाय क्वर तेजाजी रे
चमकण तो लाग्या छै रे खाडा बीजळमार-का
लडता लडता होग्यो पूरो पोर क्वर तेजाजी र
चुग-चुग तो मारया छै रे तेज सारा धाडवी
मोडी मोडी पूठी सगळी गाय क्वर तेजाजी रे
सहर ता पनेर-र मारगिया पूठी हाक दी

कटग्यो कटग्यो तेजै केगे गात क्वर तजाजी रे
तिलडा तो धरवा न रे अछूनी देही ना रही

पूग्यो पूग्यो जद काकड कै माय क्वर तेजाजी रे
खाय तो तिरवाळो रे तेजो धरणी पर ढह् पडयो
ऊभो ऊभो छाती ताण क्वर तेजजी पर रे
टप टप तो नैणा-म् रे आसू लील कै ओसरया
आयो आया पीवणियो माय क्वर तेजाजी रे
विण होमा तेजै-नै रे पीवणियो वरी पी गयो

पूगी पूगी सुरह्ल पूठी जाय क्वर तेजाजी रे
गाया को वो भीटो रे गाया कै साथ ना मुडयो
भाग्या भाग्या माणस दोय'र च्यार कवर तेजाजी रे
काक्ड में लाधी है रे वा तेजजी की देहळी
फैली फली रे सहर मे वात क्वर तेजाजी रे
आखो सहर उमड आयो रे तेज-नै तपना देण नै

अनण-चनण की दीनी चिता चिणाय क्वर तेजाजी रे
महतैजी की बेटी बैठी रे सिर गोदी मेन क
गोती गोती सासरियै-को नाय क्वर तेजाजी रे
पीवर क गोती की रे अगन सती कै ना चलै
बठी-वैठी तक अगन की वाट क्वर तेजाजी रे
तकता तो तक्ता दोपारी वै-नै हो गयी
जोडया जोडया सूरजदेव-न हाथ बेटी महत की रे
सती तो पडी छै ओ वानलिया ! थारी ओट म
सुण कै सुण कै विनती सूरज बेटी महतै की रे
सहस तो किरणा हू रे वो सार्ग लायो लाइयो

चाल्यो चाल्यो लीलडो गढ खरनाळ क्वर तेजाजी रे
पडता तो जाव छै रे वै टपटप टपका रगत-का

पूग्यो पूग्यो खरनाळा में जाय क्वर तेजाजी रे
जडियै तो दरवाजै रे बो आय'र हणहण हासियो
सुण-कै सुण कै तेजीडैकी सास माता तेजै की रे
मन में तो हरखायी रे वहू बेटा आया जाण कै

खोल्या खोल्या झट देसी किंवाड माता तेजै की रे
तेजीडो देख्यो है रे ऊभो बो रीतो पीठ-को
देख्यो देख्यो तेजीडै-को हाल माता तेज की रे
खाय तो तिग्वाळो रे वा दरवाज में ढह पडी

(१०६)

लाजा गूजरी

थनै देवजी बुलावै लाजा गूजरी !
म्हारा देवरा देखण आव
आडावळा - री गूजरी !

थारा देवरा रो काई देखणो
थारा देवरा सरीसी पोळ्या चार
आडावळा - री गूजरी !

थ तो वरडा करिया अे जवाव
आडावळा - री गूजरी !
दही री धायी लाजा गूजरी !
आडावळा - री गूजरी !

हो जामी ! थारी डरायी ऊदा ! ना डरू
हू तो घर भोजा - रै नार
आडावळा - री गूजरी !

थनै देवजी बुलावै लाजा गूजरी !
म्हारा भोपा-नै देखण आव
ळा - री गूजरी !
ई थारा भोपा-रो देखणो
ा हाळी च्यार
गूजरी !

(११०)

म्हारा रतन राणा !

म्हारा रतन राणा !
अेकर तो अमराण घोडा फेर

अमराणै - मे बोलै सूवा - मोर
हा जी हो म्हारा रतन राणा !
अमराणै - में बोलै सूवा मार
बागा - में बोल छ काळी कोयली रे
म्हारा सायर सोढा ! अेकरसू अमराणै घोडो फेर

अमराणै - में महूडा - रो पेड
हाँ जी हो म्हारा रतन - राणा !
अमराणै - मे महूडा - रो रुख
महूडा माहीं - सू मद नीसरै हो
म्हारा रतन राणा ! अेकर ता अमराणै घोडो फेर

अमराणै - मे घग्ट मडाय
हा जी हो म्हारा रतन राणा
अमराण - में घग्ट मडाय
गहूडा पीमीज
आटइया पीसीजे राणा - राव रा
म्हारा सायर सोढा ! अेकरसू अमराण घोडो फेर

थै तो करडा करिया अे जवाव
गेडी अे वदनोरा - री गूजरी ।
दही-री धायी लाजा गूजरी ।
आडावळा - री गूजरी ।

हो जामी । थारी डरायी ऊदा । ना डर
हू तो घर भोजा-रै नार
गेडी अे वदनारा - री गूजरी ।
आडावळा - री गूजरी ।

(११०)

म्हारा रतन राणा !

म्हारा रतन राणा !
अकर तो अमराणै घोडा फेर

अमराणै - मे बोलै सूवा - मोर
हो जी हो म्हारा रतन राणा !
अमराणै - में बोल सूवा-मोर
बागा - में बोलै छै काळी कोयली रे
म्हारा मायर साढा ! अेकरसू अमराणै घोडा फेर

अमराण - में महूडा - रो पेड
हा जी हो म्हारा रतन - राणा !
अमराणै - मे महूडा - रो रूख
महूडा माही - सू मद नीमरै हो
म्हारा रतन राणा ! अेकर तो अमराणै घोडो फेर

अमराणै - में घरट मडाय
हो जी हो म्हारा रतन राणा
अमराणै - मे घरट मडाय
गहूडा पीसीजै
आटड्यो पोसीजै राणा - राव रो
म्हारा सायर सोढा ! अेकरसू अमराण घोडो फेर

थै तो करडा करिया अे जवाव
गेडी अे वदनोरा - री गूजरी ।
दही-री धायी लाजा गूजरी ।
आडावळा - री गूजरी ।

हो जामी ! थारी डरायी ऊदा ! ना डरु
हू ता घर भोजा रै नार
गेडी अे वदनोरा - री गूजरी ।
आडावळा - री गूजरी ।

(११०)

म्हारा रतन राणा !

म्हारा रतन राणा !
अेकर तो अमराणैं घोडा फेर

अमराणै - मे बोलैं सूवा - मोर
हो जी हा म्हारा रतन राणा !
अमराणै - मैं वालै सूवा-मोर
वागा - मे बोलै छै काळी कोयली रे
म्हारा सायर साढा ! अेकरसू अमराणै घोडो फेर

अमराणै - मे महूडा - रो पेड
हा जी हो म्हारा रतन - राणा !
अमराण - मे महूडा - रो रूख
महूडा माही - सू मद नीसरै हा
म्हारा रतन राणा ! अेकर तो अमराणै घोडा फेर

अमराणै - मैं घरट मडाय
हा जी हो म्हारा रतन राणा
अमराण - मैं घरट मडाय
गहूडा पीमीजैं
आटइया पीमीज राणा - राव रा
म्हारा मायर मोढा ! अेकरमू अमराण घोडो फेर

थै तो करडा करिया अे जवाव
गेडी अे वदनोरा - री गूजरी ।
दही-री धायी लाजा गूजरी ।
आडावळा - री गूजरी ।

हो जामी ! थारी डरायी ऊदा ! ना डरू
हू तो घर भोजा-र नार
गेडी अे वदनोरा - री गूजरी ।
आडावळा - री गूजरी ।

(१११)

धूजो

हाथ में चिटियो धूजो रमण-खेलण नै चाल्या
पाव पैंजणिया, गळै कुज - माळा
रमता - खेलता धूजो पिताजी - रै गइया
पिताजी लेय'र गादी - मे बैठाया

इतरा - में धूजी - रा माई मा आया
हाथ पक्ड धूजी - नै परा रे बगाया
जा - जा रे जा - जा दुवागण-रा जाया
विना रे पिरीत गोदी कैसे आया ?
जे तनै चाय धूजी ! राजाजी - री गोदी
म्हार उदर धूजी ! क्यो नहिं आया ?

रोवत कूकत धूजो माताजी-रै गइया
माताजी ले धूजी-नै कठ लगाया
काई-काई रे धूजी ! थान कण विडराया !
काई काई र धूजी ! थानै कण रुसाया ?
मनै म्हारा पिताजी गोद खेलायो
मनै म्हारा माई मा विडरायो
त नहिं भजिया वाला ! मैं नहिं भजियो
भजिया विना सुख काहे - सू होव ?

पाच वरस - रा धूजो वन - में सिधाया
रामजी मिलण री वार मन में लग रहिया

अमराण - मे   घडै रे सुनार
हो जी हो म्हारा रतन राणा !
अमराणै - में घड रे सुनार
पायनडी घड लाय दै रिमझिम वाजणी र
म्हारा रतन राणा ! अेकर ता अमराणै घाडो फर

भटियन्न ऊभी छाजड्यँ री छाह
हो जी हा म्हारा रतन - राणा !
भटियल ऊभी छाजड्यँ - री छाह
आसूडा ढळकावै कायर मोर ज्यू रे
म्हारा सायर सोढा ! अेकरसू अमराणै घोडो फेर

अमराणै - में घोर   अधार
हो जी हा म्हारा रतन राणा !
अमराण   में घोर   अधार
विलखा नै लाग रे मोहल - माळिया रे
म्हारा रतन राणा ! अेकर तो अमराणै घाडो फेर

धूजो

हाथ-म चिटियो धूजी रमण-खेलण न चाल्या
पाव पैजणिया, गळ कुज - माळा
रमता - खेलता धूजी पिताजी - रै गइया
पिताजी लेय'र गादी - मे बैठाया

इतरा - मे धूजी - रा माई मा आया
हाथ पकड धूजी - नै परा रे वगाया
जा - जा रे जा - जा दुवागण रा जाया
विना रे पिरीत गोदी कसे आया ?
जे तनै चाय धूजी ! राजाजी - री गोदी
म्हारै उदर धूजी ! क्यो नहि आया ?

रोवत कूकत धूजी माताजी-रै गइया
माताजी ले धूजी-नै कठ लगाया
काई-काई रे धूजी ! थान कण विडराया !
काई काई र धूजी ! थान कण रूसाया ?
मनै म्हारा पिताजी गाद खेलायो
मनै म्हारी माई-मा विडरायो
त नहि भजिया वाला ! मै नहि भजियो
भजिया विना सुख काहे - सू होव ?

पाच वरस - रा धूजी वन - मे सिधाया
रामजी मिलण री वार मन-मे लग रहिया

जावो रे नगरी रा लोगा ! राजाजी-न क्वो
आज थारा धूजी वन म सिधाया
अेक गाव ल ल धूजी ! दूजो गाव ले ल
अेक पटो ले ल धूजी ! दूजो पटा ले ल
अेक गाव राखा थारो दूजा गाव राखो
अक पटा राखा थारा दूजा पटो राखो
राज - वरग मन कुछ नहि चहियै
रामजी मिलण-री म्हार मन में लग रहियै

अेक वन गइया धूजी दूज वन गइया
तीज वन म धूजी-न नारद मनि मिलिया
आज म्हारा धूजी ! थे कठीन सिधाया
सिघ-वघेरा धूजी ! स्याळिया घणरा
इसी इसी वाता मनी-नाथ ! मत क्वो
हरजी मिलण री म्हार मन में लग रहिया

नदी-र किनार धूजी आसणिया विछाया
च्यार महीना धूजी करी है तपस्या
च्यार महीना धूजी पान-फळ खइया
च्यार महीना धूजी पवन ज भखिया
च्यार महीना धूजी निरणा रहिया
च्यार महीना धूजी जळ में रहिया

गरुड चढ रामजी अकासा सू आया
माग, माग धूजी ! तन माग साई दवा
अन नहि चहिय, मन धन नहि चहिय
आप - र चरणा - रा नित दरसण पइय
राज-वरग मनै कुछ नहि चहिय
आप - र चरणा रा नित दरसण पइयै

अटळ राज - रो हरजी टीको कीना
मुकनो-सो हाथी धूजो नै चढवा दीना

अव ये धूजी ! थारे घरा-न सिधावो
अटळ राज - रो टीको पावा
चाद - सूरज - रा दिवला मजोया
नव लख तारा धूजी-रै पग्कमा देवै

हाथी घोडा पालखी वव सुख चन जी
जाय उतरिया धूजी पिताजी रै देस में
जावो रे नगरी-रा लोगा ! राजाजी-ने कैवा
आज थारा धूजी वन-सू पाछा आया

दूध - दही - रा कळस भराया
धूजी - के सामन पिताजी आया
थारै धरम - सू मन रामजी मिलिया
धूजी-र सामनै माई मा पधारया
थार धरम - सू मन रामजी मिलिया
पीळा पोतडा सू धूजी-रा माताजी पधारया
थारै पुना - सू मनै रामजी मिलिया

जे कोई धूजी - न दिनूग - रो गाव
दिनूग रा गाव सोई गगा जमना न्हावै
जे कोई धूजी नै दुपार-रो गाव
दुपार - रो गावै मन-चाया फळ पाव
जे कोई धूजी-नै सूई सिम्यया गाव
सई सिझया गावै सो वकुठवासो पावै

जे कोई धूजी - न क्वारी कि्या गाव
क्वारी कि्या गाव वा तो घर-वर पाव
जे कोई धूजी - नै परणी - पाती गावै
परणी - पाती गाव गाद पुतर खेलाव
जे कोई धूजी - नै बूढी - ठेरो गाव
बूढी - ठेरी गावै बा बकूटा नै जाव
